महानगर नई दिल्ली बुधवार 5 मई, 2021, रु. 5.00 (12 पेज) दिल्ली, कोलकाता, लखनऊ और चंडीगढ़ से प्रकाशित

जनसत्ता

jansatta.com | epaper.jansatta.com | facebook.com/jansatta | twitter.com/jansatta

700 मीट्रिक टन से कम ऑक्सीजन आपूर्ति पर दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र से पूछा

क्यों नहीं शुरू की जाए अवमानना की कार्यवाही

नई दिल्ली, 4 मई (भाषा)।

दिल्ली हाई कोर्ट ने मंगलवार को केंद्र से कारण बताने को कहा कि कोविड-19 मरीजों के उपचार के लिए दिल्ली को ऑक्सीजन की आपूर्ति पर आदेश की तामील नहीं कर पाने के लिए उसके खिलाफ अवमानना कार्यवाही क्यों नहीं शुरू की जाए। अदालत ने कहा, 'आप शुतुरमुर्ग की तरह रेत में सिर छिपा सकते हैं, हम ऐसा नहीं करेंगे। क्या आपको इन चीजों के बारे में पता नहीं है।' न्यायमूर्ति विपिन सांघी और न्यायमूर्ति रेखा पल्ली के पीठ ने केंद्र की इस दलील को भी खारिज कर दिया कि मौजूदा चिकित्सकीय ढांचे के आलोक में दिल्ली 700 मीट्रिक टन चिकित्सकीय ऑक्सीजन की हकदार नहीं है।

पीठ ने कहा, 'हम हर दिन इस खौफनाक हकीकत को देख रहे हैं कि लोगों को अस्पतालों में ऑक्सीजन या आइसीयू बेड नहीं मिल रहे, कम गैस आपूर्ति के कारण बेड की संख्या घटा दी गई है।' अदालत ने केंद्र सरकार के दो वरिष्ठ अधिकारियों को नोटिस पर जवाब देने के लिए बुधवार को बाकी पेज 8 पर

अदालत ने कहा, 'आप शुतुरमुर्ग की तरह रेत में सिर छिपा सकते हैं, हम ऐसा नहीं करेंगे। क्या आपको इन चीजों के बारे में पता नहीं है।

पीठ ने केंद्र की इस दलील को भी खारिज कर दिया कि मौजूदा चिकित्सकीय ढांचे के आलोक में दिल्ली 700 मीट्रिक टन चिकित्सकीय ऑक्सीजन की हकदार नहीं है।

अदालत ने केंद्र सरकार के दो वरिष्ठ अधिकारियों को नोटिस पर जवाब देने के लिए बुधवार को अदालत के समक्ष हाजिर होने का निर्देश दिया।

राजनीतिक सरगर्मी तेज, भाजपा-तृणमूल में आरोप-प्रत्यारोप

पश्चिम बंगाल : नतीजों के बाद भड़की हिंसा, 12 लोगों की मौत

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 4 मई।

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के नतीजों के सामने आते ही राज्य के विभिन्न हिस्सों से बड़े पैमाने पर राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं के बीच हिंसा की खबरें आने लगी हैं। पुलिस ने गुटीय संघर्ष में विभिन्न दलों के 12 कार्यकर्ताओं के मारे जाने की पुष्टि की है। हिंसा के आरोप में पुलिस ने राज्य के विभिन्न इलाकों से अब तक 26 लोगों को गिरफ्तार किया है। भाजपा के नेताओं का आरोप है कि चुनाव में अप्रत्याशित जीत के बाद तृणमूल कांग्रेस के समर्थकों ने जगह-जगह उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं व समर्थकों पर हमले शुरू कर दिए हैं। दूसरी ओर, तृणमूल कांग्रेस ने अधिकांश हत्याओं को भाजपा की अंतर्कलह का नतीजा बताया है। साथ ही, भाजपा समर्थकों पर अपने पांच कार्यकर्ताओं की हत्या का आरोप लगाया है।

ताजा भड़की राजनीतिक हिंसा में मारे गए लोगों का जो आंकड़ा सामने आया है, वह एक महीना तक चली चुनाव प्रक्रिया के दौरान हुई हत्याओं के आंकड़े के लांघ गया है। हिंसा को लेकर भाजपा और तृणमूल के नेताओं में जुबानी जंग तेज हो गई है। रविवार को चुनाव के नतीजे सामने आने के बाद से ही सोशल मीडिया पर बड़े पैमाने पर हिंसा की तस्वीरों और वीडियो के साथ तमाम दावे किए जा रहे हैं। इन पोस्ट के बाद बाकी पेज 8 पर

हिंसा के आरोप में पुलिस ने राज्य के विभिन्न इलाकों से अब तक 26 लोगों को गिरफ्तार किया है।
बर्दवान के अलावा नदिया, हुगली, मेदिनीपुर और कूचबिहार से हिंसा की खबरें

प्रधानमंत्री ने हिंसा पर क्षोभ जताया, रिपोर्ट मांगी

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 4 मई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फोन पर राज्यपाल जगदीप धनखड़ से बातचीत में हिंसा से उपजी हालत का जायजा लिया।

उन्होंने राज्य में जारी हिंसा पर गहरी चिंता जताई और रिपोर्ट मांगी। राज्यपाल ने अपने एक ट्वीट में मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनसे बात की और चुनाव के बाद बाकी पेज 8 पर

गृह मंत्रालय ने रिपोर्ट मांगी

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 4 मई।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बंगाल की हिंसा पर गहरी चिंता जताते हुए राज्य सरकार से इस मामले पर रिपोर्ट मांगी है। इससे पहले बंगाल भाजपा अध्यक्ष दिलीप घोष ने राज्यपाल जगदीप धनखड़ से मुलाकात की और हिंसा को लेकर ज्ञापन सौंपा।

उसके बाद धनखड़ ने ममता बनर्जी से हिंसा को लेकर बात की और राज्य के अधिकारियों से रिपोर्ट मांगी। राज्यपाल ने पुलिस महानिदेशक नीरज नयन पांडे और कोलकाता बाकी पेज 8 पर

खेला चोलछे

खरी खरी

जनसत्ता **विशेष**

5 मई, 2021 7
पेज 7

बंगाल में राष्ट्रपति शासन के लिए याचिका

नई दिल्ली, 4 मई (भाषा)।

सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को एक याचिका दायर की गई जिसमें पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद 'व्यापक हिंसा' का आरोप लगाया गया और राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने, केंद्रीय बलों बाकी पेज 8 पर

राज्य प्रायोजित हिंसा से बंगाल जल रहा : भाजपा

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 4 मई।

चुनावी नतीजों के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं की कथित हत्या के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस पर हमला करते हुए भाजपा ने मंगलवार को आरोप लगाया कि राज्य प्रायोजित हिंसा के कारण पश्चिम बाकी पेज 8 पर

ममता ने की शांति की अपील

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 4 मई।

हिंसा की घटनाओं को लेकर तृणमूल कांग्रेस प्रमुख कार्यवाहक मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य के प्रमुख अधिकारियों की बैठक बुलाई और दोषियों से कड़ाई से निपटने का निर्देश दिया। बैठक में राज्य के मुख्य सचिव आलापन बंद्योपाध्याय, गृह सचिव एचके द्विवेदी, पुलिस प्रमुख पांडेय नीरजनयन समेत विभिन्न अधिकारी मौजूद थे। बैठक के बाद ममता बाकी पेज 8 पर

ऋद्धिमान साहा और अमित मिश्रा के कोरोना से संक्रमित होने के बाद फैसला

अनिश्चितकाल के लिए आइपीएल स्थगित

नई दिल्ली, 4 मई (भाषा)।

जैव सुरक्षित वातावरण (बायो बबल) में कोरोना के कई मामले आने के बाद इंडियन प्रीमियर लीग (आइपीएल) को मंगलवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। लीग के अध्यक्ष बृजेश पटेल ने इसकी घोषणा की। सनराइजर्स हैदराबाद के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋद्धिमान साहा और दिल्ली कैपिटल्स के स्पिनर अमित मिश्रा के संक्रमित पाए जाने के बाद यह निर्णय लिया गया। बृजेश पटेल ने कहा कि आगे इसके आयोजन की कोशिश की जाएगी, हालांकि इस महीने यह मुश्किल है।

बीसीसीआइ के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा, 'हम देखेंगे कि क्या साल के दौरान बाद में हमें आइपीएल आयोजन के लिए कोई उपयुक्त समय मिल सकता है। यह सितंबर का महीना हो सकता है लेकिन अभी यह केवल कयास होंगे। अभी की स्थिति यह है कि हम टूर्नामेंट का आयोजन नहीं कर रहे हैं।'

इससे पहले सोमवार को चेन्नई सुपर किंग्स के गेंदबाजी कोच एल बालाजी और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बाकी पेज 8 पर

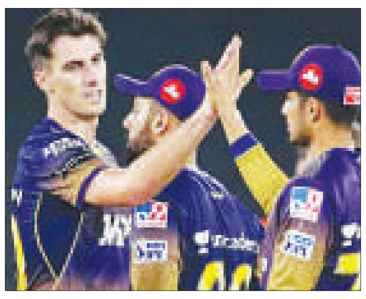

लीग के अध्यक्ष बृजेश पटेल ने कहा, आयोजन की फिर से होगी कोशिश हालांकि इस महीने मुश्किल।

आइपीएल ने कहा, 'यह मुश्किल समय है विशेषकर भारत में और हमने कुछ सकारात्मकता और खुशी लाने की कोशिश की लेकिन अब जरूरी है कि टूर्नामेंट निलंबित किया जाए और हर कोई इस मुश्किल दौर में वापस अपने परिवार और प्रियजनों के पास चला जाए।'

मई में आयोजित होने वाली जेईई मुख्य स्थगित

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 4 मई।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने मंगलवार को घोषणा की कि कोरोना विषाणु संक्रमण की वर्तमान स्थिति को देखते हुए संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) मुख्य के मई सत्र को स्थगित कर दिया गया है। इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए इस परीक्षा का आयोजन किया जाता है। यह सत्र 24 से 28 मई तक आयोजित होने वाला था।

राष्ट्रीय परीक्षा एजंसी (एनटीए) परीक्षार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जेईई (मुख्य) 2021 परीक्षा का आयोजन चार सत्र में कर रही है। इसमें से पहला सत्र 23 से 26 फरवरी के बीच और दूसरा सत्र 16 से 18 मार्च 2021 के दौरान आयोजित किया जा चुका है। परीक्षा बाकी पेज 8 पर

कंगना का खाता स्थायी रूप से बंद किया ट्विटर ने

मुंबई, 4 मई (भाषा)।

ट्विटर ने 'नफरती आचरण एवं अपमानजनक व्यवहार' नीति का उल्लंघन करने पर अभिनेत्री कंगना रनावत का खाता स्थायी रूप से बंद कर दिया।

ट्विटर ने मंगलवार को एक बयान में यह जानकारी दी। 34 वर्षीय अभिनेत्री के अकांउट 'एट कंगना टीम' पर अब 'अकाउंट सस्पेंडेड' (खाता निलंबित) का संदेश लिखा आ रहा है।

रनौत भड़काऊ ट्वीट करने के लिए जानी जाती रही हैं। उन्होंने पश्चिम बंगाल में भाजपा पर ममता बनर्जी नीत तृणमूल कांग्रेस की जीत और चुनाव बाद हिंसा को लेकर कई पोस्ट किए थे। राज्य में राष्ट्रपति शासन की मांग करते बाकी पेज 8 पर

कोरोना स्थिति : सोमवार संक्रमण : 3,57,229, मंगलवार संक्रमण : 3,62,198
सोमवार को मौत : 3449, मंगलवार को मौत : 3388

मंगलवार को 3,62,198 नए मामले

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 4 मई।

देश में मंगलवार रात बारह बजे तक 30 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में कोरोना विषाणु संक्रमण 3,62,198 नए मामले दर्ज किए गए। इस दौरान 3,388 लोगों की मौत संक्रमण चलते हुई।

रात बारह बजे तक राजधानी दिल्ली के आंकड़े जारी नहीं किए गए थे। देश में सबसे अधिक मामले महाराष्ट्र में दर्ज किए बाकी पेज 8 पर

'त्वरित एंटीजन जांच को बढ़ाया जाए'

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 4 मई।

देश में कोरोना विषाणु संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए भारतीय बाकी पेज 8 पर

बिहार में 15 तक पूर्णबंदी

पटना, 4 मई (भाषा)।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी के कारण राज्य में 15 मई तक पूर्णबंदी लागू करने की मंगलवार को घोषणा की। नीतीश ने मंगलवार को ट्वीट कर कहा, कल सहयोगी मंत्री एवं पदाधिकारियों के साथ चर्चा के बाद बिहार में फिलहाल 15 मई बाकी पेज 8 पर

कई राज्य-केंद्रशासित प्रदेश शुरू नहीं कर पाए टीकाकरण

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 4 मई।

देश में 18 साल से अधिक आयु के नागरिकों के लिए कोरोना रोधी टीकाकरण की शुरुआत हुए चार दिन हो चुके हैं लेकिन 18 राज्य और छह केंद्रशासित प्रदेश अभी तक तीसरे चरण का टीकाकरण शुरू नहीं कर पाए हैं।

जिन राज्यों ने टीकाकरण शुरू भी किया है तो वहां के कुछ जिलों में ही 18 से 44 साल के लोगों का टीकाकरण किया जा रहा है।

इसके अलावा जिन जिलों में टीकाकरण चल रहा है, वहां पर दो या तीन दिन के लिए ही टीका लगाने का समय दिया जा रहा है। यानी कुल मिलाकर कहें तो तीसरे चरण का टीकाकरण बाकी पेज 8 पर

बिल और मेलिंडा गेट्स ने तलाक की घोषणा की

न्यूयॉर्क, 4 मई (भाषा)।

अरबपति समाजसेवी बिल और मेलिंडा गेट्स ने तलाक की घोषणा करते हुए अपनी 27 साल की शादी को तोड़ने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि हमारा अब यही मानना है कि अब हम एक दंपति के रूप में साथ नहीं रह सकते है लेकिन अपनी संस्था में हम साथ काम करते रहेंगे।

ट्विटर पर एक संयुक्त बयान में दोनों ने कहा, 'काफी बाकी पेज 8 पर

नहीं रहे पूर्व केंद्रीय मंत्री जगमोहन

नई दिल्ली, 4 मई (भाषा)।

पूर्व केंद्रीय मंत्री व जम्मू कश्मीर के राज्यपाल रहे जगमोहन का सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में निधन हो गया। वह 93 साल के थे और पिछले कुछ समय से बीमार थे। भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी जगमोहन दिल्ली और गोवा के उपराज्यपाल भी रहे। जगमोहन ने बतौर नौकरशाह अपने करिअर की शुरुआत की थी और उन्हें सख्त और कुशल प्रशासक के रूप में देखा जाता था। वर्ष 1984 में उन्हें जम्मू बाकी पेज 8 पर

हैदराबाद प्राणी उद्यान में नए स्वरूप का विषाणु नहीं | **ऐसा पहली बार** | सभी शेरों की लार के नमूनों की हुई जांच

जंगल के राजा को भी कोरोना ने दबोचा

हैदराबाद, 4 मई (भाषा)।

तेलंगाना के हैदराबाद में प्राणी उद्यान में आठ एशियाई शेर कोविड-19 से संक्रमित पाए गए हैं। ऐसा पहली बार हुआ है। यहां के सीएसआइआर-कोशिकीय एवं आणविक जीवविज्ञान केंद्र (सीसीएमबी) में सलाहकार राकेश मिश्र ने मंगलवार को बताया कि प्रमुख अनुसंधान संस्थान में शेरों की लार के नमूनों की अच्छी तरह से जांच की गई थी। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने कहा कि विषाणु के चिंतित करने वाले स्वरूप से यह संक्रमण नहीं हुआ है और सभी आठों शेरों को पृथक कर दिया गया है और उन पर इलाज का असर हो रहा है। वे ठीक हो रहे हैं।

मंत्रालय ने कहा कि इस तरह के साक्ष्य नहीं है कि पशु मनुष्यों में बीमारी को फैला सकें। मिश्रा ने बताया, 'एशियाई शेरों की लार के नमूनों की अच्छी तरह से जांच की गई और उनमें संक्रमण पाया गया। वे पास-पास रहते हैं, इसलिए उनमें संक्रमण फैल गया होगा।' उन्होंने बताया, 'अब हम उनके मल के नमूनों की जांच करने की पद्धति विकसित कर रहे हैं। यह पद्धति भविष्य में उपयोगी होगी, क्योंकि हर बार जंगली जानवर की लार का नमूना लेना संभव नहीं होता है।' मिश्रा ने कहा कि नेहरू प्राणी उद्यान के शेरों में पाया गया विषाणु नए स्वरूप का नहीं है।

उन्होंने कहा, 'उनमें हल्के लक्षण हैं और वे अच्छे से खाना खा रहे हैं और वे ठीक हैं।' एक सवाल का जवाब देते हुए मिश्र ने कहा कि पशुओं के संक्रमित होने की संभावना है क्योंकि वे मनुष्यों की तरह ही स्तनधारी हैं। उन्होंने कहा कि इन शेरों को चिड़ियाघर के कर्मियों से संक्रमण लगा होगा।

प्राणी उद्यान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वे समय-समय पर विश्लेषण के लिए पशुओं के नमूनों को सीसीएमबी भेजते रहते हैं। प्राणी उद्यान के अधिकारियों ने बताया कि शेरो में बुखार जैसे लक्षण दिखे थे जिसके बाद उनके नमूने लेकर सीसीएमबी भेजे गए।

अधिकारियों ने बताया कि पशुओं के नमूने दो तरह से लिए जाते हैं, एक 'स्क्वीज कैज' के जरिए से या उन्हें बेहोश करके।

'स्क्वीज कैज' पद्धति में, जानवर को एक तंग पिजड़े में बंद किया जाता है जहां बाकी पेज 8 पर

इन शेरों को पृथक कर दिया गया है और उनकी उचित देखभाल की गई है और आवश्यक उपचार दिया गया है। इलाज के बाद सभी आठ शेरों के स्वास्थ्य में सुधार दिखाई दे रहा है और वे ठीक हो रहे हैं। वे सामान्य रूप से व्यवहार कर रहे हैं और अच्छी तरह से खाना खा रहे हैं।

सभी चिड़ियाघर कर्मचारियों की सुरक्षा के उपाय पहले से ही शुरू कर दिए गए हैं और बाहरी संपर्क से बचाने के लिए चिड़ियाघर को दर्शकों के लिए बंद कर दिया गया है।'

जनसत्ता क्लासीफाइड

व्यक्तिगत

I Mohd Iqbal S/o Mohammad Isak R/o D-100, Block D, Rajdhani Park, Mundka, Delhi-110041, have changed my name to Mohammad Ikwal
0070739908-1

I,Aditiya Tiwari S/O-Shri Ram Tiwari R/O-D-312/13, D-Block,Ganesh Nagar,Pandav Nagar Complex Delhi-110092,Have Changed My Name To Aditya Tiwari For All,Future Purposes.
0040570618-1

I,Bharti Virmani D/O-Dayal Chand Chawla R/O-18/10-11, Block-18,Ashok Nagar Delhi-110018,Have Changed My Name To Bharti Chawla For All,Future Purposes.
0040570618-2

I, Mohammad Shahroz Bakshi, S/o Mohammad Shahzad Bakshi, R/o 1830 Agha Jaan Street, Darya Ganj, New Delhi - 110002, have change the name to Shahroz Bakshi.
0070739921-1

I, Raj Puri / Raj Kumari,w/o-Jaidev Puri residing-LU-24, Pitampura, Delhi-110034,have changed my name to Raj Kumari Puri,for all purposes.
0040570618-3

I,Mohan Lal S/o.Dal Chand Employed as Lecturer of Physical-Education in DTE of Edu.Dept.Govt.of NCT-Delhi,residing at,28-A,DDA-Flats,Mansarover-Park,Delhi-110032,have changed the name of my minor son Arpit Dev Gautam aged-15years and he shall hereafter be known as Arpit Dev.
0040570618-5

PUBLIC NOTICE

"My client Sh. Brij Mohan S/o Sh. Nihal Chand and Smt. Usha W/o Sh. Brij Mohan R/o House No. 6172, Gali No. 4, Block No. 1, Dev Nagar, Karol Bagh, Delhi-110005 have severed all relationship from their son Hemant Kumar respectively from all his moveable and immovable properties and my client has nothing to do with them. My client shall not be responsible for their acts, deeds from now onwards.

Sd/- **LAJPAT RAI (Advocate)**
1E, P.S. Rathi Block, Tis Hazari Courts, Delhi-110054.

PUBLIC NOTICE

"My client Sh. Kapoor Chand S/o Late Sh. Bhoora Ram and Smt. Ganga Devi W/o Sh. Kapoor Chand R/o House No. B-118, J.J. Colony, Madipur, Paschim Vihar, Delhi-110063 have severed all relationship from their son Dharmender and daughter-in-law Neelam respectively from all his moveable and immovable properties and my client has nothing to do with them. My client shall not be responsible for their acts, deeds from now onwards.

Sd/- **LAJPAT RAI (Advocate)**
1E, P.S. Rathi Block, Tis Hazari Courts, Delhi-110054.

PUBLIC NOTICE

It is hereby informed that my clients Smt. Usha, W/o Sh. Shyam Lal and Sh. Shyam Lal, S/o Late Dip Ram, R/o RZH-684, Street No. 15, Raj Nagar-II, Palam, Delhi-110077 have disowned and disinherited their son Sh. Sonu Panchal and his wife Smt. Preeti from all of their movable and immovable properties.

Henceforth, my said clients Smt. Usha and Sh. Shyam Lal shall not be responsible in any manner for any person entering into any kind of agreement/s, understanding/s, deed/s, contract/s with said Sh. Sonu Panchal and his wife Smt. Preeti.

Sd/- **LALIT KUMAR**, Adv.
12, Old Lawyers Chambers,
Supreme Court of India,
Tilak Marg, New Delhi-01.

PUBLIC NOTICE

MY CLIENTS SH. SHRI PAL S/O SURJU AND HIS WIFE SMT. SANTRA BOTH R/O HOUSE NO.34, GALI NO.- 4, AMBEDKAR NAGAR, HAIDERPUR, NORTH-WEST DELHI-88. DO HEREBY DISOWN / DEBAR THEIR SON HARISH AND HIS WIFE SHIVANI FROM THEIR ALL MOVABLE/ IMMOVABLE PROPERTIES AND SEVERE THEIR RELATIONS FROM THEM DUE TO THEIR MISCONDUCT & DISOBEDIENCE. MY CLIENTS WILL NOT BE RESPONSIBLE FOR THEIR ANY ACTS.

Sd/-
SURENDER SINGH (Advocate)
Ch.No.922, Lawyer's Chamber block, Rohini Courts Complex, Delhi-85

सार्वजनिक सूचना

मेरे मुवक्किलों राजिन्द्र सिंह पुत्र ब्रह्म सिंह और सरोज पत्नी राजिन्द्र सिंह निवासी एच–2/146, सैक्टर–16, रोहिणी, दिल्ली–110089, ने अपनी पुत्री रेनू को अपनी सभी चल–अचल सम्पति से बेदखल कर संबंध विच्छेद कर लिया है। इसके सभी कृत्यों / लेन–देन के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगी। मेरे मुवक्किलों की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

कमल सिंह, अधिवक्ता
चै.नं.512, रोहिणी कोर्टस, दिल्ली–85

PUBLIC NOTICE

Be known to all that my client Sh. Amir Singh S/o Late. Sh. Sardar Dhyan Singh and Smt. Lakshmi Kaur W/O Sh. Amir Singh, Sh. Satwant Singh S/O Sh. Amir Singh and Smt Sakshi W/O Sh. Satwant Singh and Sh. Satvinder Singh All R/O 738B/7, Top Floor, Govind Puri, Kalkaji, New Delhi 110019 has debarred /disowned their real Son/brother/brother-in-law Sh. Beant Singh S/o Sh. Amir Singh, daughter in law / sister-in-law Smt. Jaspreet Kaur W/O Sh. Beant Singh and all family member (if any) of Sh. Beant Singh from their moveable and immoveable properties and severe all relations with them, due to their unpleasant acts and behavior towards them and my client will not liable from any act/omissions/loan/Debt committed by the aforesaid persons in future.

Veenu Mittal (Advocate)
Delhi High Court
Enrl.No.D-1749/2005

PUBLIC NOTICE

Be it known to all public that my client Smt. Satay Wati W/o Late Sh. Birbal Singh R/o 5/538, DakshinPuri Extn., Dr. Ambedkar Nagar, Delhi-110062, has disowned/debarred their both sons namely Prem Chauhan, his wife Smt. Madhu Chauhan and Sanjay Chauhan, his wife Smt. Deepa Chauhan from all their movable and immovable properties/assets and severed all relations due to their disobedience and bad behavior. My client's shall not be responsible for their any acts and deeds in any manner whatsoever.

Jitendar Singh, Advocate
Ch. No. 449, Lawyers Block, Saket Court Complex, New Delhi-110017

वायुसेना बंगलुरु में सौ बिस्तरों वाला कोविड देखभाल केंद्र बनाएगी

बंगलुरु, 4 मई (भाषा)।

कर्नाटक में कोविड-19 के बढ़ते मामलों को देखते हुए भारतीय वायुसेना ने मंगलवार को घोषणा की कि वह यहां वायुसेना स्टेशन में सौ बिस्तरों वाले कोविड देखभाल केंद्र का निर्माण करेगी।

वायुसेना ने ट्वीट करते हुए कहा कि छह मई तक 20 बिस्तर तैयार हो जाएंगे। वायुसेना ने कहा, 'भारतीय वायुसेना ने वायुसेना स्टेशन जालाहल्ली, बंगलुरु में आम जन के लिए सौ बिस्तरों वाला कोविड देखभाल उपचार केंद्र बनाने का निर्णय किया है।' वायुसेना ने कहा, 'ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स के साथ पहले 20 बिस्तर को छह मई से शुरू कर दिया जाएगा। शेष 80 बिस्तर 20 मई से शुरू होने की उम्मीद है।'

पश्चिम बंगाल में हिंसा के बाद सैंकड़ों भाजपा कार्यकर्ता असम भागे : सरमा

गुवाहाटी, 4 मई (भाषा)।

असम के मंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने मंगलवार को दावा किया कि पश्चिम बंगाल में चुनाव बाद हुई हिंसा के बीच वहां से करीब 300–400 भाजपा कार्यकर्ता और उनके परिवार के सदस्य भागकर पड़ोसी राज्य आ गए हैं।

उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से लोकतंत्र को बदरूप होने से बचाने की अपील भी की।

असम के स्वास्थ्य व वित्त मंत्री ने ट्वीट किया, 'एक दुखद घटनाक्रम में बंगाल भाजपा के 300–400 कार्यकर्ता और उनके परिवार के सदस्य घोर अत्याचार एवं हिंसा की मार के बाद असम के धुबरी पहुंच गए।' उन्होंने कहा, 'हम (उन्हें) आश्रय एवं भोजन दे रहे हैं। ममता दीदी को लोकतंत्र को बदरूप होने से बचाना चाहिए। बंगाल बेहतर का हकदार है।'

पश्चिम बंगाल सोमवार को व्यापक हिंसा की गिरफ्त में रहा जिसमें कथित रूप से भाजपा के कई कार्यकर्ता हिंसक झड़प में मारे गए। कई घायल हो गए और दुकानें लूट ली गईं। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने विपक्षी कार्यकर्ताओं पर हमले की घटनाओं पर राज्य सरकार से तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी है।

अयोध्या में भाजपा को झटका, 40 में से महज 8 सीटें मिलीं

यूपी पंचायत चुनाव

अयोध्या, 4 मई (भाषा)।

अयोध्या में पंचायत चुनाव के परिणाम भाजपा के पक्ष में नहीं रहे हैं। जिले की 40 जिला पंचायत सीटों में से भाजपा को महज आठ सीटें मिली हैं।

समाजवादी पार्टी का दावा है कि पिछले महीने हुए पंचायत चुनावों में उसे सबसे ज्यादा फायदा हुआ है। उसके समर्थन वाले उम्मीदवारों ने जिला स्तर पर 22 सीटें जीती हैं। वहीं बसपा का दावा है कि उसके उम्मीदवारों ने अयोध्या में जिला पंचायत की चार सीटें जीती हैं।

पूरे राज्य में सफलता के भाजपा के दावे के विपरीत अयोध्या इकाई ने यह स्वीकार किया है कि उनका प्रदर्शन आशा के अनुरूप नहीं रहा है।

भाजपा के जिला प्रवक्ता दिवाकर सिंह ने बताया, 'परिणाम निराशाजनक हैं। अयोध्या जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा के विधायक होने के बावजूद, हमें सिर्फ आठ जिला पंचायत सीटों पर जीत मिली है।' भाजपा का जिला पंचायत खास तौर से सोहावल उप-जिले में ज्यादा खराब रहा है, जहां केंद्र सरकार ने मस्जिद बनाने के लिए पांच एकड़ भूमि आवंटित की है।

जम्मू-कश्मीर : मुठभेड़ में दो आतंकवादी ढेर

श्रीनगर, 4 मई (भाषा)।

जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में मंगलवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बलों ने बोमई क्षेत्र के नाथीपोरा इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना पर घेराबंदी और खोज अभियान शुरू किया था।

उन्होंने कहा कि खोज अभियान मुठभेड़ में तब तब्दील हो गया जब आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी शुरू कर दी। उनके अनुसार सुरक्षा बलों ने भी जवाबी गोलीबारी की और इस मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए।

उन्होंने बताया कि इलाके में खोज अभियान जारी है।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि मारे गये आतंकवादियों की अभी पहचान नहीं हो पाई है।

कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक विजय कुमार ने एक ट्वीट किया, '(29 मार्च को सोपोर में) दो पार्षदों और एक पुलिस कर्मी की हत्या में शामिल एक विदेशी आतंकवादी मुठभेड़ में घेर लिया गया है।'

कूड़ा उठाने वाली गाड़ी श्मशान तक ले गई शव को

औरंगाबाद 4 मई (भाषा)।

महामारी के इस दौर में मरने के बाद भी सद्गति नहीं मिल रही। अभी पिछले दिनों एक एम्बुलेंस में 22 शवों को एक साथ ले जाने का मामला आया था। इस पर काफी बवाल मचा था। अब कोरोना विषाणु संक्रमण से गंभीर रूप से जूझ रहे महाराष्ट्र में मानवता को झकझोर देने वाला मामला सामने आया है।

राज्य के उस्मानाबाद जिले में कोविड-19 महामारी से मरने वाले एक व्यक्ति के शव को कूड़ा उठाने वाले वाहन के जरिए श्मशान पहुंचाया गया। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि वहां कोई एम्बुलेंस उपलब्ध नहीं हो पाई और निजी वाहनों ने शव को श्मशान तक पहुंचाने से मना कर दिया।

धोल्की पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना सोमवार की है जब किसी गांव का एक व्यक्ति सात किलोमीटर दूर नजदीक के तेर गांव में डॉक्टर के पास गया और वहीं उसके क्लीनिक के बाहर गिर गया। इस घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई जिसके बाद सरकारी अस्पताल की एक टीम घटनास्थल पर पहुंची। उस व्यक्ति की रैपिड एंटीजन जांच किए जाने पर वह कोरोना से संक्रमित पाया गया।

अस्पताल के कर्मचारियों ने आवश्यक कार्रवाई पूरी करने के बाद शव को गांव के लोगों के हवाले कर दिया। गांव के सरपंच विजय हजुग्डे ने बताया कि मृतक के शव को श्मशान घाट ले जाने के लिए एम्बुलेंस की व्यवस्था करने की कोशिश की गयी लेकिन तेर अस्पताल की एम्बुलेंस एक गर्भवती महिला को ले जाने के लिए बुक थी।

बीडीआर बिल्डकॉन लिमिटेड

सीआईएन- L70100DL2010PLC200749
पंजीकृत कार्यालय : 31, जंगपुरा रोड, भोगल, नई दिल्ली–110014
कॉर्पोरेट कार्यालय का पता : 21, मेन रिंग रोड, तृतीय मंजिल, सामने का भाग, लाजपत नगर–IV, नई दिल्ली–110024
दूरभाष : 011–2647 7771, वेबसाइट : www.bdrbuildcon.com, ई–मेल : info@bdrbuildcon.com

31.03.2021 को समाप्त तिमाही तथा वर्ष हेतु लेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों का सारांश

क्र.सं.	विवरण	31.03.2021 को समाप्त तिमाही	31.12.2020 को समाप्त पूर्ववर्ती 3 माह	31.03.2020 को समाप्त संगत 3 माह	31.03.2021 को समाप्त वर्ष	31.03.2020 को समाप्त वर्ष
1	प्रचालन से कुल आय (निबल)	निल	निल	निल	निल	निल
2	अवधि हेतु निबल लाभ/(हानि) (कर, अपवादित तथा/अथवा असाधारण मदों से पूर्व)	689362.67	825764	1172306.36	2965261.67	4878962.45
3	कर पूर्व अवधि हेतु निबल लाभ/(हानि) (अपवादित तथा/अथवा असाधारण मदों के पश्चात)	689362.67	825764	1172306.36	2965261.67	4878962.45
4	कर पश्चात अवधि हेतु निबल लाभ/(हानि) (असाधारण मदों के पश्चात)	689362.67	825764	1172306.36	2965261.67	4878962.45
5	अवधि हेतु कुल व्यापक आय [अवधि हेतु (कर पश्चात) लाभ/(हानि) तथा अन्य व्यापक आय (कर पश्चात)]	689362.67	825764	1172306.36	2965261.67	4878962.45
6	इक्विटी शेयर पूँजी (रु. 10/– प्रत्येक का फेस वैल्यू)	66450000	66450000	66450000	66450000	66450000
7	आरक्षियाँ (गत वर्ष के तुलन पत्र में प्रदर्शित के अनुसार पुनर्मूल्यांकन को छोड़कर)	25126298	25126298	20291032	25126298	20291032
8	प्रति शेयर अय (सतत एवं असतत अवधि हेतु) (रु. 10/– प्रत्येक का फेस वैल्यू)					
	मूल :	0.10	0.12	0.18	0.45	0.73
	डाइल्यूटेड :	0.10	0.12	0.18	0.45	0.73

नोट :

1. उपर्युक्त सेबी (सूचीबद्धता एवं अन्य प्रकटन अपेक्षाएँ) विनियम, 2015 के विनियम 33 के तहत स्टॉक एक्सचेंज के साथ दर्ज 31.03.2021 को समाप्त तिमाही तथा वर्ष हेतु वार्षिक वित्तीय परिणामों के व्यापक प्रारूप का सारांश है। कथित वित्तीय परिणामों का पूर्ण प्रारूप स्टॉक एक्सचेंज(जों) की वेबसाइट htts://www.nseindia.com/emerge.itp/ तथा सूचीबद्ध संस्था www.bdr-buildcon.com पर उपलब्ध है।
2. विधिक लेखापरीक्षक द्वारा लेखापरीक्षित 31.03.2021 के समाप्त तिमाही तथा वर्ष हेतु उपर्युक्त लेखापरीक्षित वित्तीय परिणाम 03.05.2021 को आयोजित अपनी बैठक में निदेशक मण्डल द्वारा रिकार्ड पर लिये गये और अनुमोदित किये गये।

कृते बिल्डकॉन लिमिटेड
ह./–
राजेश गुप्ता
प्रबन्ध निदेशक

स्थान : नई दिल्ली
तिथि : 03.05.2021

SOLEX ENERGY LIMITED

(CIN: L40106GJ2014PLC081036) ("SEL" /TARGET COMPANY"/"TC")
Registered Office: Plot No. 131/A, Phase 1, Nr. Krimy Industries, GIDC, Vithal Udyognagar, Anand-388121, Gujarat, India Phone No. +91-2692-230317
Email:info@solex.in; Website: www.solex.in

Recommendations of the Committee of Independent Directors (IDC) on the Open Offer to the Shareholders of Solex Energy Limited ("SEL" or the "Target Company") under regulation 26 (7) of the SEBI (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 2011 and subsequent amendments thereto ("SEBI (SAST) Regulations")

1.	Date	30.04.2021
2.	Name of the Target Company	Solex Energy Limited
3.	Details of the Offer pertaining to Target Company	Open Offer to acquire up to 20,80,000 Equity Shares of Rs. 10/- each representing 26.00 % of the emerging equity and voting share capital of the Target Company, to be acquired by the Acquirers, at a price of Rs. 35/- per Equity share payable in cash in terms of Regulation 3(1) and Regulation 4 of the SEBI (SAST) Regulations, 2011.
4.	Name(s) of the acquirer and PAC with the acquirers	Mr. Chetan Sureshchandra Shah (Acquirer-1), Ms. Paulomi Chetan Shah (Acquirer-2), Ms. Sapna Vipul Shah (Acquirer-3), Ms. Shakuntala Mulchand Shah (Acquirer-4), Mr. Satyanarayan Unkarchand Rathi (Acquirer-5), Mr. Anil Rathi (Acquirer-6), Mr. Shivprakash Unkarchand Rathi (Acquirer-7), Mr. Pukhraj Agrawal (Acquirer-8), Ms. Bhavana Agrawal (Acquirer-9), Mr. Piyush Chandak (Acquirer-10), Mr. Kailashchandra Bansilal Chandak (Acquirer-11), Ms. Kavita Kailashchandra Chandak (Acquirer-12), Ms. Kavita Piyush Chandak (Acquirer-13), Mr. Krishna Patodia (Acquirer-14), Arunkumar Kashiramji Patodia (Acquirer-15), Ms. Sunita Arunkumar Patodia (Acquirer-16), Mr. Narayan Arun Patodia (Acquirer-17) (hereinafter referred to as "the Acquirers") and Ms. Shikha Ayush Patodia (PAC)
5.	Name of the Manager to the offer	Navigant Corporate Advisors Limited
6.	Members of the Committee of Independent Directors ("IDC")	Chairman: Mr. Rajeshbhai Tulsibhai Patel Member: Mr. Vijaykumar Savjibhai Virpara
7.	IDC Member's relationship with the Target Company (Director, Equity shares owned, any other contract/ relationship), if any	IDC Members are the Independent Directors of the Target Company. Neither Chairman nor Member of IDC holds any equity shares in the Target Company. None of them have entered into any other contract or have other relationship with the Target Company.
8.	Trading in the Equity shares/other securities of the Target Company by IDC Members	No trading has been done by the IDC Members in the equity shares/ other securities of the Target Company.
9.	IDC Member's relationship with the acquirers (Director, Equity shares owned, any other contract / relationship), if any.	None of the IDC Members have any relationship with the Acquirers.
10.	Trading in the Equity shares/other securities of the acquirers by IDC Members	Not Applicable
11.	Recommendation on the Open offer, as to whether the offer, is or is not, fair and reasonable	The IDC Members believes that the Open Offer is fair and reasonable. However, the shareholders should independently evaluate the Offer and take informed decision in the matter.
12.	Summary of reasons for recommendation	IDC recommends acceptance of the Open offer made by the Acquirers as the Offer price of Rs. 35/- per fully paid up equity share is fair and reasonable based on the following reasons: 1. The Offer price appears to be reasonable considering market prices of Target Company. 2. The offer price of Rs. 35/- per fully paid up equity share offered by the Acquirers are more than volume-weighted average price paid by Acquirers during 52 weeks immediately preceding the date of Public Announcement i.e. 17th March,2021. 3. The equity shares of the Target Company are frequently traded shares within the meaning of explanation provided in Regulation 2(j) of SEBI (SAST) Regulations, 2011. 4. The offer price of Rs. 35/- per fully paid up equity share offered by the Acquirers are higher than the volume-weighted average market price of shares for a period of sixty trading days immediately preceding the date of the public announcement. Keeping in view above facts IDC is of opinion that Open Offer price is fair and reasonable and is in accordance with the relevant regulations prescribed in the Takeover Code and prima facie appear to be justified.
13.	Details of Independent Advisors, if any.	None
14.	Any other matter(s) to be highlighted	No

To the best of our knowledge and belief, after making proper enquiry, the information contained in or accompanying this statement is, in all material respect, true and correct and not misleading, whether by omission of any information or otherwise, and includes all the information required to be disclosed by the Target Company under the SEBI (SAST) Regulations.

Capitalized terms used in this announcement, but not defined, shall have the same meaning assigned to them in the PA, DPS and LOF.

For Solex Energy Limited
Sd/-
Mr. Rajeshbhai Tulsibhai Patel
Chairman-Committee of Independent Directors
DIN: 07920531

Place: Anand
Date: 30.04.2021

केन्द्रीय भंडारण निगम

(भारत सरकार का उपक्रम)
कॉर्पोरेट ऑफिस : 4/1 सिरी इंस्टीट्यूशनल एरिया, अगस्त क्रांति मार्ग, हौज खास, नई दिल्ली

सार्वजनिक सूचना
रूचि की अभिव्यक्ति हेतु आमंत्रण

दिनांक 03.05.2021

केंद्रीय भंडारण निगम (सीडब्ल्यूसी) बिल्ट ऑपरेट ट्रांसफर (बीओटी) आधार पर सीडब्ल्यूसी के किसी भी अथवा सभी दिए गए स्थानों पर नवीन निर्माण या आवश्यकतानुसार सुधार (रेट्रोफिटिंग) के माध्यम से रिक्त भूमि / गोदाम/वेअरहाउस कम्पार्टमेंटों में प्याज एवं अन्य शीघ्र खराब होने वाले कृषि उत्पादों के लिए सीए/एमए भंडारण क्षमता सहित कोल्ड चेन की स्थापना हेतु रूचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) आमंत्रित करता है।

इच्छुक पार्टियां विस्तृत विवरण तथा ईओआई दस्तावेज के नियम एवं शर्तों के लिए हमारी वेबसाइट **www.cewacor.nic.in** देख सकते हैं।

जन जन क लिए भण्डारण

महाप्रबंधक (वाणिज्यिक), सीडब्ल्यूसी., नई दिल्ली

SURAKSHA ARC

सुरक्षा एसेट रीकंस्ट्रक्शन लिमिटेड

(पूर्व की सुरक्षा एसेट रीकंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड)
सीआईएनः U74120MH2015PLC268857
पंजीकृत कार्यालयः 20वीं मंजिल, "ए" विंग, नमन मिडटाउन, सेनापति बापट मार्ग, एल्फिंस्टन रोड, मुम्बई–400013.
दूरभाषः +91 22 4027 3679 फैक्सः +91 22 4027 3700
ई–मेल आईडीः admin@surakshaarc.com वेबसाइटः www.surakshaarc.com

परिशिष्ट IV-A
[प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के तहत]

अचल सम्पत्ति की बिक्री हेतु ई–नीलामी सूचना

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के प्रावधानों के साथ पठित वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 ("कथित नियम") के तहत अचल सम्पत्ति की बिक्री हेतु ई–नीलामी सूचना।

एतद्द्वारा जनसामान्य को तथा विशेष रूप से कर्जदार(रों) एवं जमानती(यों) को सूचना दी जाती है कि सुरक्षा एआरसी 032 ट्रस्ट के ट्रस्टी के रूप में अपनी क्षमता में कार्यरत सुरक्षा एसेट रीकंस्ट्रक्शन लिमिटेड (प्रतिभूत लेनदार) के पास बंधक/ प्रभारित नीचे वर्णित अचल सम्पत्ति जिनका सांकेतिक/रचनात्मक कब्जा प्रतिभूत लेनदार द्वारा कर लिया गया है, कर्जदार (रों) तथा सह–कर्जदार (रों) से प्रतिभूत लेनदार के बकायों रु. 2,04,38,86,938/– (30.04.2021 तक) की वसूली के लिए नीचे उल्लिखित निर्दिष्ट तिथि एवं समय पर "जहाँ है जैसे है", "जो है यही है", तथा "जो कुछ भी है वहीं है" आधार पर बिक्री की जायेगी। अचल सम्पत्ति का आरक्षित मूल्य तथा जमा धरोहर राशि नीचे वर्णित है। बिक्री के विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिए कृपया प्रतिभूत लेनदार की वेबसाइट अर्थात www.surakshaarc.com पर प्रावधानित लिंक का सन्दर्भ लें।

कर्जदार/ सह–कर्जदार(रों)/ प्रतिभूत प्रदाता/ओं के नाम	सम्पत्ति का विवरण	संविदा/ ईएमडी जमा करने की अन्तिम तिथि	ई–नीलामी की तिथि एवं समय	आरक्षित मूल्य (रु.)	जमा धरोहर राशि (10%) (रु.)	प्रतिभूत लेनदार के संज्ञान में ऋणभारों का विवरण
कर्जदार : एस एस एक्जिम प्राइवेट लिमिटेड (कर्जदार) अक्षज इन्फ्रा प्राईवेट लिमिटेड (बंधककर्ता)	सूर्या किरन बिल्डिंग, प्लैट नं. 911, 9वां तल, के.जी. मार्ग, नई दिल्ली पर स्थित सम्पत्ति का सम्पूर्ण भाग तथा उस पर समस्त भवन एवं संरचनाएं, पृथ्वी से जुड़ी अथवा पृथ्वी से स्थायी रूप से सम्बद्ध वर्तमान तथा भावी समस्त संयन्त्र तथा मशीनरी।	07.06.2021	तिथि : 08.06.2021 समय : 12.00 बजे अप.– 2.00 बजे अप.	2,35,00,000/–	23,50,000/–	कोई नहीं

तिथिः 05/05/2021
स्थानः नई दिल्ली

(अधिकृत प्राधिकारी)
सुरक्षा एसेट रीकंस्ट्रक्शन लिमिटेड
(सुरक्षा एआरसी–032 ट्रस्ट के ट्रस्टी के रूप में अपनी क्षमता में कार्यरत)

स्टेन स्वामी की जमानत अर्जी पर एनआइए को नोटिस

मुंबई, 4 मई (भाषा)।

बंबई उच्च न्यायालय ने मंगलवार को राष्ट्रीय जांच एजंसी (एनआइए) को एल्गार–परिषद माओवादी संबंध मामले के आरोपी आदिवासी अधिकार कार्यकर्ता स्टेन स्वामी की चिकित्सा जमानत याचिका पर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति एस एस शिंदे और न्यायमूर्ति मनीष पितले के पीठ ने महाराष्ट्र सरकार के प्राधिकारियों को स्वामी के वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति पर 15 मई तक एक रिपोर्ट दायर करने का भी निर्देश दिया।

84 वर्षीय स्वामी ने इस साल मार्च में एक विशेष एनआइए अदालत के फैसले को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय का रुख किया था जब विशेष एनआइए अदालत ने मेडिकल आधार और मामले के गुणदोष के आधार पर उनकी जमानत अर्जी खारिज कर दी थी।

स्वामी के वकील और वरिष्ठ अधिवक्ता मिहिर देसाई ने पीठ को बताया कि स्वामी को अक्तूबर 2020 में गिरफ्तार किया गया था।

एनआईआईटी लिमिटेड

पंजी. कार्यालयः 8, बालाजी इस्टेट, प्रथम तल, गुरु रवि दास मार्ग, कालकाजी, नई दिल्ली–110019
फोन नं.: +91–11–41675000, फैक्स नं.: +91–11–41407120
CIN: L74899DL1981PLC015865
वेबसाईटः www.niit.com, ईमेलः Email: investors@niit.com

सूचना

निवेशक शिक्षा तथा संरक्षण कोष में इक्विटी शेयरों का अंतरण

7 सितम्बर, 2016 से लागू कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय द्वारा अधिसूचित निवेशक शिक्षा तथा संरक्षण कोष प्राधिकरण (लेखा, ऑडिट, अंतरण तथा रिफंड) नियमावली, 2016 ("नियमावली") तथा उसके अंतर्गत की गई संशोधनों के साथ पठित कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 124 (6) के प्रावधानों के अनुपालन में यह सूचना दी जा रही है।

नियमावली के अनुपालन में अप्रदत्त अथवा दावा–रहित लाभांश को सात वर्षों की पूर्णता के बाद केन्द्र सरकार द्वारा स्थापित निवेशक शिक्षा तथा संरक्षण कोष (आईईपीएफ) में कम्पनी को अंतरित करना पड़ता है।

पुनः कम्पनी की ऐसी इक्विटी शेयरों जिनके संदर्भ में लगातार सात वर्षों अथवा अधिक से लाभांश दावा–रहित अथवा अप्रदत्त रहा है, को कम्पनी द्वारा निवेशक शिक्षा तथा संरक्षण कोष ("आईईपीएफ") सस्पेंस खाता में अंतरित किया जायेगा।

कम्पनी ने उनकी दावा रहित लाभांश का विवरण उन्हें उपलब्ध कराने तथा गुरुवार, 15 जुलाई, 2021 तक उक्त दावा–रहित लाभांश को प्राप्त करने हेतु दावा करने का अवसर प्रदान करने ताकि आईईपीएफ प्राधिकरण की डीमैट खाता में उनकी शेयरों के अंतरित न की जाए, के लिये उनके पंजीकृत पते पर सभी संबंधित शेयरधारकों को वैयक्तिक सूचना पहले ही भेज दी है।

ऐसे शेयरधारकों, दावा–रहित लाभांश तथा आईईपीएफ सस्पेंस खाता में अंतरण के लिये नियत शेयरों के विवरण कम्पनी की वेबसाइट अर्थात www.niit.com पर शेयरधारकों की जानकारी तथा आवश्यक कार्यवाही के लिये उपलब्ध है।

दावा–रहित/ अप्रदत्त लाभांश तथा आईईपीएफ में अंतरित किये जाने के लिये नियत शेयरों के विवरणों की जांच करने के लिये संबंधित शेयरधारक (कों) तत्काल हमारी वेबसाईट देख सकते हैं तथा उनकी लाभांश के दावे के समर्थन में आवश्यक दस्तावेजों के साथ नीचे दर्शाई गई को–ऑर्डिनेट्स पर कम्पनी से सम्पर्क कर सकते हैं। गुरुवार, 15 जुलाई, 2021 तक सूचना प्राप्त नहीं करने की स्थिति में कम्पनी नियमावली द्वारा विनिर्दिष्ट नियत तिथि अथवा आवश्यक अनुपालन के लिए जैसा भी लागू हो, आगे विस्तारित तिथि तक उनके विफल होने पर लाभांश एवं/ अथवा शेयरों के अंतरण की कार्रवाई करेगी। इस सिलसिले में कृपया ध्यान रहे किः

i. भौतिक पद्धति में धारित शेयरों के लिएः नये शेयर प्रमाणपत्र (त्रों) जारी किये जाएंगे तथा आगे कोई भी सूचना दिये बिना उसे आईईपीएफ प्राधिकरण की डीमैट खाता में अंतरित किया जाएगा। पुनः ऐसे नये शेयर प्रमाणपत्र (त्रों) जारी करने के उपरान्त आपके नाम में पंजीकृत मूल शेयर प्रमाणपत्र स्वतः निरस्त हो जाएगा तथा उसे अनुपयुक्त माना जाएगा।
ii. इलेक्ट्रॉनिक पद्धति में धारित शेयरों के लिएः आगे कोई भी सूचना दिए बिना डिपॉजिटरी पार्टिसिपैन्ट्स की सहायता से प्रत्यक्ष रूप से शेयरों को आईईपीएफ प्राधिकरण की डीमैट खाता में अंतरित किया जाएगा।

सदस्यगण पुनः ध्यान रखें कि उसकी वेबसाईट पर कम्पनी द्वारा उपलब्ध कराई गई विवरणों को आईईपीएफ में शेयरों के अंतरण के लिए कम्पनी द्वारा डुप्लिकेट शेयर प्रमाणपत्रों को जारी करने के संदर्भ में पर्याप्त सूचना माना जाएगा। कृपया ध्यान रहे कि उक्त नियमावली के अनुसार आईईपीएफ प्राधिकरण में अंतरित लाभांश राशि तथा शेयरों के लिए कम्पनी के विरुद्ध कोई दावा नहीं की जा सकेगी।

दावा–रहित लाभांश राशि तथा आईईपीएफ में अंतरित शेयरों को ऊपर वर्णित आईईपीएफ नियमावली के अंतर्गत निर्दिष्ट प्रक्रिया का अनुसरण कर आईईपीएफ प्राधिकरण से संबंधित शेयरधारक वापस प्राप्त करने का दावा कर सकते हैं।

उक्त विषय–वस्तु पर किसी भी प्रकार की पूछताछ के लिए आप 8, बालाजी इस्टेट, गुरु रवि दास मार्ग, कालकाजी, नई दिल्ली–110019, फोनः 011–41675000; फैक्सः 011–41407120, ईमेलः investors@niit.com पर कम्पनी के निवेशक सेवा विभाग से सम्पर्क कर सकते हैं।

एनआईआईटी लिमिटेड के लिए
हस्ता./–
दीपक बंसल
कम्पनी सचिव

स्थानः गुरुग्राम
तिथिः 4 मई, 2021

विशेष रेलगाड़ी को अतिरिक्त ठहराव प्रदान

सर्वसंबंधित को सूचित किया जाता है कि रेलवे द्वारा रेल यात्रियों की सुविधा के लिए निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ी को पुरूलिया रेलवे स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। जिनका विवरण निम्नानुसार है :–

02819/02820 (भुवनेश्वर – आनन्द विहार – भुवनेश्वर) एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी (सप्ताह में दो दिन)

गाड़ी सं. 02819		स्टेशन	गाड़ी सं. 02820	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
23.35	23.40	टाटा नगर	04.05	04.10
01.18	01.20	पुरूलिया	02.28	02.30
03.17	03.22	ने.सु.च.बो. गोमो	00.30	00.35

गाड़ी सं 02819 भुवनेश्वर से दिनांक 30.06.2021 तक तथा गाड़ी सं 02820 आनन्द विहार से दिनांक 02.07.2021 तक चलेगी।

रेलगाड़ियों और रेलवे स्टेशनों पर सामाजिक दूरी व सैनिटाइजेशन आदि सहित कोविड–19 से संबंधित राज्य एवं केन्द्र सरकार के सभी नियमों और सभी सावधानियों का पालन करना अनिवार्य है।

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि उपरोक्त रेलगाड़ियों के मार्ग में पड़ने वाले स्टेशनों की विस्तृत समय–सारणी की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in देखें अथवा NTES App देखें।

रेलमदद हेल्पलाइन नं. **139**

रेलमदद वेबसाइट देखें : www.railmadad.indianrailways.gov.in

रेलमदद ऐप डाउनलोड करें

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा - हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें
965/21

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

एनडीएमसी ने कर्मचारियों को दी सुविधा

होगा चिकित्सा बीमा और मिलेंगी कई सहूलियत

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 4 मई।

कोविड-19 महामारी के मद्देनजर नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने मंगलवार को अपने कर्मचारियों के लिए चिकित्सा बीमा और किसी भी उपलब्ध सरकारी या निजी अस्पताल में चिकित्सा उपचार सहित कई विशेष कल्याणकारी योजनाओं की घोषणा की है। इसमें किसी भी उपलब्ध सरकारी और निजी अस्पताल में कराए गए कोविड-19 के चिकित्सा उपचार के व्यय की प्रतिपूर्ति पालिका परिषद की अनुमोदित दरों पर 100 फीसद किए जाने का प्रावधान भी किया गया है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय और दिल्ली सरकार के जारी निर्देशों और दिशानिर्देशों के अनुसार समय-समय पर पालिका परिषद क्षेत्र में मूलभूत नागरिक सेवाएं निर्बाध और सुचारू रूप से प्रदान करना महामारी की स्थिति के दौरान नई दिल्ली नगरपालिका परिषद द्वारा जारी है, जिनमें स्वच्छता, पानी और बिजली की आपूर्ति और चिकित्सा सेवाएं इत्यादि शामिल हैं। विभिन्न विभागों में काम करने वाले पालिका परिषद कर्मचारी आवश्यक सेवाओं के रूप में घोषित किए गए कार्यों में निरंतर और प्रभावी ढंग से कार्यरत है।

इस स्थिति को देखते हुए तत्काल चिकित्सा उपचार प्रदान करने के लिए ड्यूटी पर रहते हुए उनके मनोबल को बढ़ाने के लिए कल्याणकारी उपाय के रूप में सभी कर्मचारियों, भूतपूर्व कर्मचारियों, संविदात्मक आरएमआर कर्मचारियों और उनके आश्रितों के उपचार के लिए चिकित्सा सुविधा की किसी भी उपलब्ध सरकारी या निजी अस्पताल के लिए अनुमति देना आवश्यक है।

डीयू : ऑनलाइन कक्षाएं 16 मई तक स्थगित की

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 4 मई।

दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) ने कोरोना विषाणु के मामलों में वृद्धि के मद्देनजर 16 मई तक ऑनलाइन कक्षाएं स्थगित कर दी है। छात्र संगठनों और अध्यापकों ने ऑनलाइन कक्षाओं को स्थगित करने की मांग की थी।

विवि ने मंगलवार को जारी एक अधिसूचना में कहा कि कोविड-19 के मामलों में अचानक तेज बढ़ोतरी के कारण विवि के विभागों और कॉलेजों में 16 मई तक ऑनलाइन कक्षाएं स्थगित रहेंगी। डीयू टीचर्स एसोसिएशन (डूटा) ने इस मुद्दे पर विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलपति प्रो पीसी जोशी को एक पत्र लिखा था।

डूटा ने पत्र में कहा था कि छात्र और उनके परिवार के सदस्य महामारी से जूझ रहे हैं जिसके कारण कक्षाओं में उपस्थिति घट गई है। इसलिए डूटा की मांग है कक्षाएं स्थगित की जाएं क्योंकि छात्र और अध्यापक पठन-पाठन की प्रक्रिया को जारी करने के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार नहीं हैं।

ऑक्सीजन की कमी पर तीन आइएएस अधिकारी रखेंगे नजर

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 4 मई।

ऑक्सीजन की कमी के संकट से उभरने के लिए अब दिल्ली के तीन आइएएस अधिकारी सीधे नजर रखेंगे। इसके लिए वे कॉलसेंटर की निगरानी करेंगे। इसके अतिरिक्त 20 कॉलसेंटर की मदद से इस संकट पर नजर रखी जाएगी।

दिल्ली सरकार के मुताबिक मंगलवार को ऑक्सीजन की आपूर्ति 450 मीट्रिक टन रही है और आने वाले दिनों में इसे बढ़ाकर 500 मीट्रिक टन तक किए जाने की योजना है वहीं इस किल्लत से उभरने के लिए सरकार ने दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) की भी मदद का फैसला लिया है। दिल्ली सरकार के मुताबिक दिल्ली में ऑक्सीजन की मांग लगातार बढ़ रही है। संभावना जताई जा रही है कि यह मांग 11 मई 2021 तक 976 मीट्रिक टन तक पहुंच जाएगी। सरकार ने ऑक्सीजन की कमी को पूरा करने के लिए लगातार कोशिश कर रही है। दिल्ली ऑक्सीजन की आपूर्ति के लिए रूड़की, पानीपत, गाजियाबाद व आसपास के राज्यों पर निर्भर है। यह आपूर्ति काफी दूर के इलाकों से होती है।

आपात स्थिति में डीटीसी डिपो से पहुंचेगी ऑक्सीजन : दिल्ली में गहरा रहे ऑक्सीजन संकट में मदद करने के लिए अब डीटीसी के डिपो का सहारा लिया जाएगा। दिल्ली सरकार ने सभी जिलों के डिपों को एक ऑक्सीजन पूल में जोड़ने का फैसला लिया है। ये आदेश दिल्ली सरकार के अधिकारी आशीष कुंद्रा ने जारी किए हैं। आदेशों के मुताबिक इस आदेश के तहत जोड़े गए डिपो से घर में एकांतवास में रह रहे लोगों, निजी व सरकारी अस्पतालों के मरीजों तक ऑक्सीजन पहुंचाई जाएगी। हर जिले को इसके लिए 20 सिलेंडर शुरुआत में दिए जाएंगे और जिला दंडाधिकारी की निगरानी में यह काम होगा। दंडाधिकारी अपने क्षेत्र में 10 फीसद तक के अतिरिक्त कोटे का इस्तेमाल कर सकेंगे।

पुलिस आयुक्त व मंडलायुक्त को उपराज्यपाल कार्यालय ने दिए आदेश

दिल्ली में हर 24 घंटे में देनी होगी सख्ती की रिपोर्ट

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 4 मई।

कोरोना की लहर से हो रहे नुकसान को कम करने के लिए दिल्ली में सख्ती बढ़ सकती है। दिल्ली की व्यवस्थाओं पर उपराज्यपाल अनिल बैजल अब सीधी निगरानी करेंगे।

इस बाबत उपराज्यपाल ने पुलिस आयुक्त व मंडलायुक्त को एक पत्र भी लिखा है। इस पत्र में नियमों का सख्ती से पालन किए जाने और हर दिन सात बजे तक 24 घंटे के कामकाज की रिपोर्ट देने के आदेश दिए गए हैं। कोरोना संक्रमण की वजह से दिल्ली में हो रहे नुकसान को देखते हुए यह आदेश जारी किए गए हैं। सरकार का मानना है कि इस सख्ती से संक्रमण को रोकने में मदद मिल सकेगी।

आदेश में कहा गया है कि कोरोनाकाल के लिए जो भी आदेश निर्धारित किए गए हैं। उन आदेशों का सख्ती से पालन किया जाए। इसके अतिरिक्त इस स्थिति से निपटने के लिए आम जनता को अधिक से अधिक जागरूक किया जाए और प्रतिदिन की स्थिति की समीक्षा की जाएगी। इस कामकाज की रिपोर्ट को प्रतिदिन 7 बजे तक मुख्य सचिव को भेजा गए।

दिल्ली दंगा : गवाहों के बयान दर्ज करने में देरी पर आरोपी को मिली जमानत

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 4 मई।

दिल्ली की एक अदालत ने उत्तर पूर्वी दिल्ली में पिछले साल फरवरी में हुए दंगों से जुड़े दो मामलों में एक आरोपी को जमानत देते हुए कहा कि पुलिस ने कोई विश्वसनीय सफाई दिए बिना काफी देरी के बाद सरकारी गवाहों के बयान दर्ज किए और हथियार बरामद किया। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विनोद यादव ने दीपक कुमार (30) को 20,000 रुपए के निजी मुचलके और इतनी ही राशि का एक जमानती पेश करने पर इस शर्त पर जमानत दी कि वह इलाके में शांति एवं सौहार्द्र बनाए रखेगा और किसी भी आपराधिक गतिविधि में शामिल नहीं होगा।

रामलीला मैदान में 500 आइसीयू बिस्तर एक हफ्ते में शुरू होने की उम्मीद : सिसोदिया

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 4 मई।

उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने मंगलवार को स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन के साथ रामलीला मैदान में बन रहे 500 बिस्तरों के आइसीयू सेंटर का जायजा लिया। यहां आइसीयू सेंटर बनाने का काम जारी है। उन्होंने कहा कि अगले हफ्ते सेंटर शुरू हो सकता है। उपमुख्यमंत्री ने मंगोलपुरी स्थित संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल का भी दौरा कर वहां का जायजा लिया।

बैंक ऑफ़ इंडिया Bank of India BOI

बैंक ऑफ इंडिया, आंचलिक कार्यालय, नई दिल्ली जोन, "स्टार हाउस", एच -2, कनॉट सर्कस, मध्य/ बाहरी सर्कल, पीवीआर प्लाजा हॉल, नई दिल्ली के समीप - 110001. फोन नंबर 011-28844099

शुद्धिपत्र

यह शुद्धिपत्र दिनांक 28.04.2021 को फाइनेंशियल एक्सप्रेस और जनसत्ता में प्रकाशित दिनांक 31.05.2021 को होने वाली ई नीलामी के लिए है।

यह शुद्धिपत्र इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश दिनांक 24.04.2021 की जनहित याचिका संख्या 2020 के 564 के अनुसार ई-नीलामी से 5 संपत्तियों की वापसी से प्रभावित होने वाले सभी संबंधितों को दिया जा रहा है। आदेश के अनुसार, कोई भी बैंक या वित्तीय संस्थान 31.05.2021 तक किसी भी संपत्ति या संस्थान या व्यक्ति या पार्टी या किसी भी निकाय के संबंध में नीलामी के लिए कोई कार्रवाई नहीं करेगा। आदेश उत्तर प्रदेश राज्य में लागू है। इसलिए, मैसर्स बोनमार्ट इंटरनेशनल लिमिटेड के खाते में क्रम संख्या 1 से 4 की संपत्तियां और और श्री गोपाल यादव पुत्र बदन यादव के खाते में क्रम संख्या 10 की संपत्तियां दिनांक 31.05.2021 को होने वाली ई-नीलामी से वापस ले ली गई हैं।

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 05.05.2021

अधिकृत अधिकारी:
बैंक ऑफ इंडिया

KVB Karur Vysya Bank Smart way to bank

द करूर वैस्य बैंक लि.
मंडल कार्यालय, नं. 6, 3रा तल, मेट्रो पिलर नं. 80 के सामने, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली-110005

04.05.2021

संदर्भ: 1) श्रीमती गायत्री सिंह, पत्नी श्री शिव शंकर सिंह, अरजी/ प्लॉट नं. 97, फेज 2, ओम नगर कॉलोनी, सोयेपुर, घनश्याम पीजी कॉलेज के निकट, वाराणसी-221002 तथा 2) श्री शिव शंकर सिंह, पुत्र श्री शिव पूजन सिंह, अरजी/ प्लॉट नं. 97, फेज 2, ओम नगर कॉलोनी, सोयेपुर, घनश्याम पीजी कॉलेज के निकट, वाराणसी-221002 को भेजी गई श्रीमती गायत्री सिंह की ऋण खाता में बकायी की वसूली के लिये वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन अधिनियम, 2002 (सरफैसी अधिनियम) की धारा 13 (2) के अंतर्गत जारी की गई सूचना।

जैसा कि आपने प्रतिभूत क्रेडीटर बैंक को ऊपर वर्णित ऋण खाता में ऋणों के पुनर्भुगतान में चूक की है (खाता 23.3.2021 को एनपीए बन चुकी है), बैंक ने 16.04.2021 को सरफैसी अधिनियम के अंतर्गत सूचना जारी कर आपको रु. 28,02,104.04 (रुपये अट्ठाइस लाख दो हजार एक सौ चार एवं पैसे चार मात्र) की बकाया राशि के भुगतान का निर्देश दिया था। सूचना की एक प्रति प्लॉट नं. 97, परगणा शिवपुर, मौजा सोयेपुर, वाराणसी-221007 में परिसर में चिपकाई गई है।

जैसा कि आप सं. 1 को पंजीकृत डाक से भेजी गई सूचना अनसर्व्ड वापस लौट आई। एतद्द्वारा आपको निर्देश दिया जाता है कि ऋण की देयताओं, बैंक के पास प्रभारित प्रतिभूतियों का सम्पूर्ण विवरण नोट करने के लिये अपने स्वयं के हित में बैंक में जाकर सूचना की प्रति प्राप्त करें।

एतद्द्वारा आपको निर्देश दिया जाता है कि सूचना की तिथि से 60 दिनों के भीतर 06.04.2021 से भुगतान की तिथि तक ब्याज के साथ ऊपर वर्णित राशि का भुगतान करें अन्यथा प्रतिभूत क्रेडीटर बैंक सरफैसी अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार नीचे वर्णित रूप में बैंक के पास हाइपोथेकेटेड/ गिरवी प्रतिभूत परिसम्पत्तियों के प्रवर्त्तन के अपने अधिकारों का प्रयोग करने हेतु बाध्य होगा।

तिथि: 4.5.2021
स्थान: वाराणसी

मुख्य प्रबंधक एवं प्राधिकृत अधिकारी
द करूर वैस्य बैंक लि.

प्रतिभूत परिसम्पत्तियों का संक्षिप्त विवरण

प्लॉट नं. 97, परगणा शिवपुर, मौजा सोयेपुर, वाराणसी-221007

KVB Karur Vysya Bank Smart way to bank

द करूर वैस्य बैंक लि.
मंडल कार्यालय, नं. 6, 3रा तल, मेट्रो पिलर नं. 80 के सामने, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली- 110005

04.05.2021

संदर्भ: 1) श्री निशीथ कुमार पाठक, पुत्र श्री प्रेम शंकर पाठक, एस-17/294, मोहल्ला नादेसर, वार्ड सिकरोल, वाराणसी- 221002 तथा 2) श्रीमती पूनम पाठक, एस-17/294, मोहल्ला नादेसर, वार्ड सिकरोल, वाराणसी- 221002 को भेजी गई श्री निशीथ कुमार पाठक की ऋण खाता में बकायी की वसूली के लिये वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन अधिनियम, 2002 (सरफैसी अधिनियम) की धारा 13 (2) के अंतर्गत जारी की गई सूचना।

जैसा कि आपने प्रतिभूत क्रेडीटर बैंक को ऊपर वर्णित ऋण खाता में ऋणों के पुनर्भुगतान में चूक की है (खाता 23.3.2021 को एनपीए बन चुकी है), बैंक ने 13.04.2021 को सरफैसी अधिनियम के अंतर्गत सूचना जारी कर आपको रु. 9,35,974.58 (रुपये नौ लाख पैंतीस हजार नौ सौ चौहत्तर एवं पैसे अन्ठावन मात्र) की बकाया राशि के भुगतान का निर्देश दिया था। सूचना की एक प्रति एच.न. ए-17/86, डी-1-के, मोहल्ला नादेसर वार्ड सिकरोल, वाराणसी-221002 में परिसर में चिपकाई गई है।

जैसा कि आप दोनों को पंजीकृत डाक से भेजी गई सूचना अनसर्व्ड वापस लौट आई। एतद्द्वारा आपको निर्देश दिया जाता है कि ऋण की देयताओं, बैंक के पास प्रभारित प्रतिभूतियों का सम्पूर्ण विवरण नोट करने के लिये अपने स्वयं के हित में बैंक में जाकर सूचना की प्रति प्राप्त करें।

एतद्द्वारा आपको निर्देश दिया जाता है कि सूचना की तिथि से 60 दिनों के भीतर 06.04.2021 से भुगतान की तिथि तक ब्याज के साथ ऊपर वर्णित राशि का भुगतान करें अन्यथा प्रतिभूत क्रेडीटर बैंक सरफैसी अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार नीचे वर्णित रूप में बैंक के पास हाइपोथेकेटेड/ गिरवी प्रतिभूत परिसम्पत्तियों के प्रवर्त्तन के अपने अधिकारों का प्रयोग करने हेतु बाध्य होगा।

तिथि: 04.05.2021
स्थान: वाराणसी

मुख्य प्रबंधक एवं प्राधिकृत अधिकारी
द करूर वैस्य बैंक लि.

प्रतिभूत परिसम्पत्तियों का संक्षिप्त विवरण

1. एच.न. ए-17/86, डी-1-के, मोहल्ला नादेसर वार्ड सिकरोल, वाराणसी-221002

KVB Karur Vysya Bank Smart way to bank

द करूर वैस्य बैंक लि.
मंडल कार्यालय, नं. 6, 3रा तल, मेट्रो पिलर नं. 80 के सामने, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली- 110005

04.05.2021

संदर्भ: 1) मै. सिंह कम्युनिकेशन, पर प्रॉप.: हरपाल सिंह, 2320, एम्पॉयर टावर, पुरानी दिल्ली रोड, गुड़गाँव-122001 तथा 2) श्रीमती दलजीत कौर, पत्नी श्री हरपाल सिंह, 1384, ग्राम सुखराली, गुड़गाँव को भेजी गई मै. सिंह कम्युनिकेशन की ऋण खाता में बकायी की वसूली के लिये वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन अधिनियम, 2002 (सरफैसी अधिनियम) की धारा 13 (2) के अंतर्गत जारी की गई सूचना।

जैसा कि आपने प्रतिभूत क्रेडीटर बैंक को ऊपर वर्णित ऋण खाता में ऋणों के पुनर्भुगतान में चूक की है (खाता 23.3.2021 को एनपीए बन चुकी है), बैंक ने 22.04.2021 को सरफैसी अधिनियम के अंतर्गत सूचना जारी कर आपको रु. 42,10,187.93 (रुपये बयालिस लाख दस हजार एक सौ सत्तासी एवं पैसे तिड़ानवे मात्र) की बकाया राशि के भुगतान का निर्देश दिया था। सूचना की एक प्रति ईपी 38/16, म्यूनिसिपल नं. 635/13, नया नं. 038/15, नई बस्ती, तहसील एवं जिला गुड़गाँव-122001 में परिसर में चिपकाई गई है।

जैसा कि आप दोनों को पंजीकृत डाक से भेजी गई सूचना अनसर्व्ड वापस लौट आई। एतद्द्वारा आपको निर्देश दिया जाता है कि ऋण की देयताओं, बैंक के पास प्रभारित प्रतिभूतियों का सम्पूर्ण विवरण नोट करने के लिये अपने स्वयं के हित में बैंक में जाकर सूचना की प्रति प्राप्त करें।

एतद्द्वारा आपको निर्देश दिया जाता है कि सूचना की तिथि से 60 दिनों के भीतर 01.04.2021 से भुगतान की तिथि तक ब्याज के साथ ऊपर वर्णित राशि का भुगतान करें अन्यथा प्रतिभूत क्रेडीटर बैंक सरफैसी अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार नीचे वर्णित रूप में बैंक के पास हाइपोथेकेटेड/ गिरवी प्रतिभूत परिसम्पत्तियों के प्रवर्त्तन के अपने अधिकारों का प्रयोग करने हेतु बाध्य होगा।

तिथि: 4.5.2021
स्थान: गुड़गाँव

मुख्य प्रबंधक एवं प्राधिकृत अधिकारी
द करूर वैस्य बैंक लि.

प्रतिभूत परिसम्पत्तियों का संक्षिप्त विवरण

नं. ईपी 38/16, म्यूनिसिपल नं. 635/13, नया नं. 038/15, नई बस्ती, तहसील एवं जिला गुड़गाँव-122001 में निर्मित सम्पूर्ण सम्पत्ति

• GLOBAL GENERICS • DIAGNOSTICS • FORMULATIONS • SELF HEALTH PRODUCTS

MOREPEN
The Joy Of Growing Together

YEARS 35 MOREPEN

MOREPEN LABORATORIES LIMITED

(CIN: L24231HP1984PLC006028)

Regd. Office : Morepen Village, Nalagarh Road, Near Baddi, Distt. Solan, H.P. - 173205
Tel: +91-1795-266401-03, 244590, **Fax:** +91-1795-244591
Website: www.morepen.com, **E-mail:** investors@morepen.com

Extract of Statement of Audited Consolidated Financial Results For the Quarter & Year Ended 31st March, 2021

(₹ in Lakhs, except per share data)

Sl. No.	Particulars	Consolidated				
		Quarter Ended			Year Ended	
		31.03.2021 (Audited)	31.12.2020 (Unaudited)	31.03.2020 (Audited)	31.03.2021 (Audited)	31.03.2020 (Audited)
1	Total Income from Operations	29076.23	31026.33	20838.74	120012.53	86255.04
2	Net Profit for the period before Tax	2763.43	2380.24	1136.27	9851.15	3910.76
3	Net Profit for the period after Tax	2676.05	2379.34	1102.11	9709.00	3357.89
4	Total Comprehensive Income for the period (Comprising Profit for the period (after tax) and other Comprehensive Income (after tax)	2690.97	2308.10	1022.19	9693.87	3096.83
5	Paid-up Equity Share Capital of Face Value of Rs.2/- each	8995.86	8995.86	8995.86	8995.86	8995.86
6	Reserves excluding Revaluation reserve	-	-	-	33479.12	19410.25
7	Earning Per Share (in Rs.)					
	Basic	0.59	0.53	0.25	2.16	0.75
	Diluted	0.59	0.53	0.25	2.15	0.75

Note:-

A The above is an extract of the detailed format of Quarterly Financial Results filed with the Stock Exchange under Regulation 33 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of the Quarterly Financial Results is available on the Stock Exchange's websites **www.bseindia.com** and **www.nseindia.com** and on the Company's website **www.morepen.com.**

B Additional Information on Standalone financial results is as follows:-

(₹ in Lakhs)

Sl. No.	Particulars	Quarter Ended			Year Ended	
		31.03.2021 (Audited)	31.12.2020 (Unaudited)	31.03.2020 (Audited)	31.03.2021 (Audited)	31.03.2020 (Audited)
1	Total Income from Operations	26797.38	29330.35	19087.27	112419.67	80140.46
2	Net Profit for the period before Tax	2514.26	2463.88	947.82	9424.84	3748.18
3	Net Profit for the period after Tax	2514.26	2463.88	947.82	9424.84	3233.31
4	Total Comprehensive Income for the period (Comprising Profit for the period (after tax) and other Comprehensive Income (after tax)	2528.15	2385.98	868.51	9397.58	2979.03

For and on behalf of the Board of Directors

Place : New Delhi
Date : May 04, 2021

Sd/-
(Sushil Suri)
Chairman & Managing Director

Note - Shareholders are requested to register their Email ID at investors@morepen.com/info@masserv.com/www.morepen.com for quick correspondence.

खबरों में शहर

हिंसा के खिलाफ भाजपा का बंगाल भवन पर प्रदर्शन, गिरफ्तारी दी

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 4 मई

बंगाल चुनाव परिणाम के बाद हुई हिंसा के विरोध में भारतीय जनता पार्टी ने बंगाल भवन के बाहर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता के नेतृत्व में प्रदर्शन किया। भाजपा ने कहा कि बंगाल आगजनी एवं हत्या का शर्मनाक चक्र चला रखा है जिसने लोकतंत्र को शर्मसार किया है। प्रदर्शन में विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी, सांसद मीनाक्षी लेखी, रमेश बिधूड़ी, प्रवेश साहिब सिंह, विधायक विजेंद्र गुप्ता, मोहन सिंह बिष्ट, अभय वर्मा, अजय महावर, अनिल बाजपेयी एवं जितेंद्र महाजन शामिल हुए और इसके विरोध में गिरफ्तारी दी।

कोरोना से वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ की मौत

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 4 मई।

दिल्ली सरकार के अस्पताल महर्षि बाल्मिकी अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक और बाल रोग विभाग के अध्यक्ष डाक्टर संजीव कुमार की मंगलवार सुबह मौत हो गई। वह कोरोना मरीजों के लिए आबंटित कई वार्ड की स्वयं निगरानी कर रहे थे। उनकी निगरानी में महर्षि वाल्मीकि अस्पताल के कोरोना वार्ड में मरीजों का इलाज चल रहा था। इसी क्रम में डॉक्टर संजीव कुमार खुद कोरोना संक्रमित हो गए और मंगलवार सुबह वे जिंदगी से हार गए। दिल्ली के डॉक्टर समुदाय ने डॉक्टर संजीव कुमार की मौत पर गहरा शोक जताया और कहा कि सैकड़ों लोगों को मौत के मुंह से निकालने वाले डॉक्टर कुमार खुद जिंदगी की लड़ाई हार गए।

संक्रमण के कारण सिपाही की मौत

जनसत्ता संवाददाता
नोएडा, 4 मई।

पुलिस आयुक्त कार्यालय के डायल 112 पर तैनात एक कांस्टेबल की सोमवार देर रात कोरोना संक्रमण के चलते मौत हो गई। कांस्टेबल ने इलाज के दौरान अस्पताल में तोड़ दिया। पुलिस उपायुक्त मुख्यालय लाइन मीनाक्षी कात्यायन के मुताबिक कोरोना संक्रमित होने के बाद कांस्टेबल अंकित जनपद शामली मे स्थित अपने पैतृक गांव चले गए थे। कांस्टेबल अंकित की सोमवार देर रात इलाज के दौरान मौत हो गई है। वे डायल 112 पर तैनात थे। उनके निधन से नोएडा पुलिस विभाग बेहद दुखी है। मंगलवार पुलिस कार्यालय में दो मिनट का मौन धारण कर कांस्टेबल की आत्मा की शान्ति के लिए प्रार्थना की गई। बता दें कि गौतमबुद्ध नगर में तैनात करीब 207 पुलिसकर्मी कोविड-19 से अब तक संक्रमित हो चुके हैं।

सड़क हादसों में महिला समेत दो की जान गई

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 4 मई।

दिल्ली में अलग-अलग इलाकों में हुए सड़क हादसे में एक महिला समेत दो लोगों की मौत हो गई। पहली घटना सीमापुरी थाना क्षेत्र के दिलशाद गार्डन चौराहे पर घटी। ट्रक चालक ने एक ऑटो को रौंद दिया। हादसे में चालक की मौत हो गई। वहीं दूसरी घटना शकरपुर थाना क्षेत्र की है, जहां ट्रक चालक ने स्कूटी सवार महिला को कुचल दिया। हादसे में महिला की मौत हो गई। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कार्रवाई कर रही है। जानकारी के मुताबिक, सोमवार देर रात करीब 1:30 बजे दिलशाद गार्डन सरकारी स्कूल चौराहे से 70 साल के चंद्रसेन ऑटो लेकर वहां से गुजर रहे थे। इस दौरान ट्रक ने इनको टक्कर मार दी। हादसे में ऑटो के परखच्चे उड़ गए। जख्मी हालत में चंद्रसेन को हेडगेवार अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। चंद्रसेन परिवार के साथ लक्ष्मी गार्डन, लोनी में रहते थे। इनके परिवार में पत्नी, दो बेटे व दो बेटियां हैं। चंद्रसेन आनंद विहार से ऑटो चलाता थे। पुलिस ने मंगलवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिवार के हवाले कर दिया। फिलहाल पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी ट्रक चालक के बारे में जानकारी जुटने में जुटी है।

दिल्ली सरकार का एलान

ऑटो-टैक्सी चालकों को राहत राशि, परिवारों को मिलेगा मुफ्त राशन

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 4 मई।

कोरोनाकाल में आर्थिक संकट से जूझ रहे परिवारों को राहत देने के लिए दिल्ली सरकार ने दो माह का राशन मुफ्त उपलब्ध कराने का फैसला लिया है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ऑनलाइन प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि इसका लाभ 72 लाख परिवारों को मिलेगा और राशन कार्ड प्राप्त परिवारों तक राशन पहुंचाया जाएगा। इसी प्रकार 1.56 लाख ऑटो-टैक्सी वालों को भी दिल्ली सरकार ने पांच- पांच हजार रुपए की आर्थिक सहायता देने का भी फैसला लिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दो महीने तक मुफ्त राशन देने का मतलब यह नहीं है कि दिल्ली में बंद भी दो माह तक चलेगा। उन्होंने कहा कि जैसे ही मामले कम होंगे तो बंद को खत्म कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह समय एक-दूसरे की मदद करने और अच्छा इंसान बनने का है। मैं अपील करता हूं कि सभी पार्टी और जाति-धर्म के लोग एक-दूसरे की मदद करें। हम लोगों को अस्पताल में भर्ती कराने, ऑक्सीजन व बिस्तर दिलाने, बीमार और गरीब लोगों को खाना खिलाने में मदद कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि मुझे पूरी उम्मीद है कि हम सब मिलकर लड़ेंगे, तो बहुत जल्द कोरोना से जीत पा लेंगे। उन्होंने बताया कि पिछली बार दिल्ली सरकार ने 1.56 लाख ऑटो-टैक्सी चालकों की मदद की थी। उन सभी लोगों की मदद इस बार भी की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बंद लगाना जरूरी था, ताकि कोरोना के केस में कमी आ सके और कोरोना संक्रमण की कड़ी टूट सके। उन्होंने कहा कि हम सब लोग जानते हैं कि बंद खासकर गरीब लोगों के लिए बड़ा आर्थिक संकट पैदा कर देता है। खास कर उन लोगों के लिए जो दिहाड़ी कर-के रोज कमाते हैं। बीते सप्ताह दिल्ली सरकार ने खासकर मजदूरों के खाते में 5-5 हजार रुपए डालने का एलान किया था। उनके खाते में 5-5 हजार रुपए जा भी चुके हैं। इसके अलावा जिनकी आरटी-पीसीआर की रिपोर्ट पॉजिटिव आ रही है। सरकार ने उन मजदूरों के लिए भी अलग से मदद करने का एलान किया था।

केवल कार्ड धारक ही नहीं, बल्कि हर जरूरतमंद को मिले राशन : कांग्रेस

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 4 मई।

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस की ओर से मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मांग की गई है कि भले ही किसी के पास राशन कार्ड न हो पर यदि वह जरूरतमंद है तो सरकार को उसे राशन मुहैया करवाना चाहिए। इस संकट की घड़ी में सरकार यह नहीं सोचे की केवल राशन कार्ड धारकों को ही राशन दिया जाए। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार ने मंगलवार को कहा कि केजरीवाल सरकार ने पिछले छह सालों में 54 लाख से अधिक जरूरतमंदों का राशन कार्ड नहीं बनाया, आज जो घोषणा हुई है। वो भी आधी अधूरी है। उन्होंने मांग किया की सभी जरूरतमंदों को निशुल्क राशन दिया जाए, उन्होंने कहा कि जिनके पास राशन कार्ड नहीं है उनके पास किसी भी प्रकार के सरकारी दस्तावेज को आधार बना कर राशन पहुंचाया जाए।

प्रदेश अध्यक्ष ने केजरीवाल सरकार के ऑटो चालक और मजदूरों के लिए मंगलवार को की गई घोषणा को भी धोखा बताया। उन्होंने कहा कि केजरीवाल ने पिछले साल भी ठीक इसी प्रकार का घोषणा की थी, आज एक साल के बाद भी फौरी राहत के तौर पर की गई घोषणा नहीं पहुंचा। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि दिल्ली में पंजीकृत पांच लाख से अधिक भवन निर्माण से जुड़े

> सभी जरूरतमंदो को निशुल्क राशन दिया जाए और जिनके पास राशन कार्ड नहीं है उन्हें किसी भी प्रकार के सरकारी दस्तावेज को आधार बना कर राशन दिया जाए

मजदूरों में से 75,000 रुपए से भी कम मजदूरों को 5,000 रुपए की सहायता राशि दी गई, उन्होंने कहा कि इसके लिए भी दिल्ली सरकार ने मजदूरों के राहत कोष में जमा 32,00 करोड़ का राशि से खर्च किया, मतलब मजदूरों का पैसा उन्हें जरूरत पर नहीं मिला, जबकि सरकार का इसमें एक पैसा खर्च नहीं। यह धोखा नहीं तो क्या है।

दिल्ली में श्मशान घाट और कब्रिस्तानों की संख्या बढ़ाने को लेकर याचिका दायर

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 4 मई।

> जनहित याचिका पर मंगलवार को अदालत ने केंद्र और दिल्ली सरकार से जवाब मांगा है।

कोविड-19 के कारण रोज बड़ी संख्या में लोगों की मौत के कारण शहर में श्मशान घाट और कब्रिस्तानों की संख्या अस्थायी तौर पर बढ़ाने का अनुरोध करने वाली जनहित याचिका पर मंगलवार को अदालत ने केंद्र और दिल्ली सरकार से जवाब मांगा है। राजधानी में हर तीन मिनट पर हो रही मौत और अंतिम संस्कार में आठ-दस घंटों की प्रतीक्षा के बीच दिल्ली में श्मशान घाट, कब्रिस्तानों की संख्या बढ़ाने को लेकर याचिका दायर की गई है।

मुख्य न्यायाधीश डीएन पटेल और न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की पीठ ने केंद्र, दिल्ली सरकार, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और नगर निकायों को नोटिस जारी कर उनसे याचिका पर जवाब मांगा। अदालत ने प्राधिकारियों को याचिकाकर्ता प्रत्यूष प्रसन्न द्वारा उपलब्ध आंकड़ों पर विचार करते हुए अपने जवाब देने के निर्देश दिए हैं।

वकील के जरिए दायर याचिका में प्रसन्न ने दावा किया-अस्पतालों में बिस्तरों और जांच किट तथा ऑक्सीजन आपूर्ति जैसे अन्य सामान की भारी कमी के कारण देश में खासतौर से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बड़ी संख्या में लोगों की मौत हो रही है। याचिका में कहा गया है कि इसके चलते श्मशान घाट और कब्रिस्तान भर गए हैं और शवों का अंतिम संस्कार करने में काफी वक्त लग रहा है। अतः श्मशान घाट और कब्रिस्तानों की संख्या अस्थायी तौर पर बढ़ाने की आवश्यकता है।

दिल्ली सरकार ने अदालत को बताया

निश्चित तौर पर नहीं कह सकते कि 21 मरीजों की मौत ऑक्सीजन की कमी से हुई

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 4 मई।

दिल्ली सरकार ने हाई कोर्ट को सूचित किया है कि वह जयपुर गोल्डन (जीजे) अस्पताल में कोविड-19 से संक्रमित 21 मरीजों की मौत के मामले में पता नहीं लगा सकती कि क्या इन मरीजों की मौत ऑक्सीजन की कमी से ही हुई। विशेषज्ञ समिति यह सुनिश्चित नहीं कर सकी कि मरीजों की मौत ऑक्सीजन की कमी से ही हुई। दिल्ली सरकार ने ऐसे मरीजों की उपचार प्रक्रिया को जांचने और ऑक्सीजन की कमी से मरीजों की मौत हुई है या नहीं, यह सुनिश्चित करने के लिए एमएएमसी और एलएनएच में प्रोफेसर (मेडिसिन) नरेश कुमार की अध्यक्षता में चार सदस्यीय समिति का गठन किया था।

दिल्ली सरकार ने हाई कोर्ट को सौंपी अपनी रिपोर्ट में विशेषज्ञ समिति के निष्कर्षों का हवाला दिया और कहा-संक्रमण से हुए रोग के मद्देनजर इन मामलों में ऑक्सीजन की कमी को मौत का कारण बताए जाने के संबंध में समिति का मानना है कि यह निश्चित तौर पर नहीं कहा जा सकता कि मौत का कारण ऑक्सीजन की ही कमी है। समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा- वे सभी मरीज एक या एक से अधिक गंभीर बीमारियां जैसे कि हृदय, मधुमेह, हाइपोथायरोडिज्म, हाइपरटेंशन जैसी गंभीर बीमारी से ग्रसित थे।

इन सभी मरीजों को एक प्रकार की ऑक्सीजन थेरेपी दी जा रही थी या अस्पताल में इलाज के दौरान वेंटिलेटर पर थे।

26 लाख रुपए का गबन करने के आरोप में कंपनी के दो कर्मचारी गिरफ्तार

जनसत्ता संवाददाता
नोएडा, 4 मई।

> तीसरे आरोपी आरुष की हो रही तलाश

एटीएम मशीन में नकदी डालने और निकालने के दौरान 26.63 लाख रुपए का गबन करने वाले कंपनी के दो आरोपी कर्मचारियों को थाना सेक्टर 39 पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया।

इस मामले में एक आरोपी अभी फरार चल रहा है। पकड़े गए आरोपियों के पास से 18.40 लाख रुपए नगद और 15 डेबिट कार्ड बरामद हुए हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों को मंगलवार को कोर्ट में पेश किया जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

नोएडा जोन के एडीसीपी रणविजय सिंह के मुताबिक थाना सेक्टर 39 पुलिस की टीम ने मंगलवार को एटीएम फ्रॉड के मामले में सिटी हॉस्पिटल खोड़ा के पास से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

इनकी पहचान प्रयागराज निवासी सूरज कुमार और अलीगढ़ निवासी विपिंद्र के रूप में हुई है। बताया गया है कि सीएमएस इन्फो सिस्टम्स लिमिटेड कंपनी एटीएम मशीन में नगदी डालने का काम करती है। गिरफ्तार दोनों आरोपी इसी कंपनी में कस्टोडियन के रूप में तैनात थे और साहिबाबाद स्थित कंपनी की शाखा में कार्यरत थे। इन दोनों आरोपियों का काम एटीएम में नगदी भरने और निकालने का था। आरोप है कि इन दोनों ने अपने एक साथी आयुष के साथ मिलकर 22 मार्च 2021 को सलारपुर के बैंक ऑफ बड़ौदा में नगदी भरने के लिए गए थे। वहां इन लोगों ने धोखाधड़ी करते हुए कंपनी के 26.63 लाख रुपए का गबन कर लिया था। यह घटना सीसीटीवी फुटेज में भी कैद हो गई थी। जब इस फर्जीवाड़ा के बारे में कंपनी को पता चला तब कंपनी की ओर से थाना सेक्टर 39 में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। गिरफ्तार आरोपियों के पास से 18.40 लाख रुपए बरामद कर लिए गए हैं और तीसरे आरोपी आयुष की तलाश की जा रही है।

> सूचना देने के लिए दिल्ली पुलिस ने जारी किया सहायता नंबर

चिकित्सीय उपकरणों व दवाइयों की चोरी के खिलाफ कसेगी नकेल

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 4 मई।

राजधानी में बीते कई दिनों से चिकित्सीय उपकरण, रेमडेसिविर के अलावा अन्य दवाइयों का जमकर कालाबाजारी होने की सूचना पुलिस को मिल रही थी। आखिरकार दिल्ली पुलिस सतर्क हुई और ऐसे लोगों की नकेल कसने की तैयारी में जुट गई है। कालाबाजारी करने वालों की शिकायत करने के लिए जहां एक ओर सहायता नंबर जारी किया गया है। वहीं, दूसरी ओर बीते 15 दिनों में 73 मामले दर्ज किए गए और 91 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस आयुक्त एसएन श्रीवास्तव द्वारा सोमवार को पुलिस की ओर से अपील की गई थी कि कालाबाजारी या कोविड के दौरान इससे जुड़े मामलों की धोखाधड़ी करने वालों के खिलाफ सहायता नंबर 011-23469900 पर शिकायत करें। दिल्ली पुलिस आयुक्त ने बताया कि पुलिस ने सोमवार को 86 रेमडेसिविर, 90 फेवीपिरावर टेबलेट और दूसरे जब्त सामानों को छोड़कर अस्पतालों में पहुंचा दिया है। आगे और जब्त सामान को छोड़कर अस्पताल पहुंचाने की प्रक्रिया जारी है।

दिल्ली पुलिस ने कोरोना महामारी के दौरान महज पंद्रह दिनों के भीतर 73 मामले दर्ज कर कुल 91 लोगों को दवाइयां, इंजेक्शन और चिकित्सीय उपकरणों की कालाबाजारी के आरोप में गिरफ्तार किया है। मंगलवार को दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी।

दिल्ली पुलिस आयुक्त एसएन श्रीवास्तव ने बताया कि पुलिस ने 13 ऑक्सीमीटर, 18 ऑक्सी पंप, दो खाली रेमडेसिविर इंजेक्शन, तीन एंबुलेंस, नौ प्रेशर रेग्युलेटर, 213 फ्ल्स ऑक्सीमीटर, सात गैस पाइप, सात डबल गेज रेग्युलेटर के अलावा 1591 अन्य सामान जब्त किया है। दर्ज किए गए मामलों में 49 कालाबाजारी और जमाखोरी के हैं जबकि 24 मामले ठगी के दर्ज किए गए हैं। पुलिस ने अब तक 425 रेमडेसिविर इंजेक्शन, 90 फेवीपिरावीर टेबलेट, 213 ऑक्सीजन सिलिंडर, 225 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर और 82 ऑक्सीजन फ्लो रेग्युलेटर बरामद किए हैं। पुलिस लगातार कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है।

दोगुने से भी ज्यादा दाम पर 'ऑक्सीजन मशीन' बेचने के आरोप में दो गिरफ्तार

द्वारका जिला स्पेशल स्टाफ ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है, जो 50 हजार रुपए कीमत की 12 'ऑक्सीजन कंसंट्रेटर' मशीन जरूरतमंदों को एक लाख 25 हजार रुपए में बेच रहे थे। आरोपियों की पहचान आकाश अग्रवाल और विनय वशिष्ठ के तौर पर की गई है। इनकी निशानदेही पर पुलिस ने 12 मशीनें जब्त की हैं।

जिला पुलिस उपायुक्त संतोष मीणा ने बताया कि कोरोना समय में लोगों की मदद के साथ ही, उन लोगों पर भी नजर रखे हुए है, जो चिकित्सा से जुड़े सामानों की कालाबाजारी में लगे हैं। इसी दौरान स्पेशल स्टाफ की टीम को कुछ लोगों ने इस मशीन के कालाबाजारी की सूचना दी थी। इसके बाद एक टीम गठित की गई। टीम ने खरीदार के रूप में दोनों से संपर्क किया। आरोपियों ने बताया कि उनके पास 12 मशीनें हैं। हर मशीन की कीमत एक लाख 25 हजार रुपए है। पुलिस ने उन्हें मशीन खरीदने का भरोसा दिया। जैसे ही आरोपी मशीन लेकर पहुंचे, टीम ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

सुविधा | किसी मरीज से पैसा नहीं लिया जाएगा

गुरुद्वारा रकाबगंज में सौ से ज्यादा ऑक्सीजन बिस्तर बन कर तैयार

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 4 मई।

सांसों के लिए, तड़प रहे दिल्ली के लोगों के लिए गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने राहत पहुंचाने की कोशिश की है। गुरुद्वारा रकाबगंज में ही 250 ऑक्सीजन बिस्तरों की व्यवस्था का काम शुरू हो चुका है। छह मई को 100 बिस्तरों पर मरीजों को यहां सुविधा मिलनी शुरू हो जाएगी। इसके बाद कुछ दिनों में यहां 150 और आक्सीजन वाले बेड की व्यवस्था होनी है।

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी की तरफ से गुरुद्वारा रकाबगंज साहब में भाई लक्खी शाह बंजारा हाल में कोरोना केयर सेंटर 6 मई से शुरू हो जाएगा। 250 बिस्तरों का यह केंद्र बनाया जा रहा है जिसके पहले पड़ाव में 100 बिस्तरों की सुविधा 6 मई को शुरू होगी और इसके बाद 150 ओर बिस्तरों की सुविधा अगले हफ्ते तक शुरू होगी।

दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी के प्रधान ने स्पष्ट किया कि यह कोरोना केयर सेंटर केवल ऑक्सीजन की सुविधा प्रदान करने के लिए बनाया गया है और इसमें सामान्य मरीजों को दाखिल नहीं किया जाएगा और ना ही अति गंभीर मरीजों को जिन को वेंटिलेटर की जरूरत होगी। बकौल सिरसा- यहां हर बेड के साथ ऑक्सीजन की सुविधा साथ-साथ दवाएं और लंगर प्रदान किया जाएगा और किसी मरीज से कोई पैसा नहीं लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि अमेरिका से 100 के करीब ऑक्सीजन कंसंट्रेटर अब तक आ गए हैं जो इस कोरोना केयर में इस्तेमाल किए जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि और ऑक्सीजन कंसंट्रेटर पाने के लिए प्रयास जारी है। विदेशों से लोग सहायता करने के लिए आगे आ रहे हैं। उन्हें सिख समाज प्रेरित करने में लगा है।

महिलाओं पर ज्यादा पड़ी बेरोजगारी की मार

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 4 मई।

कोरोना की पहली लहर में रोजगार पर सबसे बड़ी मार पड़ी थी। हालात का सबसे बड़ा शिकार महिलाएं और युवा हुए हैं। एक साल बीत जाने के बाद भी ये लोग अब तक काम पर वापस नहीं लौटे हैं। बीते साल के आधार पर यह आकलन सामने आया है।

यह रिपोर्ट अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय ने लाइवलीहुड्स फोन सर्वे (सीएलआईपीएस) व इंडिया वर्किंग सर्वे (आइडब्लूएस) ने तैयार की है। इस रिपोर्ट में सिविल सोसायटी संगठनों व अन्य शोध का भी प्रयोग किया गया है। हालांकि रिपोर्ट यह भी बताती है कि जून 2020 की तुलना में हालात कुछ स्तर तक सुधरे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, करीब 27 फीसद महिलाओं ने नौकरी खोई।

देशव्यापी बंद को लेकर इस रिपोर्ट में अधिकांश आंकड़े मार्च 2020 से दिसंबर 2020 के हैं और इनका सही आकलन किया जा सके इसके लिए 2019 के माह को चुना गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, अप्रैल-मई 2020 के देशव्यापी बंद के दौरान करीब 10 करोड़ लोगों की नौकरियां गई हैं। इनमें से अधिकांश जून 2020 तक वापस अपने काम पर लौट आए हैं लेकिन करीब डेढ़ करोड़ श्रमिक बेरोजगार ही रहे। अक्तूबर 2020 में भी परिवारों की प्रति व्यक्ति मासिक आय (4979 रुपए) थी जो जनवरी 2020 (5989 रुपए) रही। यह करीब एक हजार रुपए कम दर्ज की गई। देशभर में हालत यह हुई थी रोजगार और आय 2020 के अंत तक महामारी के पूर्व की स्थिति के स्तर तक भी नहीं पहुंची।

रिपोर्ट के मुताबिक, तालाबंदी के दौरान और उसके बाद 61 फीसद कामकाजी पुरुष के पास रोजगार रहा और केवल सात फीसद पुरुष अपनी नौकरी गंवाने के बाद काम पर लौटे। इसके मुकाबले तालाबंदी के दौरान केवल 19 फीसद महिलाओं के पास रोजगार रहा, जबकि 27 फीसद महिलाओं में स्थायी तौर पर अपनी नौकरी खो दी।

2020 के अंत तक ये लोग काम पर वापस नहीं लौटे थे। पुरुषों की तुलना में महिलाओं में रोजगार खोने वालों में अधिक थी। क्योंकि जिन भी पुरुषों ने अपना रोजगार खोया वे स्वरोजगार की तरफ चले गए। इस महामारी के काल में विभिन्न योजनाओं से केंद्र सरकार से मदद तो जरूर मिली लेकिन वंचित लोगों की भी कोई कमी नहीं थी।

सरकार से राहत की सिफारिश

- अधिक से अधिक परिवारों को आर्थिक मदद दी जाए
- मनरेगा में पात्र को 150 दिन काम दिया जाए
- जून तक लोगों को राशन सेवाएं मुफ्त दी जाए
- सर्वाधिक प्रभावित जिलों को केंद्रीय कर नीति बनाई जाए
- वृद्धा पेंशन को कम से कम 500 रुपए तक बढ़ाया जाए
- आगनबाड़ी व आशा कर्मचारियों को 6 माह तक आर्थिक मदद दी जाए

DETAILED PUBLIC STATEMENT FOR THE ATTENTION OF PUBLIC SHAREHOLDERS OF

TRIJAL INDUSTRIES LIMITED

Registered Office: Siddharth Nagar No. 5, Chawl 19/168, S V Road, Near Vidgyour School, Goregaon West, Mumbai – 400 062, Maharashtra, India, Tel. No.: 022 2874 9244; Fax No.: 022 5635 3084 Website: www.trijalindustries.com; Email Id: trijalindustries@rediff.com CIN: L65990MH1991PLC062238

OPEN OFFER FOR ACQUISITION OF UP TO 13,04,186 FULLY PAID-UP EQUITY SHARES ("OPEN OFFER EQUITY SHARES") OF FACE VALUE OF Rs. 10.00/- (RUPEES TEN) EACH FROM ALL PUBLIC SHAREHOLDERS OF TRIJAL INDUSTRIES LIMITED (HEREINAFTER REFERRED TO AS "TARGET COMPANY" OR "TIL"), BY DR. ADV A SAMSUDEEN ("ACQUIRER 1"), DR. MUHEMMED SWADIQUE ("ACQUIRER 2"), DR. MUSALLYARAKATHARAKKAL SAFARULLA ("ACQUIRER 3"), AL SALAMA EYE RESEARCH FOUNDATION ("ACQUIRER 4") AND DR. RAJESH P ("ACQUIRER 5") (HEREIN AFTER COLLECTIVELY REFERRED TO AS "ACQUIRERS") AT AN OFFER PRICE OF RS 3.00/- (RUPEES THREE ONLY) PER EQUITY SHARE.

This Detailed Public Statement ("**DPS**") is being issued by CapitalSquare Advisors Private Limited, the Manager to the Offer ("**Manager**" or "**CSAPL**"), for and on behalf of the Acquirers, in compliance with Regulations 3(1) and 4 read with the Regulations 13(4), 14(3), 15(2) and other applicable Regulations of the Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 2011 ("**SEBI (SAST) Regulations**") pursuant to the Public Announcement ("**PA**") dated April 30, 2021 in relation to this open offer which was filed with the Securities and Exchange Board of India ("**SEBI**"), BSE Limited ("**BSE**" or the "**Stock Exchange**") and the Target Company on April 30, 2021, in terms of Regulation 14(1) and 14(2) of the SEBI (SAST) Regulations, respectively.

For the purposes of this DPS, the following terms shall have the meaning assigned to them below:

'Business Day' means any day other than a Saturday, Sunday, or any day on which banks in India or the SEBI is permitted to be closed.

'Equity Shares' means the fully paid-up equity shares of the Target Company of face value of Rs.10.00/- (Rupees Ten only) each.

'Identified Date' means the date falling on the 10th (tenth) working day prior to the commencement of the tendering period, for the purpose of determining the Public Shareholders to whom the Letter of Offer shall be sent.

'Public Shareholders' means all the equity shareholders of the Target Company excluding (i) the shareholders forming a part of the promoter/ promoter group of the Target Company; (ii) parties to the SPA (defined below); and (iii) any persons acting in concert or deemed to be acting in concert with the persons set out in (i) and (ii).

'SPA' dated April 30, 2021 entered amongst the Acquirers and the Sellers, namely being: (a) Kamlesh Biharilal Mehta; (b) Kamlesh B Mehta (HUF); and (c) Ketki Kamlesh Mehta (collectively hereinafter referred to as the "**Sellers**")

'Voting Share Capital' means the fully diluted equity voting share capital of the Target Company as of the 10th working day from the closure of the tendering period of the Offer.

I. DETAILS OF ACQUIRERS, SELLERS, TARGET COMPANY AND OFFER

A. INFORMATION ABOUT THE ACQUIRERS:

1. DR. ADV A SAMSUDEEN ("Acquirer 1"):

(a) Dr. Adv A Samsudeen, S/o Unneen Kutty Haji, aged 52 years having PAN : BNWPS1061D and is residing at Arikkuzhiyil Vengoor Melattur Village, Keezhattur Vengaoor, Malappuram – 679 325, Kerala, India. His email id is md@alsalama.org and his contact no. is +91 94477 72700.

(b) He has completed the degree of Philosophy in Management from Prist Deemed to be University, Thanjavur, Tamil Nadu. He has also completed his MBA in the year 2006 from Vinayaka Missions University, Salem, Kerala. He has completed his graduation in Laws from University of Mysore. He is the founder of Al Salama Group, Kerala. Al Salama has hospitals in Perinthalamanna, Calicut and Kannur along with educational institutions, management studies institutions and architectural institutions. He has a total experience of more than 25 years in the field of management and administration.

(c) He is Managing Director of Al Salama Eye Hospital Limited and Assalama Institute of Ophthalmology Calicut Limited and Director of Salamath Import and Exports Private Limited. He is also Designated Partner of Calicut Laser Center LLP.

(d) The Net worth of Dr. Adv A Samsudeen as on April 26, 2021 is Rs. 381.63 Lakhs and the same is certified by CA Amith M, Partner of M/s A John Moris & Co., Chartered Accountants, (Membership No. 244398), Firm Reg. No. 007220S, having its office at TC 7/368/2, Ground Floor, Raj Arcade, Kinar Junction, Cherur Post, Thrissur – 680 008, Kerala, India, Tel. No. 0487 - 2323611; Email: thrissur@ajohnmoris.com.

2. DR. MUHEMMED SWADIQUE ("Acquirer 2"):

(a) Dr. Muhemmed Swadique, S/o Gopalakrishnan Nambissan, aged 54 years having PAN: AKDPS7952G and is residing at Staff Quarters No. 16, M E S Medical College Campus, Palachode P O, Moorkkanad, Kolathur-mlp, Malapurram – 679 338, Kerala, India. His email id is swadique@gmail.com and his contact no. is +91 77366 30000.

(b) He has completed his Bachelor of Medicine and Surgery from the University of Calicut in the year 1992. He also holds M.B.A degree from Vinayaka Missions University, Salem, Kerala. He has also completed the Diplomate of the National Board of Examinations in Ophthalmology from National Academy of Medical Sciences (India) and Aligarh Muslim University. He is a qualified Ophthalmologist with around two decades of experience in Eye Surgery, Teaching & hospital administration. He is well experienced in Refractive surgery, Cataract, Cornea Surgeries and Glaucoma Filtering Surgery.

(c) He is Director of Assalama Institute of Ophthalmology Calicut Limited. He is also Designated Partner of Calicut Laser Center LLP, Kondoty Opticals and Vision Centre LLP and Yahya Impex LLP.

(d) The Net worth of Dr. Muhemmed Swadique as on March 27, 2021 is Rs. 553.63 Lakhs and the same is certified by CA Shaji Poulose, Chartered Accountant, (Membership No. 022909), having its office at UP Complex, Calicut Road, Perinthalmanna – 679 322, Kerala, India, Tel. No. +91 62384 97947; Email: shajipaulfca@gmail.com.

3. DR. MUSALLYARAKATHARAKKAL SAFARULLA ("Acquirer 3"):

(a) Dr. Musallyarakatharakkal Safarulla, S/o Bava Haji Kallingalakath, aged 54 years having PAN: AKFPS5114A and is residing at Mehtab, Chevarambalam P O, N P Road, Chevayur, Kozikode – 673 017, Kerala, India. His email id is safaru121@yahoo.com and his contact no. is +91 98470 49947.

(b) He has completed his Bachelor of Medicine and Surgery from University of Calicut in the year 1991 and Master of Surgery (Ophthalmology) from Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University in 1997. He is a Senior Phacosurgeon and Vitreo-retina Consultant and Director at Alsalama Institute of Ophthalmology, Calicut and has around two decades of experience in the field of Ophthalmology.

(c) He is Director of Assalama Institute of Ophthalmology Calicut Limited. He is also Designated Partner of Calicut Laser Center LLP and Nass Infrastructure and Development LLP.

(d) The Net worth of Dr. Musallyarakatharakkal Safarulla as on April 22, 2021 is Rs. 425.23 Lakhs and the same is certified by CA Hamid Hussain KP, Partner of Hamid Hussain & Co., Chartered Accountants, (Membership No. 208017), Firm Reg. No. 010504S, having its office at 2nd Floor, Aysha Commercial Complex, Bypass Junction, Perinthalmanna – 679 332, Kerala, India, Tel. No. 04933 - 225855; Email: hamidcaoffice@gmail.com.

4. AL SALAMA EYE RESEARCH FOUNDATION ("Acquirer 4"):

(a) Al Salama Eye Research Foundation **(Trust)** was formed in the year 2004. The office of the Trust is situated at Al Salama Eye Hospital Building, Perinthalmanna, Malappuram – 679 322, Kerala, India. The email id is projectaerf@gmail.com and contact no. is +91 94477 72700. Acquirer 4 holds Permanent Account Number(PAN) i.e., AABTA4125D.

(b) It is a nonprofit making charitable organization providing services in the field of eye care for the last 17 years. It has been established with the intention to provide quality eye care to all classes of the community at an affordable cost. Its primary objective is to help the implementation of National Program for Control of Blindness (NPCB) through various free services under district collector as the Chairman and DMO as the convener.

(c) The Trustees are Dr. Adv A Samsudeen, Dr. MuhemmedSwadique, Pattessari Alavi Haji, Sihabudeen K, Sathi C.P , Shyni Pradeep and Dr. MusallyarakatharakkalSafarulla.

(d) The Net worth of Al Salama Eye Research Foundation as on March 31, 2021 is Rs. 1230.08 Lakhs and the same is certified by CA Amith M, Partner of M/s A John Moris & Co., Chartered Accountants, (Membership No. 244398), Firm Reg. No. 007220S, having its office at TC 7/368/2, Ground Floor, Raj Arcade, Kinar junction, Cherur Post, Thrissur – 680 008, Kerala, India, Tel. No. 0487 - 2323611; Email: thrissur@ajohnmoris.com.

5. DR. RAJESH P ("Acquirer 5"):

(a) Dr. Rajesh P, S/o Balabhaskaran Puthussery, aged 48 years having PAN AHAPP2313E and is residing at B9, Misty Hills, Panambi, Amminikkad PO, Thazhekode, Malapurram – 679 322, Kerala, India. His email id is rajeshputhussery@gmail.com and his contact no. is +91 98462 63252.

(b) He has completed his Bachelor of Medicine, Bachelor of Surgery (M.B.B.S) from Government Medical College, Kottayam, Kerala in the year 1997 and Doctor of Medicine (M.D.) in Ophthalmology from Dr. Rajendra Prasad Centre for Ophthalmic Sciences, New Delhi in the year 2002. He is currently Medical Superintendent, Consultant Vitreoretinal Surgeon and Head of Department of Vitreoretinal and Uveal Services, Al Salama Eye Hospital, Perinthalmanna and has more than two decades of experience in the field of Ophthalmology.

(c) He is Partner of Tirur Opticals & Vision Center LLP.

(d) The Net worth of Dr. Rajesh P as on April 26, 2021 is Rs. 205.27 Lakhs and the same is certified by CA Hamid Hussain KP, Partner of Hamid Hussain & Co., Chartered Accountants, (Membership No. 208017), Firm Reg. No. 010504S, having its office at 2nd Floor, Aysha Commercial Complex, Bypass Junction, Perinthalmanna – 679 332, Kerala, India, Tel. No. 04933 - 225855; Email: hamidcaoffice@gmail.com.

6. OTHER CONFIRMATIONS BY THE ACQUIRERS:

(a) None of the Acquirers are related to each other.

(b) All the Acquirers belong to Al Salama Group, Kerala, India.

(c) As on date of this DPS, none of the Acquirers have any interest / relationship in the Target Company nor do they hold any Equity Shares of the Target Company, except in terms of the proposed acquisition as contemplated vide the SPA (as defined earlier).

(d) None of the Acquirers have been prohibited by SEBI from dealing in securities, in terms of directions issued under Section 11B of the SEBI Act or under any other Regulation made under the SEBI Act.

(e) The Acquirers have confirmed that they are not categorized as a "Wilful Defaulter" in terms of Regulation (1)(ze) of the SEBI (SAST) Regulations. They have further confirmed that they are not appearing in the wilful defaulters list of the Reserve Bank of India.

(f) As on the date, the Acquirers have confirmed that they are not declared as a fugitive economic offender under Section 12 of the Fugitive Economic Offenders Act, 2018.

(g) The Acquirers are not forming part of the present Promoter group of the Target Company. As on date of this DPS, there is/are no nominee(s) of the Acquirers on the Board of Directors of the Target Company.

(h) Except the transaction contemplated in the SPA, the Acquirers do not have any other relationship/interest in the Target Company.

(i) There are no persons acting in concert in relation to the offer within the meaning of 2(1)(q)(1) of the SEBI (SAST) Regulations.

(j) The Acquirers undertake that they will not sell the Equity Shares of the Target Company, held, and acquired by them, if any, during the Offer period in terms of Regulation 25(4) of the SEBI (SAST) Regulations.

B. INFORMATION ABOUT THE SELLING SHAREHOLDERS:

(a) The details of the selling shareholders (the "**Selling Shareholders**"), who have entered into the Share Purchase Agreement with the Acquirers and the Target Company (as detailed below in Section D of this DPS), are as stated hereunder:

Sl. No.	Name & Address of Sellers	Nature	Equity Shares Holding Prior to SPA	Part of the Promoter/ Promoter Group (Yes/ No)	% To Paid up Equity Shares
1.	Mr. Kamlesh Biharilal Mehta PAN: AAEPM6462G B-1603, Anmol Co-Op Housing Society Ltd, Off S V Road, Opp Patel Petrol Pump, Goregaon West, Mumbai - 400 104, Maharashtra, India	Individual	8,26,505	Yes	16.48
2.	Kamlesh B Mehta (HUF) PAN: AAAHK5142B B-1603, Anmol Co-Op Housing Society Ltd, Off S V Road, Opp Patel Petrol Pump, Goregaon West, Mumbai - 400 104, Maharashtra, India	Hindu Undivided Family	25,700	Yes	0.51
3.	Ms. Ketki Kamlesh Mehta PAN: AAEPM6466C B-1603, Anmol Co-Op Housing Society Ltd, Off S V Road, Opp Patel Petrol Pump, Goregaon West, Mumbai - 400 104, Maharashtra, India	Individual	1,95,200	Yes	3.89
	TOTAL		**10,47,405**		**20.88**

(b) The Sellers propose to sell 10,47,405 (Ten Lakhs Forty-Seven Thousand Four Hundred and Five) fully paid-up Equity Shares to the Acquirers constituting 20.88% of the total paid up Equity Voting Share Capital of the Company pursuant to SPA dated April 30, 2021 at a price of Rs. 3.00/- per equity share.

(c) The sellers as mentioned above have not been prohibited by SEBI from dealing in securities, in terms of directions issued under Section 11B of the SEBI Act, 1992, as amended or under any other regulation made under the SEBI Act, 1992.

(d) The Sellers do not belong to any Group.

C. INFORMATION ABOUT THE TARGET COMPANY – TRIJAL INDUSTRIES LIMITED (TIL):

(a) TIL was incorporated on June 26, 1991 under the provisions of The Companies Act, 1956 with the Registrar of Companies, Maharashtra. The Corporate Identification Number of Target Company is L65990MH1991PLC062238. The Target Company is having its registered office at Siddharth Nagar No 5, Chawl 19/168, S V Road, Near Vidgyour School, Goregaon West, Mumbai – 400 062, Maharashtra, India.

(b) The Authorised Share Capital of TIL is Rs. 5,25,00,000/- (Rupees Five Crores Twenty-Five Thousand only) comprising of 52,50,000 Equity Shares of Rs. 10.00/- each. The Issued, Subscribed & Paid-up Capital of TIL is Rs. 5,01,61,000/- (Rupees Five Crores One Lakh Sixty-One Thousand Only) comprising of 50,16,100 Equity Shares of Rs. 10.00/- each.

(c) As on date the Target Company does not have any partly paid Equity Shares. There are no outstanding warrants or options or similar instruments, convertible into Equity Shares at a later stage. No Equity Shares are subject to any lock in obligations.

(d) The entire Equity Voting Share Capital of TIL is listed at BSE Limited, Mumbai having ISIN INE454E01013. The Equity Shares of the Target Company are placed under Group 'X' having a scrip code of "531658" & Scrip Id: TRIJAL on the BSE. The Equity Shares of TIL are not frequently traded on BSE within the meaning of explanation provided in Regulation 2(j) of the SEBI (SAST) Regulations. The Target Company has already established connectivity with Central Depositories Services (India) Limited (CDSL) and National Securities Depository Limited (NSDL).

(e) Brief audited Financial Information of the Target Company for the 9 months ending December 31, 2020, and Financial Year ended on March 31, 2020; March 31, 2019 and March 31, 2018 are as follows:

(Rs. in Lakhs)

Particulars	For the nine months ended December 31, 2020 (Un-Audited)	Year ended 31.03.2020 (Audited)	Year ended 31.03.2019 (Audited)	Year ended 31.03.2018 (Audited)
Total Revenue	11.51	15.28	11.25	5.15
Net Income i.e., Profit/ (Loss) After Tax	3.08	2.34	0.23	(2.19)
EPS (in Rs.)	0.06	0.05	0.00	0.04
Net worth /Shareholder Funds	67.46	63.95	65.51	66.73

(f) The present Board of Directors of TIL are as follows:

Sr. No.	Name	DIN	Designation
1.	Ketki Mehta	07140255	Director
2.	Bina Ashutosh Soti	03129309	Non-Executive Director
3.	Jagruti Sandip Mane	07685350	Additional Director
4.	Ashok Bhanushali Trikam	03130730	Independent Director
5.	Vibhuti Anand Dongare	03544267	Independent Director

D. DETAILS OF THE OFFER :

1. The Acquirers are making an Open Offer to acquire 13,04,186 Equity Shares of Rs. 10.00/- each representing 26.00% of total equity and voting share capital of the Target Company, at a price of Rs. 3.00/- (Rupees Three only) per equity share (the "**Offer Price**") aggregating to a total consideration of Rs. 39,12,558/- (Rupees Thirty-Nine Lakhs Twelve Thousand Five Hundred Fifty-Eight only) ("**Maximum Open Offer Consideration**") payable in cash, in accordance with the provisions of Regulation 9(1)(a) of the SEBI (SAST) Regulations, subject to the terms and conditions set out in the PA, DPS and the Letter of Offer ("**LOF**" / "**Letter of Offer**") subject to the terms and conditions mentioned hereinafter.
2. This open offer is made under SEBI (SAST) Regulations to all the shareholders of the Target Company as on June 10, 2021 ("**Identified Date**"), other than parties to the SPA and the Acquirers under Regulation 7(6) of the SEBI (SAST) Regulations.
3. To the best of knowledge and belief of the Acquirers, as of the date of this DPS, there are no other statutory approvals required for this Open Offer. However, if any other statutory approvals are required prior to completion of this offer, this offer would be subject to the receipt of such other statutory approvals that may become applicable later.
4. The Acquirers have neither acquired nor been allotted any Equity Shares during the 52 weeks period prior to the date of the PA.
5. This Offer is not conditional upon any minimum level of acceptance in terms of the Regulation 19(1) of SEBI (SAST) Regulations and is not a competitive bid in terms of the Regulation 20 of SEBI (SAST) Regulations.
6. The offer is not pursuant to any global acquisition resulting in an indirect acquisition of Equity Shares of the Target Company.
7. The Manager to the Offer i.e., CapitalSquare Advisors Private Limited does not hold any Equity Shares in the Target Company as on the date of appointment as Manager to the Offer. They declare and undertake that they shall not deal in the Equity Shares of the Target Company during the period commencing from the date of their appointment as Manager to the Offer to the expiry of 15 Days from the date of closure of this Open Offer.
8. This Offer is subject to the receipt of the statutory and other approvals of this DPS. In terms of Regulation 23(1)(a) of the SEBI (SAST) Regulations, if the statutory approvals are not received, the Offer will stand withdrawn.
9. This DPS is being published in the following newspapers:

Publication	Language	Edition
Financial Express	English	All Editions
Jansatta (Hindi)	Hindi	All Editions
Mumbai Lakshadweep	Marathi	Mumbai Edition

10. The Equity Shares will be acquired by the Acquirers free from all liens, charges, and encumbrances and together with all the rights attached to, including all the rights to dividend, bonus and rights offer declared thereof.

E. In terms of Regulation 25(2) of SEBI (SAST) Regulations, the Acquirers do not have any intention to alienate any material assets of the Target Company whether by way of sale, lease, encumbrance or otherwise for the period 2 (Two) years from the closure of this Open Offer, except

(a) in the ordinary course of business of the Target Company; and

(b) On account of regulatory approvals or conditions or compliance with any law that is binding on or applicable to the Target Company.

F. The Equity Shares are listed on BSE Limited. As per Regulation 38 of SEBI (LODR) Regulations, 2015 read with Rule 19A of the Securities Contract (Regulation) Rules, 1957, as amended ('SCRR'), the Target Company is required to maintain at least 25% Public Shareholding, on continuous basis for listing. Pursuant to completion of this Offer, assuming full acceptance, the Public Shareholding in the Target Company will not fall below the minimum public shareholding requirement as per SCRR as amended and the SEBI (LODR) Regulations, 2015.

II. BACKGROUND OF THE OFFER

1. The Acquirers intend to acquire 10,47,405 Equity Shares pursuant to SPA at a price of Rs. 3.00/- (Rupees Three only) aggregating to Rs. 31,42,215/- (Rupees Thirty-One Lakhs Forty-Two Thousand Two Hundred Fifteen Only) (referred to as "**Sale Equity Shares**"), details of which are as follows:

Sellers			Acquirers		
Name	No. of Equity Shares	% of Equity Shares / Voting Rights	Name	No. of Equity Shares	% of Equity Shares / Voting Rights
Mr. Kamlesh Biharilal Mehta	8,26,505	16.48	Dr. Adv A Samsudeen	1,57,111	3.132
Kamlesh B Mehta (HUF)	25,700	0.51	Dr. Muhemmed Swadique	1,57,111	3.132
Ms. Ketki Kamlesh Mehta	1,95,200	3.89	Dr. Musallyarakatharakkal Safarulla	1,57,111	3.132
			Al Salama Eye Research Foundation	4,18,962	8.352
			Dr. Rajesh P	1,57,110	3.132
TOTAL	**10,47,405**	**20.88**	**TOTAL**	**10,47,405**	**20.88**

Pursuant to the execution of the SPA, this mandatory Open Offer is being made by the Acquirers in compliance with the Regulation 3(1) & 4 of the SEBI (SAST) Regulations.

2. The Offer Price is payable in cash, in accordance with Regulation 9(1) of SEBI (SAST) Regulations.
3. The prime object of the Offer is to acquire substantial acquisition of Equity Shares/voting rights accompanied with the change in control and management of the Target Company.
4. This Open Offer is for acquisition of 26.00% of total equity and voting share capital of the Target Company. After the completion of this Open Offer and pursuant to transfer of Equity Shares so acquired under SPA, the Acquirers shall not hold the majority of the Equity Shares.
5. The Acquirers also intend to control over the Target Company & make changes in the Board of Directors of the Target after the expiry of 21 working days from the date of this DPS in terms of the Regulation 22(2) of SAST 2011.
6. The Acquirers propose to continue existing business of the Target Company and may diversify its business activities in future with prior approval of the shareholders. The main purpose of takeover is to expand the Company's business activities in same/diversified line through exercising effective control over the Target Company. However, no firm decision in this regard has been taken or proposed so far.

III. SHAREHOLDING AND ACQUISITION DETAILS

The current and proposed shareholding of the Acquirers in the Target Company and the details of their acquisition are as follows:

Sr. No.	Particulars	No. of Equity Shares	% of Equity Shares/ Voting Rights
1.	Shareholding before PA, i.e., April 30, 2021	Nil	Nil
2.	Shareholding on the PA date as agreed to be acquired through SPA dated April 30, 2021	10,47,405	20.88
3.	Equity Shares acquired between the PA date and the DPS date	Nil	Nil
4.	Equity Shares to be acquired in the Open Offer (assuming full acceptances)	13,04,186	26.00
5.	Post Offer shareholding (*) as on 10th working day after closing of tendering period)	23,51,591	46.88

** Assuming all the Equity Shares which are offered are accepted in the Open Offer.*

IV. OFFER PRICE

1. The Equity Shares of the Target Company are listed at the BSE Limited (BSE) only. The Equity Shares are placed under Group 'X' having a scrip code of "531658" & Scrip Id: TRIJAL on the BSE.
2. The total trading turnover in the Equity Shares of the Target Company on the BSE based on trading volume during the twelve calendar months prior to the month of PA (April 01, 2020 to March 31, 2021) is as given below:

Stock Exchange	Total No. of Equity Shares traded during the Twelve calendar months prior to the month of PA	Total No. of listed Equity Shares of the Target Company	Total Trading Turnover (as % of total Equity Shares Listed)
BSE	2,47,905	50,16,100	4.94%

3. Based on the above information, Equity Shares of TIL are not frequently traded Equity Shares within the meaning of explanation provided in Regulation 2(j) of the SEBI (SAST) Regulations.
4. The Offer Price has been determined considering the parameters as set out under regulation 8 (2) of the SEBI (SAST) Regulations, as under:

Particulars	Price (In Rs. per share)
Negotiated Price under the SPA	3.00/-
The Volume Weighted Average Price paid or payable for acquisitions by the Acquirers during 52 weeks immediately preceding the date of PA	Not Applicable
Highest price paid or payable for acquisitions by the Acquirers during 26 weeks immediately preceding the date of PA	Not Applicable
The Volume Weighted Average Market Price of Equity Shares for a period of sixty trading days immediately preceding the date of the public announcement as traded on the Stock Exchange where the maximum volume of trading in the Equity Shares of the Target Company are recorded during such period	Not Applicable
Other Financial Parameters as on December 31, 2020:	
NAV per Equity share	1.35/-
Price Earning Capacity Value per Equity Share	NA
Market Based Value	NA

FCA Neeraj Agarwal, Registered Valuer (Reg. No. RVO/COP/SFA0420/150) having its office at 72, Bentick Street, A C Mansion, 2nd Floor, Room F, Kolkata – 700 001, West Bengal, India, Tele: +91 97485 32440, E-mail: neeraj@aanassociates.in vide valuation report dated April 30, 2021 has calculated the fair value of the Equity Shares of Target Company as Rs. 1.35/- per share.

In view of the parameters considered and presented in the table above, in the opinion of the Acquirers and Manger to the Offer, the Offer Price of Rs. 3.00/- per equity share being the highest of the prices mentioned above is justified in terms of Regulation 8 (2) of the SEBI (SAST) Regulations.

5. As on date there is no revision in Open Offer price or Open Offer size. In case of any revision in the Open Offer price or Offer Size, the Acquirers shall comply with Regulation 18 of SEBI (SAST) Regulations and all other applicable provisions of SEBI (SAST) Regulations.
6. If there is any revision in the offer price on account of future purchases / competing offers, it will be done only up to the period prior to one (1) working day before the date of commencement of the tendering period and would be notified to shareholders.
7. If the Acquirers acquire or agree to acquire any Equity Shares or Voting Rights in the Target Company during the offer period, whether by subscription or purchase, at a price higher than the Offer Price, the Offer Price shall stand revised to the highest price paid or payable for any such acquisition in terms of Regulation 8(8) of SEBI (SAST) Regulations. Provided that no such acquisition shall be made after the third working day prior to the commencement of the tendering period and until the expiry of the tendering period. Further, in accordance with Regulations 18(4) and 18(5) of the SEBI (SAST) Regulations, in case of an upward revision to the Offer Price or to the Offer Size, if any, on account of competing offers or otherwise, the Acquirers shall (i) make public announcement in the same newspapers in which this DPS has been published; and (ii) simultaneously notify to SEBI, BSE, and the Target Company at its registered office. Such revision would be done in compliance with other formalities prescribed under the SEBI (SAST) Regulations.
8. If the Acquirers acquire Equity Shares of the Target Company during the period of twenty-six weeks after the tendering period at a price higher than the Offer Price, the Acquirer shall pay the difference between the highest acquisition price and the Offer Price, to all shareholders whose Equity Shares have been accepted in the Offer within sixty days from the date of such acquisition. However, no such difference shall be paid if such acquisition is made under another Open Offer under SEBI (SAST) Regulations, or pursuant to SEBI (Delisting of Equity Shares) Regulations, 2009, or open market purchases made in the ordinary course on the stock exchanges, not being negotiated acquisition of Equity Shares of the Target Company in any form.

V. FINANCIAL ARRANGEMENTS

1. In terms of Regulation 25(1) of the SEBI (SAST) Regulations, the Acquirers have adequate financial resources and have made firm financial arrangements for the implementation of the Offer in full out of their own sources/ Net worth and no borrowings from any Bank and/ or Financial Institutions are envisaged.

(a) CA Amith M, Partner of M/s A John Moris & Co., Chartered Accountants, (Membership No. 244398), Firm Reg. No. 007220S having its office at TC 7/368/2, Ground Floor, Raj Arcade, Kinar junction, Cherur Post, Thrissur – 680 008, Kerala, India, Tel. No. 0487 - 2323611; Email: thrissur@ajohnmoris.com have certified vide certificate dated April 29, 2021 that sufficient resources are available with the Acquirers 1 and 4 for fulfilling the obligations under this 'Offer' in full.

(b) CA Shaji Poulose, Chartered Accountant, (Membership No. 022909), having its office at UP Complex, Calicut Road, Perinthalmanna – 679 322, Kerala, India, Tel. No. +91 62384 97947; Email: shajipaulfca@gmail.com have certified vide certificate dated April 29, 2021 that sufficient resources are available with the Acquirer 2 for fulfilling the obligations under this 'Offer' in full.

(c) CA Hamid Hussain KP, Partner of Hamid Hussain & Co., Chartered Accountants, (Membership No. 208017), Firm Reg. No. 019504S, having its office at 2nd Floor, Aysha Commercial Complex, Bypass Junction, Perinthalmanna – 679 332, Tel. No. 04933 - 225855; Email: hamidcaoffice@gmail.com have certified vide certificate dated April 29, 2021 that sufficient resources are available with the Acquirers 3 and 5 for fulfilling the obligations under this 'Offer' in full.

2. The maximum consideration payable by the Acquirers to acquire 13,04,186 fully paid-up Equity Shares at the Offer Price of Rs. 3.00/- (Rupees Three only) per equity share, assuming full acceptance of the Offer would be Rs. 39,12,558/- (Rupees Thirty-Nine Lakhs Twelve Thousand Five Hundred Fifty-Eight only). In accordance with proviso clause to Regulation 24(1) read with Regulation 17 of the SEBI (SAST) Regulations, the Acquirers have opened an Escrow Account under the name and style of **"TIL- OPEN OFFER ESCROW ACCOUNT"** with ICICI Bank Limited, Capital Markets Division, 1st Floor, 122, Mistry Bhavan, Dinshaw Vachha Road, Backbay Reclamation, Churchgate, Mumbai – 400 020, Maharashtra, India ("**Escrow Banker**") and have deposited Rs 43,47,500/- (Rupees Forty-Three Lakhs Forty-Seven Thousand Five Hundred only) being more than 100% of the total consideration payable in the Open Offer, assuming full acceptance.
3. The Manager to the Offer is authorized to operate the above-mentioned Escrow account to the exclusion of all others and been duly empowered to realize the value of the Escrow Account in terms of the SEBI (SAST) Regulations.
4. Based on the aforesaid financial arrangements and on the confirmations received from the Escrow Banker and the Chartered Accountant, the Manager to the Offer is satisfied about the ability of the Acquirers to fulfill their obligation in respect of this Offer in accordance with the SEBI (SAST) Regulations.
5. In case of upward revision of the Offer Price and/or the Offer Size, the Acquirers shall deposit additional appropriate amount into an Escrow Account to ensure compliance with Regulation 18(5) of the SEBI (SAST) Regulations, prior to effecting such revision.

VI. STATUTORY AND OTHER APPROVALS

1. The Offer is subject to receiving the necessary approval(s), if any, from Reserve Bank of India, under the Foreign Exchange Management Act, 1999 and subsequent amendments thereto, for acquiring Equity Shares tendered by non-resident shareholders, if any.
2. As on the date of the DPS, to the best of the knowledge of the Acquirers, there are no other statutory approvals and/ or consents required. However, the Offer would be subject to all-statutory approvals as may be required and / or may subsequently become necessary to acquire at any later date.
3. The Acquirers in terms of Regulation 23 of SEBI (SAST) Regulations will have a right not to proceed with the Offer in the event the statutory approvals indicated above are refused. In the event of withdrawal, a public announcement will be made within 2 working days of such withdrawal, in the same newspapers in which this DPS has appeared.
4. In case of delay in receipt of any statutory approval, SEBI may, if satisfied that delay receipt of the requisite approvals was not due to any willful default or neglect of the Acquirers or failure of the Acquirers to diligently pursue the application for the approval, grant extension of time for the purpose, subject to the Acquirers agreeing to pay interest to the shareholders as directed by SEBI, in terms of Regulation 18(11) of SEBI (SAST) Regulations. Further, if delay occurs on account of willful default by the Acquirers in obtaining the requisite approvals, Regulation 17(9) of the SEBI (SAST) Regulations will also become applicable and the amount lying in the Escrow Account shall become liable to forfeiture.
5. Except as stated in clause VI (2), no approval is required from any bank or financial institutions for this Offer to the best of the knowledge of the Acquirers.

VII. TENTATIVE SCHEDULE OF ACTIVITY

Activities	Date	Day
Date of the PA	April 30, 2021	Friday
Publication of Detailed Public Statement in newspapers	May 07, 2021	Friday
Last date of filing of the Draft Letter of Offer with the SEBI	May 17, 2021	Monday
Last date of Public Announcement for Competing Offer	June 01, 2021	Tuesday
Last Date for receiving comments from SEBI on the Draft Letter of Offer (In the event SEBI has not sort clarification or additional information from the Manager to the Offer)	June 08, 2021	Tuesday
Identified Date*	June 10, 2021	Thursday
Last Date by which Letter of Offer will be dispatched to the public shareholders whose name appears on the register of members on the Identified Date	June 17, 2021	Thursday
Last Date by which committee of the Independent Directors of the Target Company shall give its recommendation to the Public Shareholders of the Target Company for this Offer	June 22, 2021	Tuesday
Last date for revising the Offer Price / Offer Size	June 23, 2021	Wednesday
Offer Opening Public Announcement	June 23, 2021	Wednesday
Date of commencement of tendering period (Open Date)	June 24, 2021	Thursday
Date of closing of tendering period (Close Date)	July 07, 2021	Wednesday
Date by which all requirements including payment of consideration would be completed	July 22, 2021	Thursday

Note: Schedule of Activity may be changed based on SEBI approval.

**Identified Date is only for the purpose of determining the names of the shareholders as on such date to whom the Letter of Offer would be sent. All owners (registered or unregistered) of Equity Shares of the Target Company (except the Acquirers and Sellers) are eligible to participate in the Offer any time before the Closure of the Offer.*

VIII. PROCEDURE FOR TENDERING THE EQUITY SHARES IN CASE OF NON-RECEIPT OF LETTER OF OFFER

1. All owners of Equity Shares (except Parties to the SPA) whether holding Equity Shares in dematerialised form or physical form, registered or unregistered, are eligible to participate in the Offer any time before closure of the tendering period.
2. Persons who have acquired the Equity Shares of the Target Company but whose names do not appear in the register of members of the Target Company on the Identified Date or unregistered owners or those who have acquired the Equity Shares of the Target Company after the Identified Date or those who have not received the Letter of Offer, may also participate in this Offer.
3. The Open Offer will be implemented by the Acquirers through Stock Exchange Mechanism as provided under the SEBI (SAST) Regulations and the SEBI circular CIR/CFD/POLICY/CELL/1/2015 dated April 13, 2015 and circular no. CFD/DCR2/CIR/P/2016/131 dated December 09, 2016 issued by SEBI and on such terms and conditions as may be permitted by law from time to time.
4. The Acquirers have appointed Harjivandas Nemidas Securities Private Limited ("**Buying Broker**") for the Open Offer through whom the purchase and settlement of the Offer Equity Shares tendered in the Open Offer shall be made. The contact details of the Buying Broker are as mentioned below:

   Harjivandas Nemidas Securities Pvt Ltd
   G12/13, Hilife Mall, P. M. Road, Santacruz West,
   Mumbai - 400 054, Maharashtra, India
   Tel No.: +91- 9820081141
   Email: Kartik@hnspl.com, kartik.broker1234@gmail.com
   Contact Person: Kartik Broker
5. BSE shall be the Designated Stock Exchange for the purpose of tendering Offer Equity Shares in the Open Offer.
6. All public shareholders who desire to tender their Equity Shares under the Open Offer would have to intimate their respective stock brokers ("**Selling Brokers**") within the normal trading hours of the secondary market, during the tendering period.
7. The detailed process of Stock Exchange will be provided in the Letter of Offer which shall be sent to the Public Shareholder of the Target Company.

IX. THE DETAILED PROCEDURE FOR TENDERING THE EQUITY SHARES IN THE OPEN OFFER WILL BE AVAILABLE IN THE LETTER OF OFFER THAT WOULD BE MAILED TO THE SHAREHOLDERS OF THE TARGET COMPANY AS ON THE IDENTIFIED DATE.

X. OTHER INFORMATION

1. The Acquirers accept full responsibility for the information contained in the Public Announcement/ Detailed Public Statement and for the obligations of the Acquirers as laid down in the SEBI (SAST) Regulations and subsequent amendments made thereof.
2. The Acquirers have appointed Purva Sharegistry (India) Private Limited, as the Registrar to the Offer, having corporate office at Unit No. 9, Ground Floor, Shiv Shakti Ind. Estt, J. R. Boricha Marg, Lower Parel East, Mumbai – 400 011, Maharashtra, India, Tel No.: 022 2301 2518 / 8261, E-mail-Id: support@purvashare.com; SEBI Registration No. INR000001112. The Contact Person is Ms. Deepali Dhuri.
3. The Acquirers have appointed CapitalSquare Advisors Private Limited as Manager to the Open Offer.
4. This Detailed Public Statement will also be available on website of SEBI at www.sebi.gov.in.

ISSUED BY THE MANAGER TO THE OFFER ON BEHALF OF THE ACQUIRERS:

CAPITALSQUARE
Teaming together to create value

MANAGER TO THE OFFER:
CAPITALSQUARE ADVISORS PRIVATE LIMITED
208, 2nd Floor, AARPEE Center, MIDC Road No 11,
CTS 70, Andheri (E), Mumbai – 400 093, Maharashtra, India
Tel: 022 6684 9999/ +91 98742 83532 **Fax:** 022 6684 9998
Website: www.capitalsquare.in
Email Id: tanmoy.banerjee@capitalsquare.in / mb@capitalsquare.in
Contact Person: Mr. Tanmoy Banerjee **SEBI Registration No:** INM000012219

Place: Mumbai
Date: 04/05/2021

on behalf of the Acquirers
Sd/-
Dr. Adv A Samsudeen

Sunjeet Comm.

फिर वही हालत

कोरोना ने रोजी-रोटी पर फिर से कहर बरपाना शुरू कर दिया है। आंशिक बंदी और सख्त प्रतिबंधों की वजह से पिछले महीने पचहत्तर लाख से ज्यादा लोगों का रोजगार चला गया। देश जिस तरह के भंवर में घिर गया है, उससे जल्दी ही बाहर आने के आसार दूर-दूर तक नजर नहीं आ रहे। जाहिर है, रोजगार की यह तस्वीर दिनोंदिन और डरावनी होगी। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआइई) का ताजा आकलन भी अर्थव्यवस्था और रोजगार के मुद्दे पर चिंता बढ़ाने वाला है। बेरोजगारी दर चार महीने के उच्चतम स्तर यानी आठ फीसद तक पहुंच गई है। यह आर्थिकी पर आने वाले गहरे संकट का भी संकेत है। इससे छोटे और मझोले उद्योगों की हालत का भी पता चलता है। हालांकि भारत के लिए यह सिलसिला अब नया नहीं है। पिछले साल अप्रैल से ही ऐसे ही हालात देखने को मिल रहे हैं। गौरतलब है कि पिछले साल अप्रैल में बिना किसी तैयारी के की गई पूर्णबंदी ने करोड़ों लोगों की रोजी-रोटी छीन ली थी। मजदूर घर लौटने को मजबूर हो गए थे। इस बार भी अप्रैल के महीने में ही लाखों लोग काम-धंधे से हाथ धो बैठे। आखिर ये कहां जाएंगे, क्या करेंगे, कैसे आजीविका चलाएंगे, इन सवालों के जवाब किसी के पास नहीं है।

कोरोना से निपटने के लिए इस बार केंद्र सरकार ने पाबंदियां लगाने का अधिकार राज्यों को दे दिया। अब राज्य अपने यहां जरूरत के हिसाब से कड़े प्रतिबंध लगा रहे हैं। देश के पंद्रह राज्यों में संक्रमण से स्थिति गंभीर है। महाराष्ट्र सरकार ने महीने भर से जैसी पाबंदियां लगाई हैं, वे पूर्णबंदी से कम नहीं हैं। ऐसे में उद्योग-धंधे तो चौपट होंगे ही। यह संकट असंगठित क्षेत्र के सामने कहीं ज्यादा गहरा है। अब मुश्किल उस तबके की ज्यादा बढ़ गई है जो छोटे-मोटे काम करके रोज कमाता खाता है। दिहाड़ी मजदूर, रेहड़ी पटरी वाले, मिस्त्री, रिक्शा, ऑटो, टैक्सी चलाने वाले, चाय की गुमटी, छोटे रेस्टोरेंट, ढाबे और ऐसे ही अन्य कामों में लगे करोड़ों इसमें आते हैं। बंदी की वजह से ये लोग एकदम खाली हैं। देश में छोटे और मझोले उद्योगों की तादाद छह करोड़ चौंतीस लाख है। इनमें करीब बारह करोड़ लोग काम करते हैं और रोजमर्रा के इस्तेमाल वाला सामान तैयार करते हैं। लाखों मजदूर तो सामान ढोने जैसे काम से ही गुजारा चलाते हैं। ऐसे में सख्त प्रतिबंध और आंशिक बंदी उद्योगों और इनमें काम करने वालों के लिए काल साबित होने लगी है।

छोटे उद्योगों की हालत दयनीय है। ये कर्ज में डूबे हैं। कच्चा माल महंगा हो गया है। मांग घट रही है और इसका सीधा असर उत्पादन पर पड़ रहा है। नतीजतन फिर से प्रतिबंधों के कारण कई उद्योग ठप होने की कगार पर हैं। कोरोना के हालात बिगड़ते देख एक फिर सख्त पूर्णबंदी की आशंका जताई जा रही है। अगर ऐसा हुआ तो तय है कि कामधंधे और चौपट हो जाएंगे। याद किया जाना चाहिए कि पिछले साल पूर्णबंदी लगाते समय प्रधानमंत्री ने उद्योगों से कामगारों को नहीं निकालने और वेतन नहीं काटने की अपील की थी। लेकिन हुआ था इसका उल्टा। ज्यादातर नियोक्ताओं ने कामगार भी बाहर कर दिए थे और वेतन कटौती भी की। तब कोई बचाने नहीं आया। उस पूर्णबंदी का अनुभव सभी के लिए बेहद कटु रहा। यही वजह है कि उद्योग अब बंदी के पक्ष में नहीं हैं। ठीक साल भर बाद फिर वैसे ही नौबत आ गई है। ऐसे में अब ज्यादा बड़ा खतरा यह है कि बंदी जैसे कदम कहीं भुखमरी जैसे हालात पैदा न कर दें।

खेल बनाम खिलवाड़

इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि समूची दुनिया और खासतौर पर हमारा देश एक ओर महामारी की मार से तबाह है और इसे रोकने के लिए सब कुछ बंद करने की मजबूरी सामने है और दूसरी ओर इंडियन प्रीमियर लीग यानी आइपीएल जैसा आयोजन निर्बाध तरीके से जारी था। जबकि हर ओर संक्रमण फैलने के खतरे को लेकर लोगों को सचेत किया जा रहा था और इसके दायरे से आइपीएल में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ी या इस आयोजन में लगे दूसरे कर्मचारी और बाकी लोग पूरी तरह आजाद नहीं थे। हवाला इस बात का दिया जा रहा था कि इस आयोजन के संचालन के लिए बायो बबल यानी जैव सुरक्षित वातावरण तैयार किया गया है, जिससे संक्रमण फैलने का खतरा नहीं होगा। मगर अब पिछले कुछ दिनों के दौरान कई टीमों के कुछ खिलड़ियों के विषाणु के संक्रमण की चपेट में आने की खबर ने बायो बबल के बावजूद संक्रमण फैलने की आशंकाओं को सच साबित कर दिया। जाहिर है, आयोजकों के सामने आइपीएल-2021 को अनिश्चितकाल तक स्थगित करने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं बचा। गौरतलब है कि सबसे पहले कोलकाता नाइट राइडर्स के दो खिलाड़ी संक्रमित हो गए, फिर दिल्ली कैपिटल्स की पूरी टीम को एकांतवास में डाल दिया गया और उसके बाद चेन्नई सुपर किंग्स के तीन सदस्य भी कोरोना की चपेट में आ गए।

सवाल है कि क्या आइपीएल के संचालन में लगे लोग देश-दुनिया की खबरों से इतने अनजान थे कि उन्हें इस खतरे का अहसास नहीं था! संक्रमण से बचाव के लिए जिस बायो बबल नामक सुरक्षा घेरे का हवाला दिया जा रहा था, अगर वह सचमुच इतना कारगर था तो अचानक ही कई टीमों के खिलाड़ी संक्रमण के शिकार कैसे हो गए? कैसे यह मान लिया गया कि जो विषाणु बिना किसी भेदभाव के चारों ओर कहर बरपा रहा है, उससे आइपीएल में हिस्सा ले रहे खिलाड़ी और वहां मौजूद सभी कर्मचारी और कामगार सिर्फ बायो बबल के भरोसे बचे रहेंगे? अब खिलाड़ियों के संक्रमित होने के बाद इसकी जिम्मेदारी किसके सिर पर डाली जाएगी? शर्मनाक यह भी है कि देश में एक ओर तीन लाख से ज्यादा लोग हर रोज संक्रमित हो रहे हैं, ऑक्सीजन जैसे बुनियादी संसाधनों के अभाव और अव्यवस्था के चलते रोजाना सैकड़ों लोगों की जान जा रही है, चारों ओर मातम और खौफ का माहौल है और ऐसे में आइपीइएल के आयोजकों और उसमें शामिल होने वाले लोगों को मनोरंजन और खिलवाड़ में मशगूल होना ज्यादा पसंद आया! क्या यह एक तरह से संवेदनहीनता का चरम नहीं है कि बहुत सारे लोग इलाज का खर्च नहीं उठा पाने या फिर समय पर ऑक्सीजन या दूसरी दवाएं नहीं मिल पाने की वजह से मर रहे हैं और ऐसे समय में आइपीएल में अथाह धन बहाया जा रहा है!

देश में ऐसे तमाम लोग हैं जो सामर्थ्य से बाहर जाकर भी पीड़ितों की मदद कर रहे हैं, दूसरे देश भी सहायता के हाथ बढ़ा रहे हैं। तो क्या आइपीएल के आयोजकों को मौजूदा संकट में सरकार और जनता के बीच मददगार बन कर नहीं खड़ा होना चाहिए था? लेकिन एक अमूर्त सुरक्षा का दावा करके खिलाड़ियों तक को संक्रमण के जोखिम में धकेल दिया गया। हालांकि खुद खिलाड़ियों को भी इस संकट के दौर में अपने विवेक और नैतिकता की आवाज सुननी चाहिए थी। सही है कि दुख और संकट का सामना धीरज और साहस के साथ किया जाना चाहिए और इसकी वजह से दुनिया रुक नहीं सकती। लेकिन जब आसपास पीड़ा और चिंता बिखरी पड़ी हो और उसका सामना करने की कोशिश हो रही हो, तो वैसे समय में मनोरंजन का आयोजन मानवीयता और संवेदना के साथ खिलवाड़ ही कहा जाएगा।

कल्पमेधा

सकारात्मक रहना और आभारी रवैया
रखना तय करेगा कि आप जिंदगी
कैसे जीने जा रहे है।
- जोएल ऑस्टीन

सामुदायिक प्रयास से संकट का सामना

युसूफ अख्तर

सामुदायिक पहल और सहायता महामारी प्रबंधन की कुंजी है। सार्वजनिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के सामुदायिक प्रयास के प्रयोग के काफी सफल देखे गए हैं। हाल के संकट में एक सोसाइटी के लोगों ने अपने सामूहिक प्रयासों से आकस्मिक चिकित्सा के लिए सीमित बिस्तरों वाला आइसीयू बना लिया। मंदिरों, मस्जिद और गुरुद्वारों के प्रबंधन ने अस्थायी कोविड अस्पताल बना कर लोगों की मदद की पहल की है, ताकि लोग अस्पताल के संकट से बचें और अस्पताल भी लोगों की भीड़ से बचें।

देश में महामारी से हालात इतने बदतर हो गए हैं कि इससे निपटने के उपलब्ध सारे संसाधन नाकाफी साबित हो रहे हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र पर भारी दबाव है। ऑक्सीजन और इसके उत्पादन से जुड़े उपकरणों, दवाइयों, बचाव के किट व अन्य जरूरी सामान दूसरे देश भारत को दे रहे हैं। जाहिर है, स्वास्थ्य क्षेत्र अचानक आए दबाव से लड़खड़ा गया है। ऐसे में चिकित्सकों, नर्सों और अन्य चिकित्साकर्मियों की भारी कमी का सामना भी करना पड़ रहा है। हालांकि हालात से निपटने के लिए सरकार ने सारे मोर्चे खोल दिए हैं। सेना की मेडिकल कोर में सेवाएं दे चुके सेवानिवृत्त चिकित्साकर्मियों की मदद भी ली जा रही है। यह स्थिति भारत के साथ ही नहीं, दुनिया के ज्यादातर पीड़ित देशों के साथ देखने को मिली है।

विशेषज्ञों का मानना है कि मई के मध्य तक हालात और विकराल रूप धारण कर सकते हैं। संक्रमितों की संख्या सात लाख रोजाना तक भी जा सकती है। जाहिर है, ऐसे में अस्पतालों की हालत क्या होगी, इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। देश के ज्यादातर अस्पताल कोरोना मरीजों से अटे पड़े हैं। लोगों के लिए बड़े स्तर पर कामचलाऊ अस्पतालों का निर्माण किया जा रहा है। चिकित्साकर्मी चौबीसों घंटे जुटे हैं। ऐसे में इतना तो साफ है कि इस संकट से मुक्ति आसान नहीं है। जिस तरह के हालात हैं, उसमें अब बड़े पैमाने पर जनसहयोग की जरूरत है। जब इस तरह की आपदाएं आती हैं और हालात बेकाबू हो जाते हैं तो उससे निपटने में समाज की ही भूमिका ज्यादा बड़ी हो जाती है। हालांकि सरकारें काम करती हैं, लेकिन एक बनी-बनाई व्यवस्था के तहत। फिर विकासशील देशों में सरकारों की कार्यसंस्कृति विकसित देशों की तरह दक्ष नहीं होती। ज्यादातर विकासशील देशों की व्यवस्था में नौकरशाही हावी रहती है, जो लीक से हटने में खतरे देखती है, अपने आकाओं को वक्त पर सही सलाह देने में हिचकती है। इस कारण इन देशों में आबादी की जरूरतों के हिसाब से संसाधनों का विकास नहीं हो पाता। आबादी का बड़ा हिस्सा गरीबी और अभाव में रहने को मजबूर होता है। ये स्थितियां तब पनपती हैं जब सरकारें जनसरोकार वाली नहीं होतीं, नागरिकों के हित उनकी प्राथमिकता नहीं होते। यह सब हाल में हमने महसूस भी किया। वरना क्या कारण है कि आजादी के साढ़े सात दशक बाद भी भारत का स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र इतनी बदतर हालत में है कि देश के तमाम अस्पतालों में लोग सिर्फ ऑक्सीजन के अभाव में दम तोड़ रहे हैं।

इतिहास और अनुभव बताता है कि ऐसी महामारी के समय में लोगों को संकट से उबारने में संगठित समुदायिक प्रयास कारगर साबित होते हैं। भारत जैसे विशालकाय देश में पूरी तरह से सरकारों पर आश्रित नहीं रहा जा सकता। ऐसे में इस पर विचार करना जरूरी हो जाता है कि ऐसे संगठित सामुदायिक प्रयास किस प्रकार लोगों की मदद में सहायक हो सकते हैं और उन्हें कैसे सफल बनाया जा सकता है। यह सही है कि बड़े पैमाने पर महामारी से निपट पाना भारत सहित दुनिया भर की सरकारों के लिए काफी मुश्किलों भरा रहा है। संक्रमण के प्रसार को रोकने, जांच करने, संक्रमितों के संपर्क में आए लोगों का पता लगा कर उन्हें अलग रखने और अस्पतालों में लोगों के इलाज से लेकर इसके बाद आने वाली सामाजिक-आर्थिक चुनौतियां कम कठिन नहीं हैं। ऐसे में कोविड-19 प्रबंधन में एक व्यापक सहयोगी दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है, जिसमें महामारी के प्रबंधन के लिए सरकार के प्रयासों का समर्थन करने के लिए सामान्य नागरिकों एवं नागरिक समाज संगठनों की भागीदारी जरूरी हो जाती है। अगर इतिहास पर गौर करें, तो विपत्ति के समय नागरिक समाज ने स्थिति की बारीकी से निगरानी करके, सरकार की सहायता करने और सबसे कमजोर सामाजिक समूहों तक पहुंचने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस मामले में लोगों ने अपने स्तर सामुदायिक प्रयासों के जरिए पोलियो, खसरा-रूबेला और चेचक जैसी बीमारियों के प्रबंधन और उन्मूलन में सरकारों की सहायता की और उन अंतरालों को भरने में मदद की जहां सरकारें नहीं पहुंच सकती थीं।

बांग्लादेश में लगभग दो सौ गैर-सरकारी संगठन सरकार के साथ मिल कर लोगों को चिकित्सा और भोजन सहायता के लिए आर्थिक सहायता प्रदान कर रहे हैं। वे बेहद गरीब और पिछड़े लोगों में जाकर उन्हें स्वच्छता किट बांट रहे हैं और महामारी के बारे में जागरूकता फैला रहे हैं। सत्तर के दशक में भारत को अपने नागरिक संगठनों की सहायता के माध्यम से चेचक के उन्मूलन के लिए तैयार किया गया था। तब डब्ल्यूएचओ द्वारा प्रशिक्षित हजारों स्वास्थ्य कार्यकर्ता और एक लाख सामुदायिक कार्यकर्ता देश में घर-घर गए दस करोड़ घरों, छह लाख गांवों और ढाई हजार से ज्यादा शहरों में सेवाएं दीं। वर्ष 1977 में जब भारत से ये घातक बीमारी समाप्त हो गई तब उनके अथक श्रम का फल सामने आया। इन पूर्व घटनाओं से सबक लेकर आज के हालात में हम ऐसे ही स्वयंसेवी समूहों की मदद ले सकते हैं जो लोगों को घर-घर जाकर हाथ धोने, मास्क लगाने, सुरक्षित दूरी के बारे में तो जागरूक करे ही, साथ ही लोगों की जांच और टीकाकरण जैसे बड़े अभियान को भी ऐसे प्रशिक्षित कार्यकताओं के माध्यम से तेज किया जा सकता है।

सामुदायिक पहल और सहायता महामारी प्रबंधन की कुंजी है। सार्वजनिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के सामुदायिक प्रयास के प्रयोग के काफी सफल देखे गए हैं। हाल के संकट में एक सोसाइटी के लोगों ने अपने सामूहिक प्रयासों से आकस्मिक चिकित्सा के लिए सीमित बिस्तरों वाला आइसीयू बना लिया। मंदिरों, मस्जिद और गुरुद्वारों के प्रबंधन ने अस्थायी कोविड अस्पताल बना कर लोगों की मदद की पहल की है, ताकि लोग अस्पताल के संकट से बचें और अस्पताल भी लोगों की भीड़ से बचें। ऐसे सामुदायिक प्रयास महामारी से निपटने में सरकार की बड़ी मदद कर सकते हैं।

कोरोना महामारी से उत्पन्न चुनौतियों दो तरह की हैं। पहली तो बेहद आकस्मिक है जिसमें लोगों की जान बचाने के लिए परस्पर सहयोग से जीवन-रक्षक चिकित्सा का सामान जैसे ऑक्सीजन सिलेंडर, दवाइयां और अस्पताल के बिस्तर उपलब्ध कराने जैसे इंतजाम करना। दूसरी चुनौती उन लोगों को भी मदद देकर पटरी पर लाने की है जो महामारी संकट से उत्पन्न हालात के कारण आजीविका नहीं चला पा रहे हैं। बड़ी आबादी ऐसे लोगों की है जो दिहाड़ी मजदूरी करके पेट भरती है। ऐसी चुनौतियों से निपटने के लिए संगठनात्मक तरीके से तकनीक का इस्तेमाल किया जा सकता है। कई शहरों में ऐसे डेटाबेस और वेबपोर्टल बनाए गए हैं जो तत्काल इस बात की जानकारी देते हैं कि कोरोना के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवाई-इंजेक्शन या ऑक्सीजन किस जगह पर उपलब्ध है या कौन से अस्पताल में अभी बिस्तर उपलब्ध है। ऐसे वेब पोर्टल कुछ तो सरकारी एजेंसियों द्वारा बनाये गए थे, लेकिन ज्यादातर ये लोगों के खुद के सामूहिक प्रयासों से ही बनाए गए। इसी प्रकार से राजस्थान के एक गांव में वहां की एक स्वयंसेवी संस्था ने पिछले साल पूर्णबंदी लगने के बाद से विस्थापित होने वाले मजदूरों के परिवारों के लिए नियमित स्वास्थ्य जांच और उनको रोजमर्रा के लिए राशन पहुंचाने का काम किया। कई महिला स्वयंसेवी समूहों ने आचार-पापड़ बनाने से लेकर अन्य सहकारी कुटीर उद्योगों की स्थापना की और लोगों को रोजगार भी दिया।

हालांकि इस भय और अनिश्चितता के माहौल में भविष्य में हमारे सामान्य जीवन का लौटना मुश्किल दिख रहा है। लेकिन एक बात जो विश्वास के साथ कही जा सकती है, वह यह है कि हमारे समाज के सामूहिक प्रयास ही आशा की किरण हैं। अगर हम महामारी पर विजय प्राप्त करना चाहते हैं तो हमें सरकारी प्रयासों के साथ-साथ इन्हें भी जारी रखना होगा।

संघर्ष का समय

दुनिया मेरे आगे

कृष्ण कुमार रत्तू

मौजूदा दौर में एक तरह से जिंदगी की इबारत बदल रही है। शायद इसी को कालचक्र कहते हैं। निश्चित तौर पर अभी ऐसा कुछ हो रहा है, जिससे हम पहली बार रूबरू हो रहे हों या फिर जिसको लेकर सहज होना हमारे लिए बहुत मुश्किल हो रहा हो। कई बार हालात बेहद तकलीफदेह भी लगते हों। लेकिन यह समय भी बीत जाएगा। इतिहास में इस समय को मानव स्मृतियों के गहरे दुखांतमय समय के तौर पर देखा जाएगा, जब हम अपनी चारों तरफ जलती हुई चिताओं का मंजर देख रहे हैं। मन को विचलित करने वाले दृश्य जिंदगी का कुरूप चेहरा दिखा रहे हैं। सच तो यह है कि इन दिनों जिस मरघट से हम गुजर रहे हैं, वह जिंदगी का बेहद स्याह पन्ना है। इन दिनों जब चारों तरफ महामारी की तबाही के कारण मृत्यु, लाचारी और बेचारगी का रुदन जारी है तो जिंदगी के जिंदादिली के अर्थों को कहां से ढूंढ़ लाएं, लेकिन जीवन की सच्चाई यही है कि न तो आदमी की नस्ल कभी खत्म होगी और न ही जिंदगी की रवानी। असल में जिंदगी जिन रंगों का कोलाज है, उन सबको महामारी की त्रासदी ने फीका कर दिया है, लेकिन जिंदगी है जो चल रही है और चलती रहेगी। चलना ही जिंदगी की गतिशीलता की निशानी है।

आखिर हम सब कभी किन्हीं वजहों से रुक जाते हैं और रुकना नहीं चाहते हैं तब भी शायद कुछ वक्त के लिए ही रुकते हैं। प्रकृति की गति निरंतर है और यह हमें ज्यादा देर तक रुकने नहीं देती। कुछ ही समय बाद हम अपने रुकने की जड़ता को तोड़ कर आगे बढ़ ही चलते हैं।

सत्य की पराकाष्ठा में जिंदगी नए आकार और नए भविष्य की नई तरंगों का एक खूबसूरत इंद्रधनुष है। आदिकाल से ही जिंदगी एक उत्सवमय त्योहार की तरह देखी जाती रही है। जिंदगी की यही परिभाषा जिंदा रहने का सबब और तरंगों की प्रक्रिया है। इस सच को इस तरह भी देखा जा सकता है जैसे कहा गया है कि उत्साह से उत्सव की दूरी सिर्फ संघर्ष ही नाप सकता है। इसका सीधा अर्थ यह है कि जिंदगी को जीने का और जिंदा रखने का एकमात्र रास्ता आपकी कर्मठता और संघर्ष है, जो सिखाता है कि जिंदगी जीवट जीवंतता और जिंदा रहने के उत्साह का उत्सव समय है, जिसको मनाते रहना चाहिए, क्योंकि शोक में डूबा हुआ निजाम जिंदगी के रंगों को नहीं पहचान सकता। मनुष्य की दुनिया में संवेदना के स्थान ने इसे किसी अपने के जाने के बाद उसके लिए शोक का भाव भरा है। लेकिन दुनिया के चलते रहने के लिए किसी के चले जाने के बाद भी बचे हुए को चलते रहना जरूरी है। इसलिए इंसान के लिए शोक से उबरना और फिर नए सफर पर बढ़ चलना जरूरी होती है।

इस आपदा के समय में जब चारों ओर से बेचैनी और दुख की खबरें आ रही हैं, तब अपनी और अपने घर परिवार, दोस्तों, समाज और देश के लिए गहरे संतोष और उत्साह की प्रार्थना जीवन को संबल देती है। निराशा के इन क्षणों में आशा की किरणें अभी बाकी हैं और जिंदगी कभी रुकती नहीं है। ठहरा हुआ पानी कुछ देर ठहर सकता है, पर यह समय का चलन है कि यहां कुछ भी कभी भी रुकता नहीं है सब कुछ चलायमान है तो फिर चिंता, दुख, शोक, व्याकुलता, विवशता और असफलता का रोना-धोना किसलिए? इसका जवाब यह हो सकता है कि बहुत जतन से किए गए निर्माण के ध्वंस के बाद दुख होना स्वाभाविक है। लेकिन दुख में डूबे रह कर निर्माण नहीं किया जा सकता। जबकि मनुष्य जीवन सभ्यताओं से गुजरते हुए निर्माण की बुनियाद के सहारे ही युगों को पार करता हुआ यहां तक पहुंच सका है कि अब उसने आपदाओं का सामना करना भी सीख लिया है।

यही तो जीवन है जो सुख-दुख की पगडंडियों से खुशियों एवं रंगों भरी जिंदगी के रंगमहल की यात्रा की ओर ले जाता है। तो फिर उदास, निशब्द या मौन क्यों हों? चला जाए जीवन के रंगों की खोज में उत्साह की आकाशगंगा को देखते हैं। एक बार फिर से जीवन की शुरुआत करते हैं, जिसमें संघर्ष का उत्साह हो, जीने की ललक हो, रंगों की चमक हो। यही तो जीवन है। यही प्रकृति का स्वभाव है और इसी से दुनिया चलती है।

यह समय भले ही बेहद रुदन, पीड़ा और जीवन-मरण चुनौतियों के बीच सच्चाई का समय है, लेकिन इसने सिखाया भी है बहुत कुछ। इस समय में अगर हमने अपने गहरे अंतर्मन से अपने जीवन की अंतर्दृष्टि को साधते हुए अपने उत्साह और संघर्ष की सफलता से लबरेज सफर को जारी रखा तो फिर हम एक बार फिर जिंदगी की बाजी जीत जाएंगे। जीतना असल में जिंदगी की रंगों से भरी दीवानगी और उत्साह का आलम है तो फिर क्यों न संघर्ष और उत्साह के इन रंगों से फिर से आत्मसात करते हुए नए मानवीय सरोकार साकार करते हुए जिंदगी की जिंदादिली को सलाम करें। यह समय भी बीत जाएगा, संघर्ष और उत्साह के लम्हे जिंदगी को नई डगर पर चलायमान रखेंगे। तो फिर बस चलने की जरूरत है... सलाम जिंदगी!

नतीजों के संकेत

कोरोना विषाणु से हुई महामारी की विभीषिका के महाखेल में बंगाल के चुनावी खेल का मंचन पूरा हुआ। बासठ दिनों के इस सत्ता समर में कई खेल खेले गए जो लोकतांत्रिक इतिहास के पन्नों में बड़े ही रोचक ढंग से जोड़े जाएंगे। इस अद्भुत खेल में कई टीम अलग-अलग किस्म के खेल खेल रही थी, जबकि विरासतीय खेल का सिद्धांत है कि एक खेल के मैदान पर एक बार में एक ही खेल खेला जाए। अज्ञात कारणों से सबसे पहले चुनाव आयोग ने आठ चरणों में खेल की घोषणा करके सबको हैरत में डाल दिया, जबकि कोरोना से बचाव के लिए इसके चरण सीमित किए जा सकते थे। दूसरे खेल में दल-बदलुओं का थोक भाव में हृदय परिवर्तन हुआ और समर जीतने के लिए रेडीमेड कुशल योद्धाओं ने पलायन कर कीर्तिमान स्थापित कर दिया। खेल के मध्यांतर में कोरोना नियमों के पन्नों पर हस्ताक्षरकर्ताओं ने ही उसे खंडित करते हुए चुनावी रैलियां और रोड-शो करके संक्रमण के सुषुप्त विषाणुओं को आमंत्रित कर दिया। चुनावी सभाओं में उपस्थित भीड़ ने 'दो गज की दूरी और मास्क है जरूरी' के मंत्र को तिलांजलि दे दी, क्योंकि उन्हें लगा कि इस खेल में जो गोल दागे जा रहे हैं, उससे प्राप्त विजयश्री के सामने कोरोना विषाणु की कोई औकात नहीं है।

खेल का सबसे चिंताजनक पक्ष रहा कि चुनाव आयोग को क्रोध, आलोचना, आरोप और निष्पक्षता का क्रूर सामना करना पड़ा। ममता दीदी ने अपने दस्तखत से आयोग को तीन चिट्ठी लिखी कि ईवीएम पर उन्हें शक है कि उसमें गड़बड़ी करके मुझे हराने की साजिश हो सकती है। अब जब परिणाम उनके दल के पक्ष में आ गया तो सवाल उठना लाजिमी है कि क्या इस परिणाम में उनकी सहमति है कि नहीं!

खेल के द्वितीय सत्र में रोमांचक स्थिति हो गई, जब एक संवैधानिक संस्था ने दूसरी संवैधानिक संस्था को कठघरे में ला खड़ा कर दिया और यहां तक कहा कि उस पर भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत मुकदमा क्यों न चलाया जाए। अब यह कौन पूछे कि देश के सभी स्तर की कचहरियों में चार करोड़ से अधिक लंबित मुकदमों की सांस जो सालों साल से दम तोड़ रही है, उस खेल के लिए कौन जिम्मेदार है।

इस खेल में नैतिक पक्ष यह भी देखा गया कि चुनावी सभा में एक दूसरे के विरुद्ध आरोप प्रत्यारोप के घिनौने और अभद्र छींटे फेंके गए, सारी मयार्दाएं टूटती रहीं, आचार संहिता मलीन होती रहीं, हिंसा अपना तांडव मचाता रहा और जिम्मेदारी की चादर ओढ़े लोग और संस्थाएं धृतराष्ट्रीय मुद्रा में अपनी आंखें चुराते दिखे। अब जबकि चुनावी खेल खत्म हो गया है तो एक दूसरे को अपशब्द, असंसदीय कहने वाले जब एक दूसरे से मिलेंगे तो लगेगा कि खेल में खेली गई कटुता तो मात्र तात्कालिक और अस्थायी थी, जिसमें न तो अब कोई यथार्थ है और न उसका दूरगामी महत्त्व। सारांश यही है कि 'खेला होबे' के नेपथ्य में जिसे जितना बन सका, उसने जम कर अपने चौसर पर बिसात रची और जब खेल का समापन हो गया है, भले कोई दल जीत गया हो, लेकिन हर बार की तरह लोकतंत्र अपनी किस्मत पर आठ-आठ आंसू तो बहा रहा है, क्योंकि उसने बंगाल की जनता-जनार्दन के समग्र विकास क्या, आंशिक विकास का सूर्योदय होते अभी तक नहीं देखा है।

● अशोक कुमार, पटना, बिहार

किसी भी मुद्दे या लेख पर अपनी राय हमें भेजें। हमारा पता है : ए-8, सेक्टर-7, नोएडा 201301, जिला : गौतमबुद्धनगर, उत्तर प्रदेश

आप चाहें तो अपनी बात ईमेल के जरिए भी हम तक पहुंचा सकते हैं। आइडी है : chaupal.jansatta@expressindia.com

वैकल्पिक चिकित्सा

अब तक देखा यही गया है कि कोरोना विषाणु संक्रमितों के उपचार में फेफड़ों की शल्य क्रिया की नौबत आने तक व्यक्ति इतनी गंभीर अवस्था में पहुंच जाता है और शल्य क्रिया भी जोखिमपूर्ण हो जाती है, क्योंकि रोगी वेंटिलेटर के सहारे ही हो जाता है।गौरतलब है कि शल्य क्रिया के पूर्व तक अधिकतर रोगी केवल एलोपैथिक दवाओं का ही सेवन करते हैं, जबकि इनके दुष्परिणाम भी होते हैं, लेकिन अन्य पैथी की दवाई या विकल्प फिलहाल विकसित और कारगर नहीं होने से एलोपैथिक दवाई लेने को मजबूर हैं। गौरतलब है कि आयुर्वेदिक, यूनानी, होम्योपैथी और इलेक्ट्रॉनिक अन्य पैथियों की दवाएं के सेवन से शरीर और सेहत पर कोई दुष्परिणाम नहीं होते। इसलिए कोरोना विषाणु की तीसरी और चौथी लहर की संभावना के मद्देनजर कारगर उपचार के लिए आवश्यक शोध शीघ्र प्रारंभ कर विश्वसनीय दवाई की खोज करना चाहिए, ताकि रोगी की एलोपैथीक पर भी निर्भरता कम हो सके और शल्य क्रिया की नौबत ही न आ सके।

● बीएल शर्मा 'अकिंचन', उज्जैन, मप्र

दुख का धर्म

मौजूदा दौर महामारी के कारण कहीं परिवार के सदस्य इस दुनिया को छोड़ कर चले गए। उनके गुजर जाने के बाद उनके अंतिम क्रिया कर्म को करने वाले भी समाज बंधु ने दूरियां बना ली। समाचार माध्यमों में ऐसी घटनाएं निरंतर सामने आ रही हैं। इससे मानव की पीड़ा के साथ सबके सेहतमंद होने की दुआएं मांगी जा रही हैं। ऐसे परिवारों की अंतिम यात्रा में दूसरे समुदाय के लोग आगे आकर अंतिम क्रिया कर्म कर रहे हैं जो सांप्रदायिक एकता की अनूठी मिसाल बनती जा रही है। चारों तरफ पसरे दुख में इंसानियत ही एकमात्र धर्म के रूप में दिख रहा है। देश के राजनेता और जनप्रतिनिधि इन घटनाओं से सबक लें और समाज को धार्मिक दृष्टि से न देखें और न ही समाज में ऐसे बोल बोलें, जिससे सांप्रदायिक विभाजन की भावनाएं जोर पकड़ें।

● सज्जाद अहमद कुरैशी, शाजापुर, मप्र

चिंता के बीच

देश में संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी हो रही है। लोग डरे और सहमे हुए हैं। हालांकि इलाज के बाद मरीज ठीक भी हो रहे हैं। सभी राज्य सरकारें सावधानी बरतने का सुझाव दे रही हैं। पूरे साल कोरोना के भय से कोई भी सामाजिक या कृषि संबंधी कार्य ठीक से नहीं पूरा नहीं हो सका। गांवों में किसान खेती पर निर्भर हैं। राज्य में बंदी और कड़े प्रतिबंध जैसे कदमों का आर्थिकी पर भारी असर पड़ा है। समाज के सभी हिस्से भी बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। देश की आबादी का एक बड़ा तबका संक्रमण की मार झेल रहा है। इससे उपजे हालात से जीवन जोखिम में डाल दिया है। नौकरीपेशा से लेकर रोज कमाने खाने वालों की स्थिति दयनीय हो चुकी है।

अभी हालत यह है कि बचाव के लिए दिशानिर्देशों का उल्लंघन करने वाले लोगों के खिलाफ पुलिस सख्ती से पेश आ रही है। इसलिए ज्यादातर लोग घर में ही बंद पड़े हैं। इस बीच सबसे दुखद स्थिति यह है कि लोग भय से या फिर ऑक्सीजन के अभाव में मर रहे है। इस बात की कल्पना भी नहीं की थी कि कोरोना काल की दूसरी लहर में देश की ऐसी स्थिति हो जाएगी। इसके समांतर भयंकर महामारी के दौर में समाज भी एकजुट हो गया है। जब जब भारत मे गंभीर समय आया है, समाज एक दूसरे के सहयोग के लिए खड़ा हुआ है।

● कांतिलाल मांडोत, सूरत, गुजरात

केरल विधानसभा में 11 महिला विधायक चुनी गईं

केरल विधानसभा में 2001 के बाद पहली बार महिला विधायकों का प्रतिनिधित्व बढ़कर दोहरे अंक में पहुंचा है। छह अप्रैल को 140 सदस्यीय सदन के लिए हुए चुनाव में 11 महिलाएं विधानसभा के लिए निर्वाचित हुई हैं। निर्वाचन आयोग के आंकड़े के मुताबिक, चुनावों में 103 महिलाओं ने किस्मत आजमाई थी, जिनमें से केवल 11 निर्वाचित हुई हैं। साल 2016 के चुनावों में आठ महिला विधायक चुनी गई थीं। आंकड़ों के मुताबिक, 1996 में केरल में 13 महिला विधायक चुनी गई थीं।

इस वर्ष सत्तारूढ़ एलडीएफ से दस महिला विधायक निर्वाचित हुई हैं, वहीं विपक्षी यूडीएफ से एक महिला विधानसभा में प्रतिनिधित्व करेंगी।

खेला चोलछे

मुकेश भारद्वाज

खरी खरी

बंगाल के चुनावी संदेश पर जब सब अपनी प्रतिक्रिया दे रहे थे उसी समय सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल होता है। एक लड़की सड़क पर जा रही होती है तभी मोटरसाइकिल पर पीछे से दो लड़के आते हैं और उसका पर्स छीनने की कोशिश करते हैं। लड़की अपना पर्स दूर फेंक देती है और लड़के उसे उठाने दौड़ते हैं। तभी लड़की लपक कर उनकी मोटरसाइकिल पर बैठ जाती है और उसे लेकर भाग खड़ी होती है। दोनों लड़के अपनी मोटरसाइकिल के लुट जाने के बाद लड़की के खाली पर्स से अपना सिर धुनते हैं। तभी लड़की तेजी से मोटरसाइकिल चलाते हुए आती है और लड़कों से अपना पर्स भी छीन कर ले जाती है। अब लड़कों के पास न तो लड़की का पर्स है और न अपनी मोटरसाइकिल। बंगाल चुनाव में उम्मीदों के विपरीत जिस तरह से ममता बनर्जी को जनता का भरपूर समर्थन मिला है उसकी वजहों को हम इस वीडियो से समझ सकते हैं।

जिन राज्यों में चुनाव हुए उनमें बंगाल और तमिलनाडु की हालत एक जैसी थी। दोनों जगहों पर दस सालों से यथास्थिति के खिलाफ माहौल था और विपक्ष का पहला मुद्दा परिवर्तन ही था। तमिलनाडु में यह हुआ भी। फिर बंगाल में ममता के खिलाफ बना माहौल कैसे पलट गया? बिहार चुनाव के बाद पूरी केंद्रीय शक्ति बंगाल में जुट गई थी। भाजपा के जो केंद्रीय नेता बिहार नहीं गए थे उन्होंने चुनाव तक बंगाल को दूसरा घर ही बना लिया था। तब तक लोगों में ममता के खिलाफ एक लहर थी भी। ममता की अगुआई में वाम को प्रणाम करने के बाद भी रोजगार और विकास का संकट ज्यों का त्यों था। उस वक्त की जमीनी हकीकत देख भाजपा, कांग्रेस और वाम तीनों ने ममता बनर्जी के खिलाफ मोर्चा खोला। हालत यह हो गई कि भाजपा ने खुद से ज्यादा ममता को जगह दे दी और उसके बाद माहौल बदलने लगा।

अगर यह चुनाव त्रिकोणीय होता तो भाजपा को ज्यादा फायदा होता। लेकिन पूरा विपक्ष एक तरफ तो ममता एक तरफ अकेली। अगर आप व्यक्ति केंद्रित आलोचना करते हैं तो फिर आपका वार कमर के नीचे होने लगता है जिसे युद्ध में नाजायज माना जाता है। इसी वार के बाद बंगाल अपने उस चेहरे को लेकर सजग होने लगा और अब ममता बनर्जी की छवि एक पीड़ित की हो गई थी, एक स्त्री नेता की हो गई थी, उस अभिमन्यु की तरह हो गई थी जिसकी सारे दुश्मन चक्रव्यूह बना कर हत्या करने आए हैं। जो तृणमूल से छिटक कर भाजपा और अन्य दलों के साथ चले गए थे वे भी अपनी 'मां, माटी और मानुष' वाली नेता की तरफ वापसी करने लगे थे। कांग्रेस और भाजपा में गए कई लोग खास कर अल्पसंख्यक अपनी दीदी के पास लौट आए। इस बेचारगी की लहर का ही असर था कि ममता ने पहले जितना तो बरकरार रखा ही उससे भी ज्यादा पाया।

भाजपा जिस राष्ट्रवाद के भरोसे उत्तर भारत में चुनावी रैलियों में तालियां बटोर रही थीं वो बंगाल में नहीं काम आया। बंगाल का राष्ट्रवाद कोई चुनावी या मौसमी स्वांग भर नहीं है। बंगाल का राष्ट्रवाद रवींद्रनाथ टैगोर का राष्ट्रवाद है। यह साहित्य, संगीत और संस्कृति का भी राष्ट्रवाद है। हिंदी पट्टी अपने चुनावी मुद्दे में साहित्य और संस्कृति को लेकर संवेदनशील नहीं है। लेकिन बंगाल को यह बर्दाश्त नहीं हुआ कि उसकी संस्कृति पर हमला हो। 'दीदी ओ दीदी' जब राजनीतिक जुमला बन गया तो पूरा बंगाली बौद्धिक समुदाय अपनी क्षेत्रीय नेता की गरिमा को लेकर संवेदनशील हो गया

> **भाजपा** *जिस राष्ट्रवाद के भरोसे उत्तर भारत में चुनावी रैलियों में तालियां बटोर रही थीं वो बंगाल में नहीं काम आया। बंगाल का राष्ट्रवाद कोई चुनावी या मौसमी स्वांग भर नहीं है। बंगाल का राष्ट्रवाद रवींद्रनाथ टैगोर का राष्ट्रवाद है। यह साहित्य, संगीत और संस्कृति का भी राष्ट्रवाद है। हिंदी पट्टी अपने चुनावी मुद्दे में साहित्य और संस्कृति को लेकर संवेदनशील नहीं है। लेकिन बंगाल को यह बर्दाश्त नहीं हुआ कि उसकी संस्कृति पर हमला हो।*

और एकजुट हो गया। 'ममता बेगम', या 'खेला होबे' पर उन्हें बरमूडा (हाफ पैंट) पहनने का मर्दाना ताना सुन बंगाली अस्मिता एक फुटबॉल टीम की तरह एकजुट हुई और सोचा कि अपने खिलाफ गोल नहीं करना है।

भारत जैसे मर्दवादी माहौल वाले देश में एक स्त्री नेता के इतना मजबूत होकर उभरने के अपने सकारात्मक संदेश हैं। ममता बनर्जी फिलहाल वो निर्णायिका बनी हैं जिन्होंने क्षेत्रीय क्षत्रपों को ढहाने के तूफान को थामा है। लेकिन यह भी सच है कि जनादेश के बाद भी बंगाल का खेल खत्म नहीं हुआ है। अभी तो वहां एकांकी भर खत्म हुई है। आगे के अध्याय में ममता बनर्जी का खेल अभी बहुत मुश्किल होने वाला है। उनके लिए सबसे आकस्मिक चुनौती तो कोरोना का विस्फोट ही है। स्वास्थ्य के मामले में बंगाल भी दूसरे राज्यों की तरह बदहाल है। चुनावी रैलियों के कारण वहां कोरोना ने जो विकराल रूप धरा उसे ममता बनर्जी कैसे थामती हैं ये देखना होगा।

इसके साथ ही बड़ी चिंता बंगाल में चुनाव के बाद शुरू हुआ हिंसा का तांडव है। बंगाल सरकार से हिंसा के बाबत सवाल पूछती केंद्रीय गृह मंत्रालय की चिट्ठी बंगाल पहुंच चुकी है। इसके साथ ही ममता बनर्जी को यह याद रखना ही है कि वे नंदीग्राम में चुनाव हार चुकी हैं और छह महीने के अंदर उन्हें विधानसभा की सदस्यता लेनी है, बंगाल में विधान परिषद न होने से यह समस्या उनके लिए बढ़ गई है। वहीं, मद्रास हाई कोर्ट की तीखी आलोचना और हत्या का मुकदमा दर्ज करने जैसे तल्ख आरोप के बाद चुनाव आयोग ने बंगाल की दो विधानसभा सीटों जंगीपुर और शमशेरगंज में उप चुनाव कराने से हाथ खड़े कर दिए हैं जो वहां के उम्मीदवारों के निधन के बाद खाली हुई है। यहां 16 मई को मतदान होना था। पहले जो चुनाव आयोग बंगाल में आठ चरणों के चुनाव को सही ठहरा रहा था अब कोरोना विस्फोट का उदाहरण देकर उपचुनाव से परहेज कर रहा है। एक तरफ तो मध्यप्रदेश के गृहमंत्री अब भी चुनाव को कोरोना से न जोड़ने की सलाह देते हुए महाराष्ट्र और पंजाब का हवाला दे रहे हैं कि वहां कौन सा चुनाव था। दूसरी तरफ अब चुनाव आयोग उपचुनाव से इनकार कर रहा है।

इतनी सारी चुनौतियों के बीच ममता बनर्जी के सामने सबसे बड़ी चुनौती है अपनी कुर्सी बचाने की। बंगाल में भाजपा पहले से ज्यादा ताकतवर हो चुकी है और ममता बनर्जी के लिए सत्ता का 'खेला' और मुश्किल होने वाला है। चुनावों के बाद बंगाल में कई मोर्चों पर खेल अभी शेष है जिससे ममता बनर्जी को जूझना है।

विधानसभाओं में युवाओं और महिलाओं की उपस्थिति

जनसत्ता ब्यूरो

विश्लेषण

आयु और लिंग के आधार विश्लेषण करने पता चलता है कि पश्चिम बंगाल में महिला विधायकों के अनुपात में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है, केरल में यह बढ़ा है जबकि तमिलनाडु में महिला विधायकों के अनुपात में थोड़ी सी कमी दर्ज की गई है। पश्चिम बंगाल में इस बार युवाओं की संख्या में इजाफा हुआ है जबकि केरल और तमिलनाडु में 40 साल से कम आयु के 10 फीसद से कम विधायक हैं। पश्चिम बंगाल की नई विधानसभा में इस बार पिछली विधानसभा के मुकाबले कम राजनीतिक पार्टियों के विधायक चुने गए हैं। पिछली बार विधानसभा में आठ पार्टियों के विधायक थे जबकि इस बार सिर्फ तीन पार्टियों के विधायक ही चुने गए हैं। केरल और तमिलनाडु में इसका उल्टा है। तमिलनाडु में इस बार पिछली विधानसभा के मुकाबले दोगुनी पार्टियों के सदस्य चुने गए हैं। 2016 में हुए चुनाव में तमिलनाडु विधानसभा में सिर्फ चार पार्टियों के उम्मीदवार ही जीते थे लेकिन इस बार आठ पार्टियों के उम्मीदवार विधानसभा में पहुंचने में सफल रहे हैं। केरल की बात करें तो यहां की विधानसभा में कुल 140 सदस्य हैं और इस बार 16 पार्टियों के उम्मीदवार जीते हैं। वहीं, 2019 में महाराष्ट्र विधानसभा के चुनाव में 15 पार्टियों के उम्मीदवार चुने गए थे जबकि महाराष्ट्र विधानसभा में कुल सीटों की संख्या 288 है।

पिछले दिनों हुए राज्य विधानसभाओं के चुनावों में कोई एक पार्टी बहुमत हासिल नहीं कर पाई है, जैसे बिहार और महाराष्ट्र। इन दोनों राज्यों में कई पार्टियों की सरकारें कार्य कर रही हैं। वहीं, इसके उल्ट इस बार पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में अकेली पार्टी को ही बहुमत मिल गया है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस को 213 और तमिलनाडु में डीएमके को 133 सीटें मिली हैं। वहीं, असम में भारतीय जनता पार्टी बहुमत से सिर्फ चार सीटें दूर रही और उसे 126 की विधानसभा में 60 सीटें मिलीं, जबकि केरल में फिर गठबंधन की सरकार सत्ता में आई है।

कम महिला विधायक

पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल की बात करें तो सिर्फ केरल में ही महिला विधायकों की संख्या में थोड़ा इजाफा हुआ है। यहां पहले महिला विधायकों की संख्या आठ थी जो अब बढ़कर 11 हो गई है। पश्चिम बंगाल में महिला विधायकों की संख्या पिछली विधानसभा के बराबर 40 ही है। तमिलनाडु में महिला विधायकों की संख्या में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। पिछली विधानसभा में यहां पर महिला विधायकों की संख्या 21 थी जबकि इस बार सिर्फ 12 महिलाएं ही विधानसभा में पहुंच पाई हैं। अगर बिहार विधानसभा चुनाव की बात करें तो यहां पर 2015 में 28 महिला विधायक बनी थीं जबकि 2020 में 26 महिलाएं विधानसभा पहुंची। इसी तरह महाराष्ट्र में 2019 में 24 महिलाएं विधायक बनीं जबकि 2014 में 20 महिला विधायक चुनी गई थीं।

विधायकों की आयु

बंगाल में 25 से 40 साल के उम्र के विधायकों की संख्या 14 फीसद तक बढ़ी है। वहीं, केरल और तमिलनाडु में युवा विधायकों की संख्या क्रमशः नौ फीसद और छह फीसद है। तमिलनाडु में 70 साल से अधिक उम्र के विधायकों की संख्या में इजाफा हुआ है। तमिलनाडु विधानसभा में 15 विधायकों की आयु 70 साल से अधिक है। डीएमके के दुराईमुरुगन सबसे बुजुर्ग विधायक है, उनकी आयु 83 साल है।

कांग्रेस का उसके पुराने गढ़ में सफाया

बंगाल

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के बीच भले ही तीखी लड़ाई रही, लेकिन दोनों दलों ने संयुक्त रूप से अपने साझा विरोधी कांग्रेस का उसके पुराने गढ़ मुर्शिदाबाद और मालदा जिलों में सफाया कर दिया। कांग्रेस का इन दोनों जिलों में वामपंथ के 34 वर्षों के शासनकाल के दौरान और तृणमूल कांग्रेस के दस वर्षों के शासनकाल में भी दबदबा था, लेकिन इस चुनाव में उसका खाता भी नहीं खुला।

मुर्शिदाबाद को राज्य पार्टी के अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी का गढ़ माना जाता है जबकि मालदा कभी कांग्रेस के दिवंगत नेता एबीए गनी खान चौधरी का गढ़ माना जाता था।

मुर्शिदाबाद और मालदा जिलों के कुल 32 विधानसभा क्षेत्रों में 26 सीटों पर तृणमूल ने जीत दर्ज की, जबकि भगवा दल ने शेष छह सीटों पर अपना परचम लहराया। उम्मीदवारों के निधन के कारण मुर्शिदाबाद में दो सीटों पर चुनाव रद्द कर दिया गया है। मुर्शिदाबाद में कांग्रेस ने 2016 के चुनावों में 20 में से 14 सीटों पर जीत दर्ज की थी और मालदा के 12 सीटों में सात पर उसने जीत हासिल की थी।

कांग्रेस के सहयोगी के तौर पर 2016 के चुनावों में माकपा ने मुर्शिदाबाद में चार सीटों पर और मालदा में एक सीट पर जीत दर्ज की थी। कांग्रेस और वामपंथी दल को 2021 में न केवल इन दो जिलों में बल्कि पूरे राज्य में एक भी सीट नहीं आई।

तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी ने मुर्शिदाबाद और मालदा जिलों में कई रैलियां कीं और सीएए के खिलाफ अपने रुख पर जोर दिया। वहीं भाजपा ने इन जिलों में रोजगार, शिक्षा और बेहतर सड़क संपर्क का वादा कर मतदाताओं को लुभाने का प्रयास किया।

पश्चिम बंगाल

विधायकों की आयु

आयु	2016	2021
25-40	11	14
41-55	37	39
56-70	43	39
70 से ऊपर	9	8

महिला-पुरुष विधायक

लिंग	2016	I2021
महिला	14	14
पुरुष	86	86

पढ़ाई लिखाई

शिक्षा	2016	2021
बारहवीं तक	32	38
स्नातक	43	39
पीजी या ज्यादा	25	23

(नोट : सभी आंकड़े फीसद में)

तमिलनाडु

विधायकों की आयु

आयु	2016	2021
25-40	10	6
41-55	46	44
56-70	43	44
70 से ऊपर	1	6

महिला-पुरुष विधायक

लिंग	2016	2021
महिला	9	14
पुरुष	91	86

पढ़ाई लिखाई

शिक्षा	2016	2021
बारहवीं तक	41	38
स्नातक	32	37
पीजी या ज्यादा	27	25

(नोट : सभी आंकड़े फीसद में)

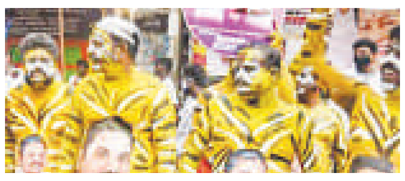

केरल

विधायकों की आयु

आयु	2016	2021
25-40	11	9
41-55	36	41
56-70	44	39
70 से ऊपर	9	11

महिला-पुरुष विधायक

लिंग	2016	2021
महिला	6	8
पुरुष	94	92

पढ़ाई लिखाई

शिक्षा	2016	2021
12वीं तक	37	39
स्नातक	42	46
पीजी या ज्यादा	21	15

(नोट : सभी आंकड़े फीसद में)

श्मशान घाट और कब्रिस्तानों की संख्या बढ़ाने संबंधी याचिका

अदालत ने केंद्र और दिल्ली सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली, 4 मई (भाषा)।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने कोविड-19 के कारण रोज 'बड़ी संख्या' में लोगों की मौत के कारण शहर में श्मशान घाट और कब्रिस्तानों की संख्या अस्थायी तौर पर बढ़ाने के लिए दायर जनहित याचिका पर केंद्र और दिल्ली सरकार से मंगलवार को जवाब मांगा।

मुख्य न्यायाधीश डीएन पटेल और न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की पीठ ने केंद्र, दिल्ली सरकार, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और नगर निकायों को नोटिस जारी किए। पीठ ने इन याचिकाकर्ता प्रत्यूष प्रसन्न द्वारा उपलब्ध आंकड़ों पर विचार करने के बाद प्रतिवादी प्राधिकारियों को इन पर अपने जवाब देने के निर्देश दिए हैं।

वकील स्निग्धा सिंह के जरिए दायर याचिका में प्रसन्न ने दावा किया, 'अस्पतालों में बिस्तरों और जांच किट तथा ऑक्सीजन आपूर्ति जैसे अन्य सामान की भारी कमी के कारण देश में खासतौर से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बड़ी संख्या में लोगों की मौत हो रही है।'

पीठ ने केंद्र, दिल्ली सरकार, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और नगर निकायों को नोटिस जारी किए

याचिका में कहा गया है, 'इसके चलते श्मशान घाट और कब्रिस्तान भर गए हैं और शवों का अंतिम संस्कार करने में काफी वक्त लग रहा है। अतः श्मशान घाट और कब्रिस्तानों की संख्या अस्थायी तौर पर बढ़ाने की आवश्यकता है।' इसमें किसी भी पार्क, मैदान, खुले स्थान, स्टेडियम या ऐसे अन्य किसी स्थान को शवदाहगृह बनाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने के निर्देश देने का भी अनुरोध किया गया है। याचिका में कहा गया है कि तैयारी नहीं होने से ऐसी खतरनाक स्थिति बन गई है कि शवों का अंबार लग गया है और बड़े-बड़े शवदाहगृह शवों को वापस भेज रहे हैं या अंतिम संस्कार के लिए अधिक पैसा वसूल रहे हैं। इसमें दावा किया गया है, 'शवों को रात के लिए एसी कमरों में रखने के लिए भी कहा गया क्योंकि अस्पतालों के मुर्दाघरों में जगह नहीं है। यह उस व्यक्ति के लिए एक सदमे की तरह है जिसने इस महामारी के कारण अपने प्रियजन की असामयिक मौत का दुख सहा है।'

याचिकाकर्ता ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश देने का भी अनुरोध किया है कि अंतिम संस्कार करने के लिए लकड़ी और अन्य आवश्यक सामान की उचित आपूर्ति हो। इसमें कहा गया है कि अंतिम संस्कार में शामिल हो रहे परिवार के सदस्यों, दोस्तों और रिश्तेदारों को पीपीई किट जैसे चिकित्सा सामान उपलब्ध कराए जाएं।

गृह मंत्रालय ने रिपोर्ट मांगी

पेज 1 का बाकी

पुलिस के आयुक्त सोमेन मित्र, गृह सचिव हरिकृष्ण द्विवेदी के साथ बैठक कर हालात की समीक्षा की। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष ने हिंसा को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि आखिर इतनी बड़ी जीत के बावजूद हिंसा क्यों हो रही है? पुलिस के सामने ही हमले हो रहे हैं, लेकिन वह मूकदर्शक बनी है। अगर मुख्यमंत्री इसकी जिम्मेदारी नहीं लेती, तो कौन लेगा? उन्होंने कहा कि भाजपा ने केंद्रीय गृह मंत्रालय को भी पत्र लिखकर हालात की जानकारी दी है।

उन्होंने कहा कि चुनावी नतीजों के बाद ही तृणमूल के लोगों ने पूरे राज्य में आतंक मचा रखा है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा अपने दौरे में पीड़ित परिवारों से मुलाकात करेंगे। हम इस आतंक के खिलाफ बड़े पैमाने पर आंदोलन करेंगे। चुनाव के नतीजों के बाद से जारी हिंसा के बीच भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने के लिए दो दिवसीय दौरे पर मंगलवार को कोलकाता पहुंच गए। एअरपोर्ट पर उतरते ही नड्डा ने चुनाव में शानदार जीत के साथ वापसी करने वाली सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर जोरदार हमला बोला।

प्रधानमंत्री ने हिंसा पर क्षोभ जताया, रिपोर्ट मांगी

पेज 1 का बाकी

कई जिलों से हिंसा की खबरों के मद्देनजर राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर गहरा क्षोभ प्रकट किया। धनखड़ ने ट्वीट किया, 'प्रधानमंत्री ने फोन पर बातचीत में कानून-व्यवस्था की चिंताजनक स्थिति पर गहरा क्षोभ प्रकट किया। मैंने प्रधानमंत्री से हिंसा, लूटपाट, आगजनी की घटनाओं, हत्याओं पर गहरी चिंता व्यक्त की।' राज्यपाल ने ट्वीट कर सवाल किया, 'बंगाल पुलिस को लोकतंत्र को शर्मसार करने वाली राजनीतिक हिंसा, तोड़फोड़, आगजनी, हत्याओं को रोकना चाहिए। चुनाव के बाद बंगाल में ही हिंसा क्यों होती है? लोकतंत्र पर हमला क्यों हो रहा है?' धनखड़ ने कहा, 'खौफनाक हालात की खबरें मिल रही है। डर के कारण लोग जान बचाने के लिए भाग रहे हैं।'

राष्ट्रीय महिला आयोग ने बंगाल के नंदीग्राम में कुछ महिलाओं की कथित तौर पर पिटाई की घटना पर चिंता जताते हुए मंगलवार को राज्य पुलिस से कहा कि इस मामले में तत्काल कार्रवाई करते हुए दोषियों को गिरफ्तार किया जाए और समयबद्ध तरीके से जांच की जाए। आयोग की ओर से जारी बयान के मुताबिक, महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा के नेतृत्व में एक टीम जल्द ही बंगाल का दौरा कर मामले की जांच करेगी। महिला आयोग ने कहा, 'ट्विटर पर किए गए कई पोस्ट से यह पता चलता है कि नंदीग्राम में चुनाव के बाद कुछ गुंडों ने महिलाओं की पिटाई की।'

आयोग इस घटना को लेकर चिंतित है और इसका गंभीरता से संज्ञान लिया है क्योंकि इससे राज्य में महिला की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े होते हैं।'

त्वरित एंटीजन जांच को बढ़ाया जाए

पेज 1 का बाकी

आयुर्विज्ञान अनुसंधान संस्थान (आइसीएमआर) जांच के लिए नया परामर्श जारी किया है। इसमें त्वरित एंटीजन जांच को बढ़ाने के लिए कहा गया है। इसके अलावा किसी भी संक्रमित की दोबारा जांच नहीं करने और स्वस्थ्य व्यक्ति की आरटी पीसीआर जांच नहीं करने के लिए कहा गया है।

आइसीएमआर की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि देश में प्रतिदिन संक्रमण की दर 20 फीसद से अधिक है। कोरोना विषाणु के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए जांच, निगरानी, संपर्कों की खोज, पृथकवास और घर पर इलाज की रणनीति अभी भी लागू है। वर्तमान में भारत में 2,506 प्रयोगशालाएं कोरोना संक्रमण की जांच का कार्य कर रही हैं। ये प्रयोगशालाएं तीन पालियों में काम कर रही हैं और इनकी क्षमता 15 लाख जांच प्रतिदिन है। अधिक मामलों के कारण और प्रयोगशालाओं के कर्मियों के संक्रमित होने की वजह से जांच का कार्य एक चुनौती बन गया है। इस स्थिति को देखते हुए आरटी पीसीआर जांच का अनुकूलित करने की आवश्यकता है। आइसीएमआर की ओर से कहा गया है कि त्वरित एंटीजन जांच (आरएटी) या आरटी पीसीआर जांच में संक्रमित पाए गए लोगों की दोबारा जांच न की जाए। ठीक हो चुके लोगों की जांच नहीं कराई जाए।

एक राज्य से दूसरे राज्य में जाने वाल स्वस्थ्य लोगों की आरटी पीसीआर जांच की अनिवार्यता खत्म की जाए। लक्षण वाले लोगों की गैरजरूरी अंतरराज्यीय यात्राओं को रोका जाए। सभी गैर लक्षण वाले लोगों को यात्रा के दौरान कोरोना को रोकने के उपायों को अपनाया जाए। राज्य मोबाइल जांच तंत्र का उपयोग करें। आइसीएमआर ने कहा कि भारत में जून 2020 से त्वरित एंटीजन जांच की जा रही है। इसका परिणाम 15 से 20 मिनट में आ जाता है जिससे व्यक्ति का जल्द से जल्द इलाज शुरू हो जाता है।

बिहार में 15 तक पूर्णबंदी

पेज 1 का बाकी

तक पूर्णबंदी लागू करने का निर्णय किया गया। बिहार में सोमवार को कोविड-19 के 11407 नए मामले आने के साथ ही 82 और लोगों की मौत हो गई थी।

बिहार गृह विभाग (विशेष शाखा) की ओर से जारी एक आदेश में कहा गया है कि चार मई को आपदा प्रबंधन समूह की बैठक में राज्य में कोरोना संक्रमण की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में पाया गया कि राज्य में संक्रमण दर पिछले एक सप्ताह से निरंतर दस फीसद से अधिक बनी हुई है।

आदेश में कहा गया है, 'अतःस्थितियों पर व्यापक नियंत्रण के लिए पांच मई से 15 मई तक सभी स्कूल, कॉलेज, कोचिंग संस्थान, ट्रेनिंग एवं अन्य शैक्षणिक संस्थान बंद रहेंगे। इस अवधि में राज्य सरकार के विद्यालय एवं विश्वविद्यालय द्वारा किसी भी तरह की परीक्षाएं भी नहीं ली जाएंगी।' आदेश में कहा गया है कि सभी धार्मिक स्थल आमजनों के लिए बंद रहेंगे। सभी प्रकार के सामाजिक, राजनीतिक, मनोरंजन, खेल-कूद, शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक आयोजन अथवा समारोह प्रतिबंधित होंगे।

आदेश के मुताबिक, सार्वजनिक स्थलों पर किसी भी प्रकार के आयोजन (सरकारी एवं निजी) पर रोक रहेगी। आदेश में कहा गया है कि विवाह समारोह अधिकतम 50 व्यक्तियों की उपस्थिति के साथ आयोजित किए जा सकते हैं पर इनमें डीजे और बारात जुलूस की इजाजत नहीं होगी। विवाह की पूर्व सूचना स्थानीय थाने को कम से कम तीन दिन पूर्व देनी होगी। आदेश में कहा गया है कि अंतिम संस्कार और श्राद्ध कार्यक्रम के लिए 20 व्यक्तियों की अधिसीमा रहेगी। आदेश के अनुसार, सभी सिनेमा हॉल, शॉपिंग मॉल, क्लब, स्विमिंग पूल, स्टेडियम, जिम, पार्क एवं उद्यान पूरी तरह बंद रहेंगे।

क्यों नहीं शुरू की जाए अवमानना की कार्यवाही

पेज 1 का बाकी

अदालत के समक्ष हाजिर होने का निर्देश दिया। पीठ ने कहा कि उच्चतम न्यायालय का 30 अप्रैल का विस्तृत आदेश दिखाता है कि उसने केंद्र को 700 मीट्रिक टन ऑक्सीजन मुहैया कराने का निर्देश दिया था ना कि महज 490 मीट्रिक टन। पीठ ने कहा कि उच्चतम न्यायालय पहले ही आदेश दे चुका है, अब उच्च न्यायालय भी कह रहा है कि जैसे भी हो केंद्र को हर दिन दिल्ली को 700 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की आपूर्ति करनी होगी।

मंगलवार को 3,62,198 नए मामले

पेज 1 का बाकी

गए। महाराष्ट्र के स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक कोरोना के 51,880 नए मामले सामने आए। संक्रमण की वजह से 891 लोगों की मौत हुई। महाराष्ट्र में अभी 6,41,934 मरीजों का इलाज जारी है।

देश में महाराष्ट्र के बाद कर्नाटक में 44,631, केरल में 37,190, उत्तर प्रदेश में 25,858, तमिलनाडु में 21,228, आंध्र प्रदेश में 20,034, पश्चिम बंगाल में 17,639, राजस्थान में 16,974, हरियाणा में 15,786, छत्तीसगढ़ में 15,785, बिहार में 14,794, गुजरात में 13,050, मध्य प्रदेश में 12,236, ओड़ीशा में 8,216, पंजाब में 7,601, उत्तराखंड में 7,028, तेलंगाना में 6,876, झारखंड में 5,974, जम्मू कश्मीर में 4,650 व मिजोरम में 198 नए मामले सामने आए।

कई राज्य-केंद्रशासित प्रदेश शुरू नहीं कर पाए टीकाकरण

पेज 1 का बाकी

अभी तक पूरी तरह से फीका ही है। कुछ राज्यों में सिर्फ निजी अस्पताल ही टीकाकरण अभियान चल रहे हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय में संयुक्त सचिव लव अग्रवाल के मुताबिक देश में कोरोना टीकों के उत्पादन को बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसके तहत कोविशील्ड और कोवैक्सीन के उत्पादन में वृद्धि भी हुई है। उन्होंने कहा कि हमारा ज्यादा ध्यान पहले से तय प्राथमिक वर्गों को टीका लगाने पर है जिसमें स्वास्थ्यकर्मी, अग्रिम पंक्ति के कर्मी और 45 साल से अधिक आयु के लोग शामिल हैं। ये प्राथमिकता विज्ञान और उपलब्ध सबूतों के आधार पर तय की गई है। इन वर्गों को भारत सरकार की ओर से मुफ्त टीके लगाने का कार्य जारी है। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि जल्द ही अन्य राज्य और केंद्रशासित प्रदेशों की सरकारें भी तीसरे चरण का टीकाकरण शुरू कर देंगी। को-विन पोर्टल पर उपलब्ध जानकारी के मुताबिक अंडमान निकोबार, आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, चंडीगढ़, दादर नागर हवेली, दमन दीव, गोवा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, कर्नाटक, केरल, लक्षद्वीप, मध्य प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड, पुदुचेरी, सिक्किम, तेलंगाना, त्रिपुरा और उत्तराखंड में अभी तक कोरोना रोधी टीकाकरण शुरू नहीं हुआ है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में दो मई से टीकाकरण की शुरुआत हो गई है लेकिन यहां पर दो से तीन तक का समय ही लोगों को मिल पा रहा है। हालांकि दिल्ली में निजी अस्पताल एक सप्ताह अग्रिम तक का समय उपलब्ध करा रहे हैं। पंजाब ने कुछ जिलों में टीकाकरण शुरू किया है। इन जिलों में एक या दो दिन का समय ही लोगों को दिया जा रहा है। जम्मू कश्मीर में जम्मू और श्रीनगर में तीसरे चरण के टीकाकरण की शुरुआत हुई है।

राज्य प्रायोजित हिंसा से बंगाल जल रहा : भाजपा

पेज 1 का बाकी

बंगाल आज जल रहा है। तृणमूल कांग्रेस की तुलना नाजियों से करते हुए भाजपा ने पश्चिम बंगाल सरकार को फासीवादी करार दिया। आठ चरणों में मतदान संपन्न होने के बाद रविवार को हुई मतगणना में तृणमूल कांग्रेस ने शानदार सफलता हासिल की और लगातार तीसरी बार सत्ता पर कब्जा जमाया।

डिजिटल माध्यम से आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि राज्य प्रायोजित हिंसा के कारण बंगाल जल रहा है। देश के चुनावी इतिहास में कभी भी इस प्रकार का नजारा देखने को नहीं मिला है, जो आज बंगाल में हो रहा है। बंगाल में हिंसा की निंदा करते हुए उन्होंने कहा कि चुनाव जीतने के बाद लोगों को बड़ा दिल रखना चाहिए।

मराठा आरक्षण को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर फैसला आज

नई दिल्ली, 4 मई (भाषा)।

बंबई उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर उच्चतम न्यायालय बुधवार को फैसला सुनाएगा, जिसने राज्य में शिक्षण संस्थानों और सरकारी नौकरियों में मराठाओं के लिए आरक्षण के फैसले को बरकरार रखा था।

न्यायमूर्ति अशोक भूषण की अध्यक्षता वाले पांच न्यायाधीशों का संविधान पीठ फैसला सुनाएगा। उच्चतम न्यायालय ने 26 मार्च को याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

इस मुद्दे पर लंबी सुनवाई में दायर उन हलफनामों पर भी गौर किया जाएगा कि क्या 1992 के इंदिरा साहनी फैसले (इसे मंडल फैसला भी कहा जाता है) पर बड़ी पीठ द्वारा पुनर्विचार करने की जरूरत है, जिसमें आरक्षण की सीमा 50 फीसदी निर्धारित की गई थी।

संविधान पीठ ने मामले में सुनवाई 15 मार्च को शुरू की थी। उच्च न्यायालय ने जून 2019 में कानून को बरकरार रखते हुए कहा था कि 16 फीसदी आरक्षण उचित नहीं है और रोजगार में आरक्षण 12 फीसदी से अधिक नहीं होना चाहिए और नामांकन में यह 13 फीसदी से अधिक नहीं होना चाहिए।

अनिश्चितकाल के लिए आइपीएल स्थगित

पेज 1 का बाकी

गेंदबाजों संदीप वारियर्स और वरुण चक्रवर्ती भी संक्रमित आए थे। संक्रमण बढ़ने के कारण दो आइपीएल मैचों को स्थगित कर दिया गया था। लीग के आयोजकों ने औपचारिक बयान भी जारी किया और कहा कि उसके खिलाड़ियों और स्टाफ की सुरक्षा सर्वोपरि है। बयान में कहा गया है, 'बीसीसीआइ खिलाड़ियों, सहयोगी स्टाफ और आइपीएल के आयोजन में शामिल अन्य भागीदारों की सुरक्षा से समझौता नहीं करना चाहता। यह फैसला सभी हितधारकों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर किया गया।' आइपीएल ने इसके साथ ही कहा कि बीसीसीआइ खिलाड़ियों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए अपनी तरफ से हर तरह के प्रयास करेगा। आइपीएल में इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड सहित कई अन्य देशों के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं।

आइपीएल ने कहा, 'यह मुश्किल समय है विशेषकर भारत में और हमने कुछ सकारात्मकता और खुशी लाने की कोशिश की लेकिन अब जरूरी है कि टूर्नामेंट निलंबित किया जाए और हर कोई इस मुश्किल दौर में वापस अपने परिवार और प्रियजनों के पास चला जाए।' उसने कहा, 'बीसीसीआइ आइपीएल 2021 में भाग ले रहे भागीदारों की सुरक्षित वापसी के लिए अपनी तरफ से हर संभव प्रयास करेगा।'

वहीं दिल्ली के फिरोजशाह कोटला मैदान के कुछ मैदानकर्मी संक्रमित पाए गए हैं। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के अध्यक्ष रोहन जेटली ने हालांकि कहा कि इनमें कोई भी मैदानकर्मी वह नहीं है जिसे मैदान पर जिम्मेदारी सौंपी गई थी। इससे कुछ दिन पहले ऑस्ट्रेलिया के तीन खिलाड़ी कोविड-19 की चिंताओं के कारण लीग से हट गए थे

नहीं रहे पूर्व केंद्रीय मंत्री जगमोहन

पेज 1 का बाकी

व कश्मीर का राज्यपाल नियुक्त किया गया था। इस पूर्ववर्ती राज्य में जब आतंकवाद अपने पैर पसारने लगा तब उन्हें 1990 में एक बार फिर वहां का राज्यपाल नियुक्त किया गया लेकिन तत्कालीन प्रधानमंत्री वीपी सिंह के नेतृत्व वाली सरकार से आतंकवाद के मुद्दे पर मतभेदों के कारण कुछ महीने बाद ही उन्हें पद से हटा दिया गया। बाद में जगमोहन भाजपा में शामिल हो गए। उन्होंने संसद में तीन बार नई दिल्ली संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। उन्हें एक बार राज्यसभा के लिए भी मनोनीत किया गया। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में मंत्री के रूप में काम करते हुए उन्होंने बहुत ख्याति अर्जित की और अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की। वाजपेयी सरकार में वह केंद्रीय संचार, शहरी विकास, पर्यटन और संस्कृति मंत्री भी रहे।

उन्हें वर्ष 1971 में पद्मश्री, 1977 में पद्म भूषण और 2016 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई गणमान्य लोगों ने मंगलवार को उन्हें श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रपति भवन ने रामनाथ कोविंद के हवाले से ट्वीट कर जगमोहन के निधन शोक जताया।

कंगना का खाता स्थायी रूप से बंद किया ट्विटर ने

पेज 1 का बाकी

हुए अभिनेत्री ने हिंसा के लिए बनर्जी को कसूरवार ठहराया था और उन्हें ऐसे नामों से संबोधित किया था जिनको प्रकाशित नहीं जा सकता है। ट्विटर ने एक बयान में कहा, 'हम स्पष्ट रहे हैं कि हम उस व्यवहार पर कड़ी कार्रवाई करेंगे जिनसे ऑफलाइन नुकसान पहुंचने की आशंका है।' प्रवक्ता ने बताया, 'संदर्भित अकाउंट को ट्विटर के नियमों, खासकर, हमारे नफरती आचरण नीति और अपमानजनक नीति का बार-बार उल्लंघन करने के लिए स्थायी रूप से बंद कर दिया गया है।' उन्होंने कहा, 'हम सब पर विवेकपूर्ण तरीके से और निष्पक्ष रूप से ट्विटर नियमों को लागू करते हैं।' ट्विटर की अपमानजक नीति के मुताबिक, 'व्यक्ति किसी को निशाना बना कर प्रताड़ित नहीं करें या प्रताड़ित करने, धमकाने या इसकी कोशिश करने के लिए अन्य को भड़काए नहीं या अन्य की आवाज को खामोश नहीं कराए।'

बिल और मेलिंडा गेट्स ने तलाक की घोषणा की

पेज 1 का बाकी

सोच विचार करने और अपने संबंधों पर काम करने के बाद हमने अपनी शादी को खत्म करने का फैसला किया है।'

उन्होंने कहा कि पिछले 27 साल से अधिक समय से वे एक संस्था चला रहे हैं जो दुनिया भर में लोगों को स्वस्थ व बेहतर जीवन जीने में सक्षम बनाने के लिए काम करती है। बयान के अनुसार, 'हमारा यही मानना है कि इस मिशन में और संस्था में हम साथ काम करते रहेंगे। लेकिन जीवन के अगले पड़ाव में दंपति के रूप में हम साथ नहीं रह सकते हैं।' ये दोनों दुनिया की सबसे अमीर शख्सियतों में से एक हैं। उन्होंने कहा, 'हम जीवन के एक नए दौर में प्रवेश कर रहे हैं, ऐसे में हम अपने परिवार के लिए निजता चाहते हैं।'

सिएटल स्थित संस्था बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन की कुल संपत्ति 2019 में 43.3 अरब डॉलर थी। माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल (65) और मेलिंडा (56) की मुलाकात कंपनी में ही हुई थी। मेलिंडा 1987 में माइक्रोसॉफ्ट में एक प्रोडक्ट मैनेजर के तौर पर काम करती थीं तभी दोनों की मुलाकात हुई थी।

जंगल के राजा को भी कोरोना ने दबोचा

पेज 1 का बाकी

कोई जगह नहीं होती है ताकि वे हिल न सके या नमूना लेने के दौरान विरोध न कर सके। इस बीच केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने कहा कि संक्रमित पशु सामान्य तरीके से व्यवहार कर रहे हैं।

सीसीएमबी- लुप्तप्राय प्रजातियों के संरक्षण के लिए प्रयोगशाला (एलएसीओएनईएस) की चार मई की रिपोर्ट के अनुसार, पुष्टि हुई है कि नेहरू प्राणी उद्यान के आठ एशियाई शेर सार्स-कोव2 विषाणु से संक्रमित पाए गए हैं। मंत्रालय ने विज्ञप्ति में कहा, 'आठ शेरों को पृथक कर दिया गया है और उनकी उचित देखभाल की गई है और आवश्यक उपचार दिया गया है।

इलाज के बाद सभी आठ शेरों के स्वास्थ्य में सुधार दिखाई दे रहा है और वे ठीक हो रहे हैं। वे सामान्य रूप से व्यवहार कर रहे हैं और अच्छी तरह से खाना खा रहे हैं।' देश में कोरोना विषाणु के तेजी से प्रसार के मद्देनजर, मंत्रालय ने हाल ही में अगले आदेश तक आगंतुकों के लिए सभी प्राणी उद्यानों, राष्ट्रीय उद्यानों, बाघ अभयारण्यों और वन्यजीव अभयारण्यों को बंद करने के लिए परामर्श जारी किया था

मई में आयोजित होने वाली जेईई मुख्य स्थगित

पेज 1 का बाकी

के पहले सत्र में 6.2 लाख छात्र उपस्थित हुए जबकि दूसरे सत्र में 5.5 लाख परीक्षार्थी बैठे। एनटीए ने कहा गया है कि जेईई (मुख्य) का तीसरा सत्र स्थगित कर दिया गया था जो 27, 28 और 30 अप्रैल को आयोजित किया जाना था। जेईई (मेन) के मई 2021 सत्र को भी स्थगित करने का फैसला किया गया है जो 24, 25, 26, 27 और 28 मई को आयोजित किया जाना निर्धारित था।

एनटीए ने कहा कि नया कार्यक्रम बाद में निर्धारित किया जाएगा। मई सत्र के लिए पंजीकरण संबंधी घोषणा बाद में की जाएगी। एनटीए ने कहा कि विद्यार्थियों को सलाह दी जाती है कि वे इस अवधि में परीक्षा की बेहतर तैयारी करें। विद्यार्थी एनटीए अभ्यास ऐप पर भी तैयारी कर सकते हैं।

बंगाल में राष्ट्रपति शासन के लिए याचिका

पेज 1 का बाकी

की तैनाती और लक्षित हिंसा की जांच शीर्ष अदालत के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश से कराने का अनुरोध किया गया है। इससे पहले, दिन में वरिष्ठ अधिवक्ता व भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने भी शीर्ष अदालत में एक अर्जी दायर की थी जिसमें चुनाव प्रक्रिया के दौरान और उसके बाद राज्य में हिंसक घटनाओं की सीबीआइ जांच का अनुरोध किया गया है।

यह नई याचिका पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद राज्य में व्यापक हिंसा और कानून-व्यवस्था को बाधित करने के मद्देनजर तमिलनाडु के 'इंडिक कलेक्टिव ट्रस्ट' ने वकील सुविदत्त एमएस के माध्यम से दायर की है। याचिकाकर्ता-ट्रस्ट ने पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था की बहाली के लिए शीर्ष अदालत से केंद्र को सशस्त्र बलों सहित केंद्रीय सुरक्षा बलों को तैनात करने के लिए निर्देश देने का अनुरोध किया है। याचिका में कहा गया है, 'न्यायालय यह घोषणा करे संविधान के अनुच्छेद 356 के दायरे में पश्चिम बंगाल की संवैधानिक मशीनरी चरमरा गई है और इसलिए महामहिम राष्ट्रपति इस अनुच्छेद के तहत उचित कार्रवाई करें।' संविधान के अनुच्छेद 356 के तहत, यदि कोई राज्य सरकार संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार कार्य करने में असफल रहती है, तो केंद्र राज्य मशीनरी को सीधे अपने नियंत्रण ले सकता है।

याचिका में अनुरोध किया गया है कि पश्चिम बंगाल में कथित लक्षित हिंसा में राजनेताओं की भागीदारी पर गौर करने, यदि ऐसा है तो के लिए शीर्ष अदालत के किसी सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक विशेष जांच दल (एसआइटी) गठित किया जाए।

पश्चिम बंगाल : नतीजों के बाद भड़की हिंसा, 12 लोगों की मौत

पेज 1 का बाकी

हत्याओं की खबरें आई हैं। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने दावा किया है कि उनकी पार्टी के कम से कम छह कार्यकर्ताओं की हत्या हुई है और पूरे बंगाल में पार्टी के कई समर्थकों के घरों और पार्टी दफ्तर पर हमला किया गया और आगजनी की गई।

उधर, तृणमूल कांग्रेस ने अपने पांच समर्थकों की हत्या होने का आरोप लगाया है, जिसमें से तीन पूर्वी बर्दवान और एक हुगली की घटना है। वहीं, संयुक्त मोर्चा में कांग्रेस और वामो की सहयोगी इंडियन सेक्युलर फ्रंट के एक कार्यकर्ता के दक्षिण 24 परगना में मारे जाने की खबर है। हिंसा को लेकर बंगाल के ग्रामीण इलाकों में भ्रम और आतंक का माहौल पैदा हो गया है। पुलिस ने पुष्टि की है कि रविवार रात से अब तक राज्य के अलग-अलग इलाकों में हुई झड़पों में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह नहीं बताया है कि मृतक किस पार्टी से जुड़े थे। कई इलाकों में पार्टी दफ्तरों में आग और घरों में तोड़-फोड़ की खबरें भी सामने आई हैं। पूर्वी बर्दवान जिले में भड़की हिंसा में जिन चार लोगों की मौत हुई है, उनमें एक महिला शामिल है। उस महिला के भाजपा समर्थक की मां होने का दावा किया जा रहा है। मारे गए गणेश मल्लिक (60) के पुत्र मनोज ने कहा कि मेरे पिता तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता थे।

ममता ने की शांति की अपील

पेज 1 का बाकी

बनर्जी ने लोगों से शांति बनाए रखने का आह्वान किया।

ममता ने कहा, भाजपा और केंद्रीय सुरक्षा बलों ने चुनाव के दौरान बहुत अत्याचार किए हैं। लेकिन मैं लोगों से शांति बहाल करने की अपील करती हूं। उन्होंने हिंसा के लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहराया।

ममता बनर्जी ने कहा, बंगाल एक शांति प्रिय स्थान है। चुनाव के दौरान गर्मा-गर्मी रही। भाजपा ने बहुत यातनाएं दीं, लेकिन मैं सभी लोगों से शांत रहने की अपील करती हूं। हिंसा में लिप्त मत होइए।

अगर कहीं कोई विवाद होता है तो पुलिस को सूचना दीजिए।

उत्तराखंड : 12 दिनों में 4197 शवों का अंतिम संस्कार

जनसत्ता संवाददाता
देहरादून, 4 मई

उत्तराखंड राज्य के शहरी विकास विभाग द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक बीते 12 दिनों में 4 हजार 197 शवों का अंतिम संस्कार राज्य के 295 श्मशान घाटों और कब्रिस्तानों में किया गया है।

शहरी विकास विभाग के प्रभारी सचिव विनोद कुमार सुमन ने राज्य के 91 शहरी निकायों में मौजूद श्मशान घाटों और कब्रिस्तानों का आंकड़ा जारी किया, जो बेहद ही डरावना है। शहरी विकास विभाग के आंकड़े के अनुसार पूरे प्रदेश में 20 अप्रैल से लेकर 2 मई तक यानी 12 दिनों के भीतर 4 हजार 197 शवों का अंतिम संस्कार प्रदेश के 295 श्मशान घाट और कब्रिस्तानों में किया गया है प्रदेश में प्रतिदिन केवल 135 शवों के अंतिम संस्कार की व्यवस्था है, इससे अंदाजा लगा सकते हैं कि अंतिम संस्कार के लिए श्मशान घाटों और कब्रिस्तान में कितना दबाव है।

शहरी विकास विभाग के मुताबिक 20 अप्रैल से 2 मई तक कोविड-19 की वजह से हुई मौतों के चलते 1523 शवों को श्मशान घाट और कब्रिस्तान लाया गया। वहीं इसके अलावा अन्य कारणों से हुई मौत के चलते 2673 शवों को प्रदेश के श्मशान घाटों और कब्रिस्तान में अंतिम संस्कार के लिए लाया गया।

साहित्यकार व चित्रकार प्रभु जोशी का निधन

इंदौर (मध्य प्रदेश), 4 मई (भाषा)।

मशहूर साहित्यकार और चित्रकार प्रभु जोशी का मंगलवार को कोविड-19 से निधन हो गया। वह 70 वर्ष के थे। परिजनों ने इसकी जानकारी दी।

जोशी के बेटे पुनर्वसु ने बताया कि मेरे पिता कोरोना से संक्रमित थे। अचानक सांस लेने में दिक्कत होने पर हमने घर में ही उन्हें सिलेंडर से ऑक्सीजन देनी शुरू कर दी। उन्होंने बताया कि कई प्रयासों के बाद हमें बड़ा गणपति चौराहा के पास एक अस्पताल में उनके लिए बिस्तर मिला। लेकिन इससे पहले कि उन्हें अस्पताल ले जाकर भर्ती कराया जाता, उन्होंने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। दूरदर्शन के कार्यक्रम अधिकारी के पद से सेवानिवृत्त जोशी कहानी, लेख और कला समीक्षा समेत साहित्य की कई विधाओं में रचना कर्म करते थे। इसके अलावा, खासकर जल रंगों की चित्रकला में उन्हें महारत हासिल थी। देश-

रावत ने कोविड अस्पताल का किया उद्घाटन

जनसत्ता संवाददाता
देहरादून, 4 मई

उत्तराखंड सरकार के साथ मिलकर पतंजलि योगपीठ हरिद्वार में कुंभ मेले के लिए बना आधार अस्पताल को कोविड अस्पताल में तब्दील कर दिया है। पतंजलि योगपीठ इस अस्पताल का संचालन करेगी और सारा इलाज इस अस्पताल में मुहैया कराएगी। इसमें खाने-पीने और दवाइयों की सुविधा पतंजलि योगपीठ निशुल्क उपलब्ध करवाएगी।

मंगलवार को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने हरिद्वार में डेढ़ सौ बिस्तर के कोविड अस्पताल का उद्घाटन किया। इस अवसर पर योग गुरु स्वामी रामदेव और पतंजलि योगपीठ के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण मौजूद थे। उत्तरी हरिद्वार में कुंभ मेले के लिए बनाए गए आधार अस्पताल को कोविड अस्पताल में तब्दील किया गया है।

एम एस टी सी लिमिटेड
MSTC LIMITED
CIN : L27320WB1964GOI026211
"सर्वर, सॉफ्टवेयर तथा सर्विस के लिए एनआईटी।" निविदा सं.: एमएसटीसी/हेड ऑफिस/सिस्टम्स/1/21-22/ईटी/2। विवरण के लिए कृपया www.mstcindia.co.in पर लॉग ऑन करें। भविष्य के सभी संशोधन/स्पष्टीकरण/समय के विस्तार, यदि कोई हो, की सूचना सिर्फ उपरोक्त वेबसाइट पर प्रकाशित की जाएगी। नवीनतम जानकारी प्राप्त करने, संशोधनों हेतु बोलीदातागण नियमित रूप से उपरोक्त वेबसाइट देखें।
हर एक काम देश के नाम

कोरोना के 7028 नए मामले

जनसत्ता संवाददाता
देहरादून, 4 मई

उत्तराखंड में मंगलवार को कोरोना संक्रमित मरीजों के सबसे ज्यादा 7 हजार 28 नए मामले आए हैं, जो अब तक के सबसे ज्यादा मामले हैं। इस तरह उत्तराखंड में कोरोना का लगातार प्रभाव बढ़ता जा रहा है। पिछले 24 घंटों में कोरोना के कारण 85 लोगों की मौत हुई है, जबकि 5696 लोग ठीक होकर घर गए।

Karur Vysya Bank — Smart way to bank

द करूर वैस्य बैंक लि.

मंडल कार्यालय, नं. 6, 3रा तल, मेट्रो पिलर नं. 80 के सामने, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली-110005

04.05.2021

संदर्भ: 1) श्री राकेश सिंह, पुत्र श्री बिजेन्द्र सिंह, 2रा तल, यादव भवन, ओ/ओ बीर सिंह, गटवारी मोहल्ला, गोपी स्वीट हाउस तथा इंडसइंड बैंक एटीएम के निकट, वजीराबाद, सेक्टर 52, गुड़गाँव-122003; साथ ही: फ्लैट नं. 137, 13वां तल, टावर नं. डी-4, सेक्टर 24, अरावली हाइट्स, गरही अलावरपुर, धारूहेरा, रेवाड़ी-123110 तथा 2) श्री संदीप गर्ग, पुत्र श्री राम मेटर गर्ग, एकेजी फार्म, मंडी रोड, सुल्तानपुर मेहरौली, नई दिल्ली-110030 को भेजी गई श्री राकेश सिंह की ऋण खाता में बकायी की वसूली के लिये वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (सरफैसी अधिनियम) की धारा 13 (2) के अंतर्गत जारी की गई सूचना।

जैसा कि आपने प्रतिभूत क्रेडीटर बैंक को ऊपर वर्णित ऋण खाता में ऋणों के पुनर्भुगतान में चूक की है (खाता 23.3.2021 को एनपीए बन चुकी है), बैंक ने 12.04.2021 को सरफैसी अधिनियम के अंतर्गत सूचना जारी कर आपको रु. 26,82,430.58 (रुपए छब्बीस लाख बयासी हजार चार सौ तीस तथा पैसे अन्ठावन मात्र) की बकाया राशि के भुगतान का निर्देश दिया था। सूचना की एक प्रति फ्लैट नं. 137, 13वां तल, टावर नं. डी-4, सेक्टर 24, अरावली हाइट्स, गरही अलावरपुर, धारूहेरा, रेवाड़ी-123110 में परिसर में चिपकाई गई है।

जैसा कि आप सं. 1 को पंजीकृत डाक से भेजी गई सूचना अनसर्व्ड वापस लौट आई। एतद्द्वारा आपको निर्देश दिया जाता है कि ऋण की देयताओं, बैंक के पास प्रभारित प्रतिभूतियों का सम्पूर्ण विवरण नोट करने के लिये अपने स्वयं के हित में बैंक में जाकर सूचना की प्रति प्राप्त करें।

एतद्द्वारा आपको निर्देश दिया जाता है कि सूचना की तिथि से 60 दिनों के भीतर 06.04.2021 से भुगतान की तिथि तक ब्याज के साथ ऊपर वर्णित राशि का भुगतान करें अन्यथा प्रतिभूत क्रेडीटर बैंक सरफैसी अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार नीचे वर्णित रूप में बैंक के पास हाइपोथेकेटेड/ गिरवी प्रतिभूत परिसम्पत्तियों के प्रवर्त्तन के अपने अधिकारों का प्रयोग करने हेतु बाध्य होगा।

तिथि: 4.5.2021 — **मुख्य प्रबंधक एवं प्राधिकृत अधिकारी**
स्थान: दिल्ली — **द करूर वैस्य बैंक लि.**

प्रतिभूत परिसम्पत्तियों का संक्षिप्त विवरण

फ्लैट नं. 137, 13वां तल, टावर नं. डी-4, सेक्टर 24, अरावली हाइट्स, गरही अलावरपुर, धारूहेरा, रेवाड़ी-128110

राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण
प्रिंसिपल बेंच, नई दिल्ली के समक्ष
(मूल क्षेत्राधिकार)
कम्पनी याचिका सं. 2021 का सीपी (सीएए) 40 (पीबी)
के सम्बंधित
कम्पनी आवेदन सं. 2020 का सीए (सीएए) 115 (पीबी)
कम्पनी अधिनियम 2013 (18 ऑफ 2013) के मामले में,
धारा 230 एवं 232 के मामले में
तथा
समामेलन की योजना के मामले में
तथा
निम्नलिखित के विषय में

लीना बिल्डकॉन प्राईवेट लिमिटेड
(यह कम्पनी कम्पनीज़ अधिनियम 1956 के प्रावधानो के अन्तर्गत स्थापित है तथा इनका पंजीकृत कार्यालय तीसरी मंजिल, 14, रानी झांसी रोड, नई दिल्ली-110 055 में स्थित है।)
याचिकाकर्ता सं. 1/अंतरणकर्ता कम्पनी

तथा

पैड्डॉक प्रोपबिल्ड प्राईवेट लिमिटेड
(यह कम्पनी कम्पनीज़ अधिनियम 1956 के प्रावधानो के अन्तर्गत स्थापित है तथा इनका पंजीकृत कार्यालय सी-4, प्रथम तल, मालवीय नगर, नई दिल्ली-110 017 में स्थित है।)
याचिकाकर्ता सं. 2/अंतरिती कम्पनी

याचिका की सुनवाई की सूचना

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि 18 फरवरी, 2021 को निम्नलिखित के याचिकाकर्ता द्वारा पैड्डॉक प्रोपबिल्ड प्राईवेट लिमिटेड और लीना बिल्डकॉर्न प्राईवेट लिमिटेड के बीच की समामेलन की योजना हेतु मंजूरी प्राप्त करने के लिए कम्पनी अधिनियम 2013 की धाराओं 230 और 232 तथा अन्य लागू प्रावधानों, यदि कोई हो, के अधिनस्थ एक याचिका प्रस्तुत की गई थी और कथित याचिका 21 मई, 2021 को प्रातः 10:30 बजे माननीय राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण, प्रिंसिपल बेंच, (कोर्ट नंम्बर-1) ब्लॉक नंम्बर 3, ग्राउंड, 6वीं, 7वीं और 8वीं मंजिल, सी.जी.ओ. कॉम्पलेक्स, लोधी मार्ग, नई दिल्ली-110 003 के समक्ष सुनवाई हेतु निर्धारित है।

यदि कोई व्यक्ति याचिका के सहयोग अथवा विरोध हेतु इच्छुक है तो वह अपनी इच्छा स्वंय के द्वारा अथवा अपने याचिकाकर्ता अधिवक्ता के द्वारा हस्ताक्षरित अपने नाम तथा पते के साथ बेंच अथवा याचिकाकर्ता अधिवक्ता को सूचित करे। यह सूचना बेंच और याचिकाकर्ता के अधिवक्ता के पास याचिका की सुनवाई हेतु निर्धारित तिथि के कम से कम 2 दिन से पहले पहुचंना चाहिए। यदि वह याचिका के प्रतिवाद हेतु इच्छुक है तो विरोध के आधारों अथवा शपथपत्र की एक प्रति इस सूचना के साथ प्रस्तुत करनी होगी। याचिका की एक प्रति किसी भी व्यक्ति के द्वारा मांगे जाने पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा उक्त के लिए निर्धारित राशि का भुगतान करने पर उक्त के लिये आवश्यक किसी व्यक्ति को प्रस्तुत की जाएगी।

हस्ताक्षर
राजीव के गोयल, अधिवक्ता
कृते राजीव गोयल एंड एसोसिएटस
याचिकाकर्ताओ के अधिवक्ता
785, पॉकेट-ई, मयूर विहार-।।,
दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे/एनएच-9, दिल्ली 110 091

दिनांकः 04.05.2021
स्थानः नई दिल्ली
मोबइलः 9312409354, **ई-मेलः** rajeev391@gmail.com, **वेबसाइटः** www.rgalegal.in

Gujarat Apollo Industries Limited

Corporate Identity Number (CIN): L45202GJ1986PLC009042
Registered Office: Block No. 486, 487, 488, MoujeDholasan, Taluka & District - Mehsana, Mehsana, Gujarat, 382 732
Corporate Office: "Parishram", 5-B, Rashmi Society, Nr. Mithakhali Circle, Navrangpura, Ahmedabad-380 009, Gujarat, India
Tel: +91 72280 11811 to 11815; **Email:** info@gapollo.net; **Website:** www.apollo.co.in; **Contact Person:** Neha Chikani Shah (Company Secretary & Compliance Officer)

POST BUYBACK PUBLIC ANNOUNCEMENT FOR THE ATTENTION OF EQUITY SHAREHOLDERS/ BENEFICIAL OWNERS OF THE EQUITY SHARES OF GUJARAT APOLLO INDUSTRIES LIMITED

This post Buyback public announcement ("**Post Buyback Public Announcement**") is being made in accordance with Regulation 24(vi) and other applicable provisions of the Securities and Exchange Board of India (Buy-Back of Securities) Regulations, 2018, for the time being in force including any statutory modifications and amendments from time to time ("**Buyback Regulations**").This Post Buyback Public Announcement should be read in conjunction with the public announcement dated February 15, 2021 which was published on February 16, 2021 ("**Public Announcement**") and the letter of offer dated March 26, 2021 ("**Letter of Offer**"), issued in connection with the Buyback. Unless specifically defined herein, capitalised terms and abbreviations used herein have the same meaning as ascribed to them in the Public Announcement and the Letter of Offer.

1. THE BUYBACK

1.1. Gujarat Apollo Industries Limited ("**Company**") had announced a Buyback of upto 8,61,915 (Eight lakhs sixty one thousand nine hundred and fifteen) fully paid-up Equity Shares of face value Rs. 10 each from the equity shareholders / beneficial owners of Equity Shares as on February 26, 2021 (the "**Record Date**"), through the tender offer route, on a proportionate basis, at a price of Rs. 222 (Rupees two hundred and twenty two only) per Equity Share ("**Buyback Price**"), payable in cash, for an aggregate maximum amount of Rs. 19,13,45,130 (Rupees nineteen crores thirteen lakhs forty five thousand one hundred and thirty only) (the "**Buyback Size**") ("**Buyback**" / "**Offer**") excluding the Transaction Costs. The Buyback represents 7.52% and 3.88% of the aggregate fully paid-up equity share capital and free reserves, as per the standalone and consolidated audited financial statements of the Company, respectively, for the financial year ended March 31, 2020 (the latest audited financial statements available as on the date of the Board Meeting approving the Buyback).

1.2. The Company had adopted the Tender Offer route for the purpose of Buyback. The Buyback was implemented by the Company using the 'mechanism for acquisition of shares through Stock Exchange' as specified by the Securities and Exchange Board of India ("**SEBI**") in the circular bearing number CIR/CFD/POLICYCELL/1/2015 dated April 13, 2015 and CFD/DCR2/CIR/P/2016/131 dated December 9, 2016 including any amendments or statutory modifications for the time being in force.

1.3. The Buyback Opening Date was Thursday, April 8, 2021 and the Buyback Closing Date was Monday, April 26, 2021.

2. DETAILS OF THE BUYBACK

2.1. The Company bought back an aggregate of 8,61,915 (Eight lakhs sixty one thousand nine hundred and fifteen) Equity Shares, at the price of Rs. 222 (Rupees two hundred and twenty two only) per Equity Share.

2.2. The total amount utilized in the Buyback was Rs. 19,13,45,130 (Rupees nineteen crores thirteen lakhs forty five thousand one hundred and thirty only), excluding Transaction Costs.

2.3. The Registrar to the Buyback, i.e. Link Intime India Private Limited ("**Registrar**"), considered a total of 296 valid bids for 20,98,388 Equity Shares in response to the Buyback, resulting in the tender of approximately 2.43 times the maximum number of Equity Shares proposed to be bought back. The details of the valid bids considered by the Registrar are as follows:

Category	No. of Equity Shares reserved in the Buyback	No. of valid bids	Total no. of valid Equity Shares tendered	Response (%)
Reserved Category for Small Shareholders	129,288	240	41,886	32.40
General Category for all other Eligible Shareholders	732,627	56	20,56,502	280.70
Total	**861,915**	**296**	**20,98,388**	**243.46**

2.4. All valid bids were considered for the purpose of Acceptance in accordance with the Buyback Regulations and the Letter of Offer. The communication of acceptance/rejection has been dispatched by the Registrar to the Eligible Shareholders on Monday, May 3, 2021.

2.5. The settlement of all valid bids was completed by Indian Clearing Corporation Limited ("**Clearing Corporation**"/ "**ICCL**") on Monday, May 3, 2021. ICCL has made direct funds pay-out to Eligible Shareholders whose shares have been accepted under the Buyback. If bank account details of any Eligible Shareholder was not available or if the funds transfer instruction was rejected by the Reserve Bank of India/ relevant bank(s), due to any reason, then the amount payable to the concerned shareholder will be transferred to the Shareholder Broker for onward transfer to such shareholders.

2.6. Equity Shares held in dematerialized form accepted under the Buyback were transferred to the Company Demat Account on Monday, May 3, 2021. The unaccepted dematerialized Equity Shares have been returned to respective Eligible Shareholders /custodians by Clearing Corporation on Monday, May 3, 2021.

2.7. A total of 2 applications for physical shares were received in the Buyback. However both the applications were rejected, as in one case the share certificates were directly sent to the Registrar to the Buyback without the same being bidded on the acquisition window platform; and in the other case the physical share certificates and other relevant documents in physical form were not received by the Registrar to the Buyback. The unaccepted physical equity share certificates are being returned to the shareholder by the Registrar to the Buyback

2.8. The extinguishment of 8,61,915 Equity Shares accepted under the Buyback, shall be completed in accordance with the Buyback Regulations on or before Monday, May 10, 2021.

3. CAPITAL STRUCTURE AND SHAREHOLDING PATTERN

3.1. The capital structure of the Company pre and post Buyback is as follows:

Particulars	Pre-Buyback (Rs.)	Post-Buyback (Rs.)
Authorized share capital	20,00,00,000 (2,00,00,000 Equity Shares of Rs.10 each)	20,00,00,000 (2,00,00,000 Equity Shares of Rs.10 each)
Issued, subscribed and paid-up equity share capital	12,66,19,150 (1,26,61,915 Equity Shares of Rs.10 each)	11,80,00,000(*) (1,18,00,000(*) Equity Shares of Rs.10 each)

(*) Subject to extinguishment of 8,61,915 Equity Shares.

3.2. Details of Eligible Shareholders from whom Equity Shares exceeding 1% (of the total Equity Shares bought back) have been accepted under the Buyback are as under:

Sr. No.	Name of the Eligible Shareholder	No. of Equity Shares accepted under the Buyback	Equity Shares as a % of total Equity Shares bought back (%)	Equity Shares accepted as a % of total post Buyback equity share capital of the Company (%) (#)
1	Sharad Kanayalal Shah	1,62,540(*)	18.86	1.38
2	AnilkumarTribhuvandas Patel HUF	1,59,749	18.53	1.35
3	ParthRashmikant Patel	1,27,636	14.81	1.08
4	Varsha Sharad Shah	73,208	8.49	0.62
5	Somabhai H. Patel	62,613	7.26	0.53
6	Dipak Kanayalal Shah	48,411	5.62	0.41
7	Bishal More	38,978	4.52	0.33
8	JayantibhaiKanjidas Patel	23,631	2.74	0.20
9	Mithabhai K. Patel	20,075	2.33	0.17
10	Sangita Maganbhai Patel	17,020(*)	1.97	0.14
11	Nita Madhav Patel	12,384	1.44	0.10
12	Rhea Dipak Shah	10,300	1.20	0.09
13	Mita Dipak Shah	9,530	1.11	0.08
14	Sivanandam Selvam	9,048	1.05	0.08
15	Jigna Kanayalal Shah	8,628(*)	1.00	0.07

(#) Subject to extinguishment of 8,61,915 Equity Shares.
(*) Shares have been accepted over 2 folios, which have been clubbed together hereinabove for representation purposes.

3.3. The shareholding pattern of the Company pre and post Buyback is as follows:

Category of Shareholder	Pre Buyback (*)		Post Buyback(#)	
	No. of Equity Shares	% of the total equity share capital	No. of Equity Shares	% of the total equity share capital
Promoters and members of the promoter group including persons acting in Concert (Collectively "the Promoters Group")	71,41,651	56.40	68,54,266	58.09
Foreign Investors (Including Non-Resident Indians, FPIs and Foreign Mutual Funds)	13,03,200	10.29	49,45,734	41.91
Financial Institutions/Banks & Mutual Funds promoted by Banks/Institutions	187	0.00		
Others (Public, Bodies Corporate, Clearing Members, Trust, HUF etc.)	42,16,877	33.31		
Total	**1,26,61,915**	**100**	**1,18,00,000**	**100**

(*) As on the Record Date (i.e. February 26, 2021).
(#) Subject to extinguishment of 8,61,915 Equity Shares.

4. MANAGER TO THE BUYBACK

Prabhudas Lilladher — POWERING YOUR FINANCIAL GROWTH

PL CAPITAL MARKETS PRIVATE LIMTED
3rd Floor, Sadhana House, 570, P.B. Marg, Worli, Mumbai - 400 018. **Tel:**+91 - 22 - 6632 2222; **Fax:** +91-22 -6632 2229; **Website:** www.plindia.com
Email: gujaratapollobuyback@plindia.com; **Contact person:** Rohan Menon; **SEBI Registration No.:** INM000011237

5. DIRECTORS' RESPONSIBILITY

As per Regulation 24(i)(a) of the Buyback Regulations, the Board of Directors of the Company accept responsibility for all the information contained in this Post Buyback Public Announcement and confirm that the information included herein is true, factual and material and does not contain any misleading information.

For and on behalf of the Board of Directors of Gujarat Apollo Industries Limited

Sd/-	Sd/-	Sd/-
Asit A. Patel	**Anand A. Patel**	**Neha Chikani Shah**
Managing Director	**Director**	**Company Secretary & Compliance Officer,**
DIN: 00093332	**DIN: 00002277**	**Membership No.: A-25420**

Place: Ahmedabad
Date : May 4, 2021

CONCEPT

SURAKSHA ARC

सुरक्षा एसेट रीकंस्ट्रक्शन लिमिटेड

(पूर्व की सुरक्षा एसेट रीकंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड)
सीआईएन : U74120MH2015PLC268857
पंजीकृत कार्यालय : 20वीं मंजिल, "ए" विंग, नमन मिडटाउन, सेनापति बापत मार्ग, एल्फिंस्टन रोड, मुम्बई-400013.
दूरभाष : +91 22 4027 3679 फैक्स : +91 22 4027 3700
ई-मेल आईडी : admin@surakshaarc.com वेबसाइट : www.surakshaarc.com

परिशिष्ट IV-A
[प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के तहत]

अचल सम्पत्ति की बिक्री हेतु ई-नीलामी सूचना

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के प्रावधानों के साथ पठित वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 ("कथित नियम") के तहत अचल सम्पत्ति की बिक्री हेतु ई-नीलामी सूचना।

एतद्द्वारा जनसामान्य को तथा विशेष रूप से कर्जदार(रों) एवं जमानती(यों) को सूचना दी जाती है कि सुरक्षा एआरसी 032 ट्रस्ट के ट्रस्टी के रूप में अपनी क्षमता में कार्यरत सुरक्षा एसेट रीकंस्ट्रक्शन लिमिटेड (प्रतिभूत लेनदार) के पास बंधक/प्रभारित नीचे वर्णित अचल सम्पत्तियाँ जिनका सांकेतिक/रचनात्मक कब्जा प्रतिभूत लेनदार द्वारा कर लिया गया है, कर्जदार(रों) तथा सह-कर्जदार(रों) से प्रतिभूत लेनदार के बकायों रु. 2,04,38,86,938/- (30.04.2021 तक) की वसूली के लिए नीचे उल्लिखित निर्दिष्ट तिथि एवं समय पर "जहाँ है जैसे है", "जो है यही है", तथा "जो कुछ भी है वहीं है" आधार पर बिक्री की जायेगी। अचल सम्पत्ति का आरक्षित मूल्य तथा जमा धरोहर राशि नीचे वर्णित है। बिक्री के विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिए कृपया प्रतिभूत लेनदार की वेबसाइट अर्थात www.surakshaarc.com पर प्रावधानित लिंक का सन्दर्भ लें।

कर्जदार/सह-कर्जदार(रों)/प्रतिभूत प्रदाता/ओं के नाम	सम्पत्ति का विवरण	संविदा/ईएमडी जमा करने की अन्तिम तिथि	ई-नीलामी की तिथि एवं समय	आरक्षित मूल्य (रु.)	जमा धरोहर राशि (10%) (रु.)	प्रतिभूत लेनदार के संज्ञान में ऋणभारों का विवरण
कर्जदार : एस एस एक्जिम प्राइवेट लिमिटेड (कर्जदार) अलका गोयल (बंधककर्ता) राजीव गोयल (बंधककर्ता)	सी-39, ग्रेटर कैलाश पार्ट-I, नई दिल्ली पर स्थित 300 वर्ग गज के कथित भूमि के प्लॉट में 32.5% अविभाजित, अविभाज्य तथा इम्पार्टिबल स्वामित्व सहित अटैच्ड बाथरूम सहित तीन बेडरूम, एक ड्राइंगरूम सह डाइनिंग रूम, एक किचन, लॉबी, फ्रंट तथा रियर बालकनी, टॉप टेरेस पर कॉमन डब्ल्यू.सी. सहित एक सर्वेंट क्वार्टर तथा भवन के भीतर ड्राइववे में एक कार पार्किंग स्थान से निर्मित सम्पत्ति का सम्पूर्ण प्रथम तल।	07.06.2021	तिथि : 08.06.2021 समय : 12.00 बजे अप.- 2.00 बजे अप.	3,65,00,000/-	36,50,000/-	कोई नहीं

तिथि : 05/05/2021 — (अधिकृत प्राधिकारी)
स्थान : नई दिल्ली — सुरक्षा एसेट रीकंस्ट्रक्शन लिमिटेड
(सुरक्षा एआरसी-032 ट्रस्ट के ट्रस्टी के रूप में अपनी क्षमता में कार्यरत)

Muthoot Finance

मुथूट होमफिन (इण्डिया) लिमिटेड

कॉर्पोरेट कार्यालय : 1201 एवं 1202, 12वीं मंजिल, 'ए' विंग, लोटस कॉर्पोरेट पार्क, ऑफ. वेस्टर्न एक्सप्रेस हाइवे, गोरेगाँव (ईस्ट), मुम्बई-400 063

माँग सूचना

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3(1) के साथ पठित प्रतिभूति हित अधिनियम की वित्तीय आस्तियों एवं प्रवर्तन के प्रतिभूतिकरण तथा पुनर्निर्माण की धारा 13(2) के तहत।

अधोहस्ताक्षरी प्रतिभूति हित अधिनियम, 2002 (कथित अधिनियम) की वित्तीय आस्तियों एवं प्रवर्तन के प्रतिभूतिकरण तथा पुनर्निर्माण की धारा 13(2) के तहत मुथूट होमफिन (इण्डिया) लिमिटेड (एमएचआईएल) का अधिकृत प्राधिकारी है। प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित कथित अधिनियम की धारा 13(2) के तहत प्रदत्त शक्तियों के उपयोग में अधिकृत प्राधिकारी ने कथित अधिनियम की धारा 13(2) के तहत कर्जदार/रों ("कथित कर्जदार") से उनके लिए निर्गत सम्बद्ध माँग सूचना/ओं, जिन्हें नीचे भी दिया गया है, में उल्लिखित राशि का पुनर्भुगतान करने के लिए कहते हुए माँग सूचनाएँ निर्गत की हैं।

उपर्युक्त के सम्बन्ध में एतद्वारा एक बार पुनः कथित कर्जदार को इस सूचना के प्रकाशन के 60 दिनों के भीतर कथित कर्जदारों द्वारा अन्य दस्तावेजों/ प्रलेखनों, यदि कोई हो, के साथ पठित ऋण समझौते के तहत नीचे उल्लिखित तिथियों से देय भुगतान तथा/अथवा वसूली की तिथि तक कथित माँग सूचनाओं में वर्णित के अनुसार नीचे उल्लिखित राशियों तथा उस पर 2% प्रतिमाह की दर से भावी ब्याज का पुनर्भुगतान एमएचआईएल को अदा करने के लिए सूचना दी जाती है। ऋण के बकाया पुनर्भुगतान हेतु प्रतिभूति के रूप में कथित कर्जदारों द्वारा क्रमशः एमएचआईएल के पास बंधक आस्तियाँ निम्नलिखित हैं :

क्र.सं.	कर्जदार(रों)/सह-कर्जदार(रों) के नाम/ऋण खाता सं./शाखा	कुल बकाया राशि (रु.)	माँग सूचना की तिथि	प्रतिभूत आस्ति का विवरण (अचल सम्पत्ति)
1.	सतीश चन्द्र झा/ राज कुमारी झा/ 055-05500121/ फरीदाबाद	**रु. 14,02,816/-** (रुपये चौदह लाख दो हजार आठ सौ सोलह मात्र)	15-मार्च-21	वार्ड सं. 10 फर्रूखनगर न्यू वार्ड 11 गुरुग्राम, हरियाणा-122504, विक्रय विलेख पंजीकरण सं. 2856-2018 दिनांक 4 दिसम्बर, 2018 में अधिक विशिष्ट वर्णित, उप-रजिस्ट्रार कार्यालय फर्रुखनगर में। सीमाएं : उत्तर : बहादुर का मकान, दक्षिण : 11 फीट गली, पूर्व : बृजमोहन का मकान, पश्चिम : संजय प्रधान का मकान
2.	अजित कुमार/आरती/ 055-05500190/ फरीदाबाद	**रु. 8,51,887/-** (रुपये आठ लाख इक्यावन हजार आठ सौ सत्तासी मात्र)	25-मार्च-21	इकाई सं. डी-यूजी 08, खसरा नं. 217, एनएच-91, छपरौला, निकट लाल कुँआ, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश-201014. विक्रय विलेख पंजीकरण सं. आवंटन पत्र सं. जेएवाई-0158, दिनांक 29 जनवरी, 2019 में अधिक स्पष्ट वर्णित, कार्यालय उपरजिस्ट्रार गौतम बुद्ध नगर में। सीमाएं : उत्तर : फ्लैट सं. यूजी-09, दक्षिण फ्लैट सं. यूजी-07, पूर्व : कॉरीडोर, पश्चिम : नीचे सड़क।
3.	रत्नेश सिंह नेगी/ अनिता/ 055-05500220/ फरीदाबाद	**रु. 9,78,603/-** (रुपये नौ लाख अठहत्तर हजार छः सौ तीन मात्र)	25-मार्च-21	यूनिट सं. डी-406, चौथा तल, ब्लॉक डी, जनहित आवास योजना, खसरा नं. 217, एनएच-91, छपरौला, लाल कुँआ, जी.बी. नगर, उत्तर प्रदेश-201301. विक्रय विलेख पंजीकरण सं. आवंटन पत्र सं. जेएवाई-0030 दिनांक 25 फरवरी, 2019 में अधिक स्पष्ट वर्णित। उपरजिस्ट्रार कार्यालय गौतम बुद्ध नगर में, सीमाएं : उत्तर : फ्लैट सं. डी-407, दक्षिण : फ्लैट सं. डी-405, पूर्व : कॉरीडोर, पश्चिम : नीचे सड़क
4.	शैलेन्द्र यादव / रिंकी यादव / 055-05500374/ फरीदाबाद	**रु. 14,06,608/-** (रुपये चौदह लाख छः हजार छः सौ आठ मात्र)	25-मार्च-21	प्लॉट सं. 48 पर मकान, खाता नं. 330 खसरा नं. 623, जीआर गार्डन-2, ब्लॉक बी, ग्राम छिपियाना बुजुर्ग, परगना एवं तहसील दादरी, गौ.बु. नगर, उत्तर प्रदेश-201009. विक्रय विलेख पंजीकरण सं. 4586-2020 दिनांक 27 फरवरी, 2020 में अधिक स्पष्ट वर्णित, सीमाएं : उत्तर : मकान नं. 47, दक्षिण : मकान नं. 498, पूर्व : मकान नं. 56,57, पश्चिम : सड़क 20 फीट
5.	मानिक सरकार/ सप्तमी सरकार/ 056-05600098/ गाजियाबाद	**रु. 3,31,121/-** (रुपये तीन लाख इकतीस हजार एक सौ इक्कीस मात्र)	15-मार्च-21	प्लॉट सं. 1555, खसरा नं. 9 मिन, सुदराम एन्कलेव, अलवर्दीपुर, नोएडा, गौ.बु. नगर, उत्तर प्रदेश-201301. विक्रय विलेख पंजीकरण सं. 4006-2018 दिनांक 4 जून, 2018 में अधिक वर्णित। कार्यालय उपरजिस्ट्रार गौतम बुद्ध नगर में। सीमाएं : उत्तर : अन्य प्लॉट, दक्षिण : अन्य प्लॉट, पूर्व : अन्य प्लॉट, पश्चिम : 18 फीट सड़क।
6.	सतीश कुमार शर्मा/ सुनीता/ 056-05600277 गाजियाबाद	**रु. 4,77,915/-** (रुपये चार लाख सतहत्तर हजार नौ सौ पन्द्रह मात्र)	15-मार्च-21	खसरा नं. 378 मिन में प्लाट, ग्राम सर्फाबाद, परगना एवं तहसील दादरी, गौ.बु. नगर, उत्तर प्रदेश-201301. विक्रय विलेख पंजीकरण सं. 7558-2017 दिनांक 3 नवम्बर, 2017 में अधिक वर्णित, कार्यालयय उपरजिस्ट्रार गौतमबुद्ध नगर। सीमाएं : मायादेवी का फ्लैट, दक्षिण : अन्य प्लॉट, पूर्व : 15 फीट सड़क, पश्चिम : 9 फीट सड़क।
7.	अरुण कुमार/ इन्दु देवी/ 056-05600204/ गाजियाबाद	**रु. 9,24,311 /-** (रुपये नौ लाख चौबीस हजार तीन सौ ग्यारह मात्र)	15-मार्च-21	यूनिट सं. 002, भूतल, प्लॉट सं. डी-081, पॉकेट डी, खसरा 785, शौर्यपुरम, शाहपुर बम्हेटा, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201002. विक्रय विलेख पंजीकरण सं. 6625-2018 दिनांक 31 अगस्त, 2018 में अधिक स्पष्ट वर्णित, कार्यालय उपरजिस्ट्रार गाजियाबाद में। सीमाएं : उत्तर : 9 मीटर चौड़ी सड़क, दक्षिण : प्लॉट सं. डी-66, पूर्व : प्लॉट सं. डी-082, पश्चिम : प्लॉट सं. डी-080
8.	संजीव यादव/ जीतू यादव / मीना यादव / 082-08200050/ आगरा	**रु. 4,16,672/-** (रुपये चार लाख सोलह हजार छः सौ बहत्तर मात्र)	15-मार्च-21	खसरा नं. 1010, नगर निगम सं. 10/119 वाके नगला गूलर, लोहा मण्डी, बोदला रोड, तहसील आगरा, उत्तर प्रदेश-282007. विक्रय विलेख पंजीकरण सं. 3189-2007 दिनांक 21 मई, 2007 में अधिक स्पष्ट वर्णित। कार्यालय उपरजिस्ट्रार आगरा में। सीमाएं : उत्तर : अन्य सम्पत्ति, दक्षिण : शारदा देवी, पूर्व : जगदीश की सम्पत्ति, पश्चिम : 12 फीट चौड़ी सड़क।
9.	संजय वर्मा / रेखा वर्मा/ 003-08300193/ दिल्ली	**रु. 11,67,822/-** (रुपये ग्यारह लाख सड़सठ हजार आठ सौ बाईस मात्र)	15-मार्च-21	म.नं. 543, खसरा नं. 348, पूजा कॉलोनी, ग्राम पावी सादकपुर, परगना लोनी, तहसील, जिला गाजियाबाद, उ.प्र-201102, उत्तर प्रदेश। विक्रय विलेख पंजीकरण सं. 11717-2006 दिनांक 9 मई, 2006 में अधिक स्पष्ट वर्णित। कार्यालय उपरजिस्ट्रार गाजियाबाद में। सीमाएं : उत्तर : 15 फीट सड़क, दक्षिण : अन्य प्लॉट, पूर्व : अन्य प्लॉट, पश्चिम : अन्य प्लॉट।
10.	विशाल कुमार/ रमेश कुमार/ 080-08000004/ यमुनानगर	**रु. 5,42,797/-** (रुपये पाँच लाख बयालीस हजार सात सौ सत्तानबे मात्र)	25-मार्च-21	खेवट खतौनी सं. 242/287 खसरा नं. 30//22 खेवट खतौनी सं. 12/20 खसरा नं. 30//21/2 प्लॉट सं. 13 साई कॉलोनी, निकट श्री कृष्णा पब्लिक स्कूल, ग्राम रसूलपुर, हरियाणा-133204। विक्रय विलेख पंजीकरण सं. 537-2018 दिनांक 01 अगस्त, 2018 में अधिक स्पष्ट वर्णित। कार्यालय उपरजिस्ट्रार सधौरा में। सीमाएं : उत्तर : अमित कुमार की सम्पत्ति, दक्षिण : सुख चैन की सम्पत्ति, पूर्व : अमित कुमार की सम्पत्ति, पश्चिम : 20 फीट चौड़ी सड़क।
11.	राजेश वर्मा/ अंजू देवी/ 000-08000225/ यमुना नगर	**रु. 3,56,971/-** (रुपये तीन लाख छप्पन हजार नौ सौ इकहत्तर मात्र)	25-मार्च-21	खेवट सं. 1049, खतौनी सं. 1245, वाका रकबा मौजा जगाधरी, मोसुमा ग्रीन विहार, जगाधरी तह. जगाधरी, खसरा 78//21 हरियाणा 135001. विक्रय विलेख पंजीकरण सं. 8772-2019 दिनांक 10 दिसम्बर, 2019 में अधिक स्पष्ट वर्णित। कार्यालय उपरजिस्ट्रार जगाधरी में। सीमाएं : उत्तर : 16 फीट 9 इंच चौड़ी सड़क, दक्षिण : मुकेश सिंह का प्लॉट, पूर्व : मुकेश सिंह का प्लॉट-36 फीट 9 इंच, पश्चिम : कुसुम देवी पत्नी ओमप्रकाश का मकान

यदि कथित कर्जदार उपर्युक्त के अनुसार एमएचआईएल को भुगतान करने में असफल रहते हैं तो एमएचआईएल लागतों तथा परिणामों के प्रति कथित कर्जदारों के सम्पूर्ण जोखिम पर कथित अधिनियम की धारा 13(4) तथा प्रयोज्य नियमों के तहत उपर्युक्त प्रतिभूत आस्तियों के विरुद्ध कार्यवाही करेगा।

अधिनियम के तहत कथित कर्जदारों को एमएचआईएल की लिखित पूर्व अनुमति के बिना विक्रय, पट्टे या अन्य प्रारूप में उपर्युक्त आस्तियों को हस्तान्तरित करने से निषिद्ध किया जाता है। कोई भी व्यक्ति जो कथित नियमों के प्रावधानों या उसके तहत निर्मित नियमों का उल्लंघन करता है या प्रावधानों के उल्लंघन में सहायता करता है वह अधिनियम के तहत प्रावधानित के अनुसार जेल तथा/अथवा जुर्माने का उत्तरदायी होगा।

ह./-
स्थान : दिल्ली — अधिकृत प्राधिकारी
दिनांक : 05.05.2021 — कृते मुथूट होमफिन (इण्डिया) लिमिटेड

जयशंकर और ब्लिंकन की मुलाकात में कोरोना और हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर चर्चा

विदेश मंत्री की चार दिवसीय ब्रिटेन यात्रा

लंदन/वाशिंगटन, 4 मई (भाषा)।

विदेश मंत्री एस जयशंकर और अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने आमने-सामने की अपनी पहली बैठक में कोविड-19 वैश्विक महामारी से निपटने के तरीकों, रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हिंद-प्रशांत क्षेत्र में हालात और बहुराष्ट्रीय मंचों में सहयोग पर चर्चा की।

जयशंकर चार दिवसीय यात्रा पर ब्रिटेन आए हैं। उन्होंने जी7 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक से इतर सोमवार को ब्लिंकन से मुलाकात की।

जयशंकर ने कोविड-19 से निपटने में भारत का सहयोग करने के लिए ब्लिंकन को धन्यवाद दिया। जयशंकर ने ट्वीट कर जानकारी दी।

इस बीच, अमेरिका के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने वाशिंगटन में जारी एक बयान में बताया कि दोनों नेताओं ने भारत के लिए अमेरिकी मदद समेत कोविड-19 से निपटने के हालिया प्रयासों की समीक्षा की और इस वैश्विक महामारी के दौरान हर देश के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

उन्होंने बताया कि बैठक के दौरान ब्लिंकन ने जलवायु संकट से निपटने और हिंद-प्रशांत में अग्रणी साझेदार के रूप में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका की पुनः पुष्टि की।

प्राइस ने कहा, 'उन्होंने जी7 के मेहमान देश के तौर पर और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद समेत बहुराष्ट्रीय मंचों पर सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की।'

आव्रजन व आवाजाही समझौते पर हस्ताक्षर के लिए ब्रिटेन की गृह मंत्री से मुलाकात

लंदन, 4 मई (भाषा)।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक नए आव्रजन व आवाजाही साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए ब्रिटेन की गृह मंत्री प्रीति पटेल से मंगलवार को लंदन में मुलाकात की। जयशंकर ने कहा कि यह दोनों देशों के बीच मौजूदा संपर्क को मजबूत करेगा।

जयशंकर के अनुसार इस समझौते से कानूनी यात्रा में सुविधा होगी और भारत-ब्रिटेन के बीच प्रतिभा प्रवाह को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच मंगलवार को होने वाले ऑनलाइन शिखर सम्मेलन से संबंधित परिणामों में से एक है।

जयशंकर ने ब्रिटेन की मंत्री के साथ अपनी बैठक की तस्वीरों के साथ ट्वीट किया, 'गृह मंत्री प्रीति पटेल के साथ आज सुबह एक उपयोगी बैठक हुई। आव्रजन एवं आवाजाही साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर किए, जो कानूनी यात्रा में सुविधा प्रदान करेगा और प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करेगा।'

उन्होंने कहा, 'इसके परिणामस्वरूप भारत और ब्रिटेन के बीच मौजूदा सम्पर्क और मजबूत होगा।'

भारत को चिकित्सकीय उपकरण भेजेगा इजराइल

यरुशलम, 4 मई (भाषा)।

इजराइल कोरोना वायरस से निपटने में भारत की मदद करने के लिए पूरे सप्ताह वहां जीवन रक्षक उपकरण भेजेगा।

यहां जारी एक बयान में बताया गया कि भारत को ऑक्सीजन जनरेटर और श्वासयंत्रों समेत चिकित्सकीय उपकरण भेजे जाएंगे।

प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि मंगलवार से पूरे सप्ताह विमानों के जरिए उपकरण भेजे जाएंगे।

इजराइल के विदेश मंत्री गाबी अश्केनजी ने बयान में कहा, 'भारत इजराइल के सबसे निकट और सबसे महत्वपूर्ण मित्रों में शामिल है। हम खासकर इस मुश्किल दौर में भारत के साथ खड़े हैं और हमारे भारतीय भाइयों एवं बहनों के लिए जीवन रक्षक उपकरण भेज रहे हैं।'

विदेश मंत्री ने कहा कि यह आपात सहायता दोनों देशों के बीच गहरी मित्रता को दर्शाती है। उन्होंने कहा, 'इजराइल और भारत के राजनीतिक, सुरक्षा एवं आर्थिक मामलों पर रणनीतिक संबंध हैं। भारत अंतरराष्ट्रीय समुदाय और खासकर एशिया-प्रशांत में इजराइल के लिए सबसे महत्वपूर्ण देशों में से एक है।'

मैक्सिको सिटी में मेट्रो पुल गिरने से 23 लोगों की मौत

मैक्सिको सिटी, 4 मई (एपी)।

मैक्सिको सिटी में सोमवार रात मेट्रो के पुल का एक खंभा ढह जाने से मलबे में दब कर 23 लोगों की मौत हो गई। वहीं करीब 70 लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने इस बारे में बताया।

घटनास्थल पर एक क्रेन की मदद से मलबे को हटाया जा रहा है ताकि आपात एवं बचावकर्मी वहां जाकर फंसे हुए लोगों का पता लगा सकें।

मैक्सिको सिटी की मेयर क्लाउडिया शिनबौम ने कहा कि 49 घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और इनमें से सात की हालत गंभीर है, उनकी सर्जरी हो रही है।

शिनबौम ने कहा कि घटनास्थल से एक मोटरचालक को सुरक्षित बाहर निकाला गया है, जो सड़क के किनारे नीचे फंसा हुआ था। कई बचावकर्मी मलबे के नीचे तलाश कर रहे हैं।

शिनबौम ने बताया, 'दुर्भाग्य से मरने वालों में बच्चे भी हैं।' हालांकि, उन्होंने इस बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी।

मेयर ने बताया कि पुल का खंभा गिरने से यह दुर्घटना हुई। खंभा ढहने से पुल का एक हिस्सा सड़क पर गिर गया, जिससे मलबे में कई कारें दब गईं।

उन्होंने आशंका जताई कि कुछ लोग मेट्रो मार्ग के अंदर भी फंसे हो सकते हैं। उन्होंने कहा, 'हमें नहीं मालूम वे जिंदा भी हैं या नहीं।'

दुर्घटना स्थानीय समयानुसार रात करीब साढ़े 10 बजे हुई।

मैक्सिको के विदेश मंत्री मासेली इबरार्ड ने ट्वीट किया, 'बहुत दर्दनाक घटना हुई है।'

घटना के कुछ वीडियो भी सामने आए हैं जिसमें ट्रेन का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त दिख रहा है और बचावकर्मी मलबे से लोगों को निकालते नजर आ रहे हैं। मेट्रो लाइन-12 पर यह हादसा हुआ। इस लाइन के निर्माण में कई तरह की अनियमितता बरते जाने के आरोप लगे थे।

चीन को अपशब्द कहने पर फिलीपीन के राजनयिक ने माफी मांगी

मनीला, 4 मई (एपी)।

दक्षिण चीन सागर में फिलिपीन के दावे वाले क्षेत्र से बाहर निकलने की मांग करते हुए चीन के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने वाले फिलीपीन के विदेश सचिव ने मंगलवार को माफी मांगी। उनकी इस टिप्पणी से फिलिपीन के राष्ट्रपति भी खफा हो गए।

विदेश सचिव तुओद्रो लोसीन जूनियर ने सोमवार को चीन के खिलाफ तब अपशब्द कहे, जब विदेश मंत्रालय ने घोषणा की कि गश्त कर रहे फिलीपीन तटरक्षक बल के पोत को चीन के तटरक्षक बल ने बाधित किया जिसका मंत्रालय ने विरोध किया है। साथ ही मंत्रालय ने कहा कि उसने 24- 25 अप्रैल को विवादित स्कारबॉरो शोआल में चीन के युद्धाभ्यास का भी विरोध किया है।

लोसीन ने चीन की तुलना मूर्ख से की जो 'एक सुंदर व्यक्ति से मित्रता करने के लिए दबाव डाल रहा है।'

लोसीन ने कहा कि वह केवल अपने चीनी समकक्ष वांग यी से माफी मांग रहे हैं, ताकि उनकी दोस्ती जारी रहे। लोसीन ने ट्वीट किया, 'अगर वांग यी ट्विटर पर फॉलो कर रहे हैं तो उनकी भावनाएं आहत करने के लिए केवल उनसे माफी मांगता हूं।'

राष्ट्रपति रोड्रिगो दुअतेर्ते ने 2016 में पद ग्रहण करने के बाद से चीन के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए हैं और उन्होंने सोमवार की रात टेलीविजन पर अपने बयान में क्षोभ जताया।

दुअतेर्ते ने कहा कि चीन के साथ हमारा संघर्ष है, सिर्फ इसलिए इसका यह मतलब नहीं है कि हम उसके खिलाफ अशिष्ट टिप्पणी करें और उसका अपमान करें।

श्रीलंकाई नौसेना ने 86 भारतीयों को गिरफ्तार किया

कोलंबो, 4 मई (भाषा)।

श्रीलंका की नौसेना ने अपनी जल सीमा में अवैध रूप से घुसने का प्रयास कर रहे मछली पकड़ने वाली 11 नौकाओं पर सवार 86 भारतीयों को मंगलवार को गिरफ्तार किया।

नौसेना ने कहा कि देश में कोरोना के प्रसार को देखते हुए निगरानी बढ़ा दी गई है और इसने भारत सहित अन्य देशों से अवैध प्रवासियों को घुसने से रोकने के लिए उत्तरी और पश्चिमी समुद्री सीमा पर गश्ती बढ़ाई है।

सेना ने पिछले पखवाड़े चार भारतीय नौकाओं पर सवार 21 भारतीय नागरिकों को कथित तौर पर देश में घुसने के लिए गिरफ्तार किया था। नौसेना ने एक बयान में कहा, 'पाक जलडमरूमध्य के पास समुद्री इलाके में नौसेना ने 11 भारतीय नौकाओं को पकड़ा जिस पर 86 लोग सवार थे।'

अमेरिका : अश्वेत ने सिख व्यक्ति पर हथौड़े से किया हमला

न्यूयॉर्क, 4 मई (भाषा)।

न्यूयॉर्क में ब्रूकलिन के एक होटल में एक अश्वेत व्यक्ति ने एक सिख व्यक्ति पर हथौड़े से हमला कर दिया और उस पर चिल्लाते हुए कहा, 'मैं तुम्हें पसंद नहीं करता और तुम्हारी त्वचा का रंग भी मेरे जैसा नहीं है।'

घटना के बाद न्यूयॉर्क स्थित एक पैरोकार समूह ने जांचकर्ताओं से यह पता लगाने का अनुरोध किया है कि क्या यह हमला नस्ली घृणा से प्रेरित अपराध है।

एक वेबसाइट की एक खबर के अनुसार, एस्टोरिया के रहने वाले सुमित अहलुवालिया (32) ने कहा कि उन पर हमला करने वाला व्यक्ति नस्ली घृणा से भरा हुआ था।

अहलुवालिया ने बताया कि अश्वेत व्यक्ति ने ब्राउन्सविले में उनके कार्यस्थल पर 26 अप्रैल को हमला किया। अहलुवालिया ने कहा, 'जब मैं उससे बात करने गया तो वह मेरी तरफ दौड़ने लगा और उसने जेब में हाथ डाला तो मुझे लगा कि वह बंदूक निकाल रहा है।'

इस पर उन्होंने हमलावर से कहा, 'क्या हुआ? तुम मेरे भाई हो।'

इसके बाद हमलावर ने कहा, 'तुम्हारी त्वचा का रंग मेरे जैसा नहीं है।' इसके बाद उसने अहलुवालिया के सिर पर हथौड़े से वार कर दिया।

शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन गिरावट, सूचकांक 465 अंक लुढ़का

मुंबई, 4 मई (भाषा)।

शेयर बाजारों में मंगलवार को लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में गिरावट रही और बीएसई सूचकांक 465 अंक लुढ़क कर बंद हुआ। प्रमुख शेयरों में बिकवाली से शेयर बाजार शुरुआती बढ़त को बरकरार नहीं रख पाए और अंततः गिरावट में बंद हुए। कारोबारियों के अनुसार कोविड-19 की गंभीर स्थिति व विदेशी कोषों की लगातार बिकवाली से बाजार पर असर पड़ा है।

तीस शेयरों वाला बीएसई सूचकांक शुरुआती कारोबार में बढ़त के साथ खुला। लेकिन दोपहर बाद के कारोबार में तेजी बरकरार नहीं रह पाई और यह 465.01 अंक यानी 0.95 फीसद की गिरावट के साथ 48,253.51 पर बंद हुआ। इसी प्रकार, एनएसई निफ्टी 137.65 अंक यानी 0.94 फीसद टूटकर 14,496.50 अंक पर बंद हुआ। सूचकांक में शामिल शेयरों में सर्वाधिक 2.26 फीसद की गिरावट डा रेड्डीज में आई। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज, सन फार्मा, एचडीएफसी बैंक, एचडीएफसी लि., इंफोसिस, महिंद्रा एंड महिंद्रा और भारती एयरटेल भी नुकसान में रहे। दूसरी तरफ, ओएनजीसी, बजाज फाइनेंस, टीसीएस, नेस्ले इंडिया, एसबीआइ और कोटक बैंक आदि लाभ में रहे। इनमें 1.86 फीसद तक की तेजी आई।

एलकेपी सिक्योरिटीज के शोध प्रमुख एस रंगनाथन ने कहा कि कई अच्छी मझोली कंपनियों के तिमाही परिणाम अच्छे नहीं रहने की वजह से शेयर बाजार नीचे आया। राज्यों के स्तर पर पूर्णबंदी लगाए जाने से बाजार में चिंता दिखी और दोपहर के कारोबार में धातु और दवा कंपनियों के शेयरों में मुनाफावसूली की गई। रिलायंस सिक्योरिटीज के रणनीतिक प्रमुख विनोद मोदी ने कहा कि बाजार में कोविड-19 संक्रमण के मामले को लेकर चिंता है। इससे निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा कि कई राज्यों में रोजाना कोविड संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं, यह चिंता का कारण है। हालांकि, महाराष्ट्र और दिल्ली समेत कई हिस्सों में नए मामलों की संख्या कम हुई है, जो राहत की बात है।

एशिया के अन्य बाजारों में हांगकांग और सोल बढ़त में रहे, जबकि शंघाई और तोक्यो अवकाश के कारण बंद रहे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में बढ़त का रुख रहा। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.79 फीसद बढ़त के साथ 68.77 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 10 पैसे मजबूत होकर 73.85 पर बंद हुआ। शेयर बाजारों के पास उपलब्ध आंकड़े के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशक सोमवार को पूंजी बाजार में शुद्ध बिकवाल रहे और उन्होंने 2,289.46 करोड़ रुपए मूल्य के शेयर बेचे।

बीएसई ने निवेशकों की शिकायतों का किया निपटान

नई दिल्ली, 4 मई (भाषा)।

देश के शीर्ष स्टॉक एक्सचेंज बीएसई ने कहा कि उसने अप्रैल महीने में 156 सूचीबद्ध कंपनियों के खिलाफ दायर की गई 344 शिकायतों का निपटान किया है।

एक्सचेंज ने मंगलवार को जारी एक बयान में कहा कि उसने सक्रिय कंपनियों के खिलाफ 330 और निलंबित कंपनियों के खिलाफ 14 शिकायतों का निपटान किया है। इन शिकायतों में पूर्व की अवधियों से आगे भेजी गईं शिकायतें भी शामिल थीं। अप्रैल महीने में बीएसई को 200 कंपनियों के खिलाफ कुल 463 शिकायतें मिली थीं। कुल शिकायतों में से 444 सक्रिय कंपनियों के खिलाफ की गई थीं, जबकि बाकी 19 निलंबित कंपनियों के खिलाफ थीं। निवेशकों की शिकायतों में पैसे का भुगतान न किया जाना, इक्विटी शेयर न दिया जाना, ऋण प्रतिभूतियां न दिया जाना, कॉरपोरेट लाभ न दिया जाना आदि शामिल हैं।

वे कंपनियां जिनके खिलाफ शिकायतें अब भी लंबित हैं, उनमें- जेके फार्माकेम लिमिटेड, टीम लेबोरेट्रीज लिमिटेड, गुजरात नर्मदा फ्लाईऐश कंपनी लिमिटेड, गुजरात मेडिटेक, गुजरात पर्सट्रॉप इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, ग्लोबल सेक्युरीटिज लिमिटेड, ब्लैजोन मार्बल्स, सॉफ्ट्रैक वेंचर इन्वेस्टमेंट लिमिटेड, विलार्ड इंडिया लिमिटेड और सप्तक केम एंड बिजनेस लिमिटेड शामिल हैं।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने की 2020-21 में 6,725 करोड़ रुपए की बुकिंग

नई दिल्ली, 4 मई (भाषा)।

महामारी के कारण संपत्ति बाजार में मंदी होने के बावजूद रियल्टी फर्म गोदरेज प्रॉपर्टी की पिछले वित्त वर्ष के दौरान बिक्री बुकिंग 14 फीसद बढ़ कर अब तक के सर्वोच्च स्तर 6,725 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। एक निवेशक प्रस्तुति में, मुंबई स्थित इस कंपनी ने कहा कि उसने अपने चार प्रमुख बाजारों- दिल्ली-एनसीआर, मुंबई मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र (एमएमआर), बंगलुरु और पुणे जैसे हर स्थान पर 1,300-1,300 करोड़ रुपए से अधिक की बिक्री बुकिंग हासिल की है।

कंपनी ने कहा कि गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड बुकिंग मूल्य के हिसाब से भारत के सबसे बड़े डेवलपर्स में से एक है। उसने कहा कि वित्त वर्ष 2020-21 में कुल बुकिंग मूल्य वर्ष दर वर्ष 14 फीसद बढ़ कर 6,725 करोड़ रुपए हो गया। आवासीय खंड का 6,663 करोड़ रुपए का योगदान रहा, जबकि वाणिज्यिक परियोजनाओं के क्षेत्र में वित्त वर्ष के दौरान समग्र बिक्री बुकिंग में 62 करोड़ रुपए का योगदान रहा।

पूरे वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान, गोदरेज प्रॉपर्टीज को 189.43 करोड़ रुपए का शुद्ध घाटा हुआ है, जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष में उसने 273.94 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। वर्ष 2020-21 में हालांकि, कंपनी की कुल आय घटकर 1,333.09 करोड़ रुपए रह गई,, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 2,914.59 करोड़ रुपए रही थी।

सोने में 97 व चांदी में 1,282 रुपए की तेजी

नई दिल्ली, 4 मई (भाषा)।

स्थानीय सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोने का दाम 97 रुपए की तेजी के साथ 46,758 रुपए प्रति दस ग्राम हो गया। एचडीएफसी सिक्युरिटीज ने यह जानकारी दी है। पिछले दिन के कारोबार में सोना 46,661 रुपए प्रति दस ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। चांदी भी 1,282 रुपए के उछाल के साथ 70,270 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई। पिछले कारोबारी सत्र में यह 68,988 रुपए पर बंद हुई थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने का भाव मामूली गिरावट के साथ 1,788 डॉलर प्रति औंस रह गया, वहीं चांदी 26.90 डॉलर प्रति औंस पर लगभग अपरिवर्तित रही।

एचडीएफसी सिक्युरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) तपन पटेल ने कहा कि न्यूयार्क स्थित जिंस एक्सचेंज कॉमेक्स में सोने की हाजिर कीमत मंगलवार को मामूली गिरावट के साथ 1,788 डॉलर प्रति औंस थी।

बजाज समूह ने कोविड राहत के लिए 200 करोड़ की अतिरिक्त सहायता का किया वादा

मुंबई, 4 मई (भाषा)।

पुणे स्थित बजाज समूह ने मंगलवार को कहा कि वह कोविड-19 महामारी संबंधी राहत उपायों के लिए 200 करोड़ रुपए की अतिरिक्त सहायता देगा।

बजाज समूह ने एक बयान में कहा इस वित्तीय सहायता का इस्तेमाल तात्कालिक चुनौतियों के साथ ही किसी तीसरी लहर से निपटने के लिए क्षमताओं और संसाधनों को तैयार करने के लिए किया जाएगा। बयान में बताया गया कि यह राशि घातक महामारी के खिलाफ सरकार की लड़ाई में योगदान करने के लिए समूह द्वारा पिछले साल दान किए गए 100 करोड़ रुपए के अलावा होगी।

बजाज समूह के 'अध्यक्ष एमरीटस' राहुल बजाज ने बयान में कहा कि महामारी की दूसरी लहर की गंभीरता को देखते हुए हमने 200 करोड़ रुपए की अतिरिक्त वित्तीय सहायता प्रतिबद्धता जताई है। समूह ने हाल में ग्रामीण और शहरी अस्पतालों को ऑक्सीजन की आपूर्ति के लिए 12 ऑक्सीजन संयंत्रों की खरीद में सहायता की है। साथ ही श्वसन सहायक उपकरण जैसे ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, वेंटिलेटर और बायपैप उपलब्ध कराने में भी मदद की है।

बजाज ने कहा कि पिछले 130 वर्षों के दौरान बजाज समूह समुदायों, सरकार और स्थानीय अधिकारियों के साथ मजबूती से खड़ा रहा है, ताकि समाज में सकारात्मक बदलाव हो सके। कोविड-19 के खिलाफ चल रही लड़ाई में हम सभी को पहले से कहीं अधिक सक्रियता के साथ आगे आने की जरूरत है। राहुल बजाज, 30 अप्रैल को बजाज ऑटो के अध्यक्ष के पद से हट गए हैं। हालांकि, उन्हें समूह का 'अध्यक्ष एमरीटस' बनाया गया है।

पेट्रोल 15, डीजल 18 पैसे प्रति लीटर महंगा हुआ

नई दिल्ली, 4 मई (भाषा)।

सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों ने करीब 18 दिनों बाद पेट्रोल के दाम में 15 पैसे प्रति लीटर और डीजल के दाम में 18 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की।

तेल कंपनियों द्वारा जारी मूल्य अधिसूचना के अनुसार दिल्ली में पेट्रोल की कीमत अब 90.40 रुपए से बढ़कर 90.55 रुपए प्रति लीटर हो गई है, जबकि एक लीटर डीजल की कीमत 80.73 रुपए से बढ़कर 80.91 रुपए हो गई है। स्थानीय करों (वैट) और परिवहन भाड़े के अनुसार देश के विभिन्न हिस्सों में पेट्रोल-डीजल की कीमत अलग-अलग होती है।

तेल कंपनियों ने 15 अप्रैल को कीमतों में मामूली कटौती के बाद समीक्षा रोक दी थी। इस दौरान ही पश्चिम बंगाल सहित देश के पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया चल रही थी। मतदान खत्म होने से पहले ही तेल कंपनियों ने कीमतों में बढ़ोतरी के संकेत दे दिए थे, क्योंकि इस दौरान अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें तेजी से बढ़ी थी। अमेरिका में मजबूत मांग के चलते कच्चे तेल की कीमत बढ़ी है।

गोल्डमैन ने भारत के वृद्धि अनुमानों को घटाया

नई दिल्ली, 4 मई (भाषा)।

अमेरिकी ब्रोकरेज फर्म गोल्डमैन सैक्स ने कोरोना महामारी के प्रकोप और उसके चलते कई राज्यों व शहरों में लागू पूर्णबंदी के मद्देनजर वित्त वर्ष 2021-22 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि के पूर्वानुमान को 11.7 फीसद से घटाकर 11.1 फीसद कर दिया।

भारत में कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर भयानक रूप ले चुकी है, इस बीमारी से अब तक 2.22 लाख लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि हर दिन संक्रमण के 3.5 लाख नए मामले सामने आ रहे हैं। इस कारण पूरे देश में सख्त पूर्णबंदी की मांग भी जोर पकड़ने लगी है, हालांकि आर्थिक नुकसान को देखते हुए केंद्र सरकार ने अभी तक इस कदम से परहेज किया है।

गोल्डमैन सैक्स ने एक रिपोर्ट में कहा कि पूर्णबंदी की तीव्रता पिछले साल के मुकाबले कम है। फिर भी, भारत के प्रमुख शहरों में सख्त प्रतिबंधों का असर साफ दिखाई दे रहा है। शहरों में सख्त पूर्णबंदी से सेवाओं पर खासतौर से असर पड़ा है।

इसके अलावा बिजली की खपत, और अप्रैल में विनिर्माण पीएमआई के स्थिर रहने से विनिर्माण क्षेत्र पर असर पड़ने के संकेत भी मिल रहे हैं।

गोल्डमैन सैक्स ने कहा कि कुल मिलाकर, अधिकांश संकेतक अभी भी बता रहे हैं कि पिछले साल दूसरी तिमाही (अप्रैल-जून) के मुकाबले इस बार असर कम पड़ा है। ब्रोकरेज फर्म ने कहा कि हालांकि, तीसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में तेजी वापस लौटने की उम्मीद है, क्योंकि तब प्रतिबंध कुछ हद तक कम हो सकते हैं। गोल्डमैन सैक्स का अनुमान है कि ऐसे हालात में वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान भारत की जीडीपी वृद्धि दर 11.1 फीसद रह सकती है, जबकि पहले इसके 11.7 फीसद रहने का अनुमान जताया गया था।

उज्ज्वला सिंहानिया बनीं फिक्की एफएलओ की राष्ट्रीय अध्यक्ष

नई दिल्ली, 4 मई (भाषा)।

उज्ज्वला सिंहानिया को फिक्की महिला संगठन (एफएलओ) का राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। चेंबर ने एक बयान में कहा कि उज्ज्वला महिलाओं के लिए उद्यमिता, उद्योग में भागीदारी व आर्थिक विकास को बढ़ावा देने वाले वातावरण के निर्माण में मदद कर महिला सशक्तिकरण पर ध्यान देंगी।

उज्ज्वला ने कहा कि मैं 19 साल से ज्यादा समय से महिलाओं के इस संगठन का हिस्सा रही हूं और संगठन का सामूहिक लक्ष्य अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा, कौशल, अनुभव व ऊर्जा का प्रदर्शन करने के लिए महिलाओं को बढ़ावा देना और उनकी मदद करना है। उज्ज्वला जेके इंटरनेशनल कंपनी में निदेशक हैं। यह कंपनी निजी इक्विटी और वेंचर कैपिटल के जरिए निवेश करती है।

खबर कोना

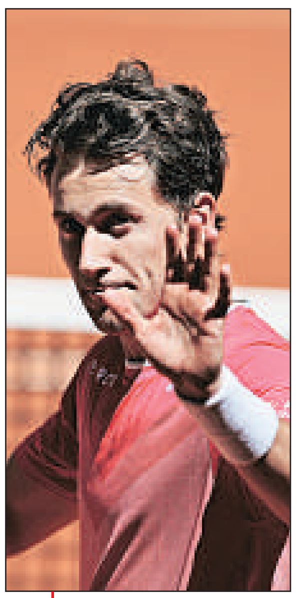

स्पेन में मंगलवार को मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दौरान जीत दर्ज करने के बाद नॉर्वे के कैस्पर रूड।

मैड्रिड ओपन में नडाल का सामना अलकारेज से

मैड्रिड, 4 मई (एपी)।

राफेल नडाल ने कुछ साल पहले एक स्थानीय टेनिस टूर्नामेंट में जिस लड़के को पुरस्कार के तौर पर प्ले स्टेशन दिया था अब यह स्पेनिश दिग्गज मैड्रिड ओपन के दूसरे दौर में अपने देश के उसी किशोर कार्लोस अलकारेज का सामना करेंगे। 17 साल के अलकारेज ने सोमवार को एड्रियन मन्नारिनो को 6-4, 6-0 से हरा कर 20 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन से भिड़ने का हक पाया। अलकारेज बुधवार को अपने जन्मदिन पर मैजिक बॉक्स सेंटर कोर्ट पर अपने आदर्श खिलाड़ी का सामना करेंगे। उन्होंने कहा, 'यहां राफा का सामना करना सपना सच होने जैसा है।' पहले दौर के अन्य मैचों में डेनियल इवान्स ने जेरेमी चार्डी को 7-6 (6) 6-7 (7) 6-2 से और डेनिस शापोवालोव ने डुसान लाजोविच को 6-1, 6-3 से हराया।

महिला क्लब चैंपियनशिप में भाग लेगी भारतीय टीम

नई दिल्ली, 4 मई (भाषा)।

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआइएफएफ) ने मंगलवार को कहा कि भारत की एक टीम इस साल के आखिर में होने वाले एएफसी महिला क्लब चैंपियनशिप 2021 में भाग लेगी। एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) के इस आठ टीमों के पायलट टूर्नामेंट में भारतीय महिला लीग की चैंपियन टीम खेलेगी। यह टूर्नामेंट इस साल 30 अक्तूबर से चार नवंबर के बीच खेला जाएगा। ग्रुप ए (पूर्वी) में चीनी ताइपै, म्यांमा, थाईलैंड और वियतनाम और ग्रुप बी (पश्चिम) में भारत, ईरान, जोर्डन और उज्बेकिस्तान की टीमें शामिल होंगी। एआइएफएफ महासचिव कुशल दास ने कहा कि क्लब चैंपियनशिप में भारत की भागीदारी भारत में महिला फुटबॉल को नई दिशा देगा।

कोरोना की मार कई खिलाड़ियों और कर्मचारियों में संक्रमण, अब तक 60 में से 29 मैच ही हो पाए

आइपीएल स्थगित होने से बीसीसीआइ को दो हजार करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली, 4 मई (भाषा)।

इंडियन प्रीमियर लीग (आइपीएल) को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने से भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआइ) को प्रसारण और प्रायोजक राशि में दो हजार करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हो सकता है।

बीसीसीआइ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, 'इस सत्र को बीच में स्थगित करने से हमें 2000 से 2500 करोड़ रुपए का नुकसान हो सकता है। मैं कहूंगा कि 2200 करोड़ रुपए की राशि अधिक सटीक होगी।'

इस 52 दिन चलने वाले 60 मैचों के टूर्नामेंट का समापन 30 मई को अहमदाबाद में होना था। हालांकि सिर्फ 24 दिन खेल हुआ। इस दौरान 29 मैचों के आयोजन के बाद वायरस के कारण टूर्नामेंट को स्थगित करना पड़ा।

बीसीसीआइ को सबसे अधिक नुकसान स्टार स्पोर्ट्स से टूर्नामेंट के प्रसारण अधिकारी से मिलने वाली राशि का होगा। स्टार का पांच साल का अनुबंध 16 हजार 347 करोड़ रुपए का है जो हर साल तीन हजार 269 करोड़ से कुछ अधिक होता है। अगर सत्र में 60 मैच होते हैं तो प्रत्येक मैच की राशि लगभग 54 करोड़ 50 लाख रुपए बनती है। स्टार अगर प्रति मैच के हिसाब से भुगतान करता है तो 29 मैचों की राशि लगभग 1580 करोड़ रुपए होती है। ऐसे में बोर्ड को 1690 करोड़ का नुकसान होगा।

52 दिन चलने वाले 60 मैचों के टूर्नामेंट का समापन 30 मई को अहमदाबाद में होना था। हालांकि सिर्फ 24 दिन खेल हुआ। इस दौरान 29 मैच ही हो पाए।

16 हजार 347 करोड़ रुपए का अनुबंध है स्टार स्पोर्ट्स का जो हर साल तीन हजार 269 करोड़ से कुछ अधिक होता है। अगर सत्र में 60 मैच होते हैं तो प्रत्येक मैच की राशि लगभग 54 करोड़ 50 लाख रुपए बनती है।

440 करोड़ रुपए का भुगतान करती है मोबाइल निर्माता कंपनी विवो प्रति सत्र बीसीसीआइ को टाइटल प्रायोजक के रूप में। टूर्नामेंट के स्थगित होने से बीसीसीआइ को आधी से कम राशि मिलने की उम्मीद है।

इसी तरह मोबाइल निर्माता विवो टूर्नामेंट के टाइटिल प्रायोजक के रूप में प्रति सत्र 440 करोड़ रुपए का भुगतान करता है। टूर्नामेंट के स्थगित होने से बीसीसीआइ को आधी से कम राशि मिलने की उम्मीद है।

अनअकेडमी, ड्रीम11, सीरेड, अपस्टॉक्स और टाटा मोटर्स जैसी सहायक प्रायोजक कंपनियां भी हैं जिसमें से प्रत्येक प्रति सत्र लगभग 120 करोड़ रुपए के आसपास भुगतान करती हैं।

अधिकारी ने कहा, 'सभी भुगतानों को आधा या इससे कुछ कम कर दिया जाए तो आपको लगभग 2200 करोड़ रुपए का नुकसान होगा। असल में नुकसान इससे कहीं अधिक हो सकता है लेकिन यह सत्र का अनुमानित नुकसान है।'

इस नुकसान से केंद्रीय राजस्व पूल (बीसीसीआइ जो पैसा आठ फ्रेंचाइजियों को बांटता है) की राशि भी लगभग आधी हो जाएगी। अधिकारी ने हालांकि यह नहीं बताया कि टूर्नामेंट के निलंबित होने से प्रत्येक फ्रेंचाइजी को कितना नुकसान होगा।

खिलाड़ियों को अनुपात की जगह समय के हिसाब से राशि का भुगतान किया जाएगा। खिलाड़ी ने अगर खुद को टूर्नामेंट के एक हिस्से के लिए उपलब्ध रखा है तो वेतन अनुपात के हिसाब से होगा।

एक सीनियर खिलाड़ी ने हालांकि कहा कि अनुपात तभी लागू होगा जब कोई खिलाड़ी अपनी मर्जी से टूर्नामेंट के कुछ हिस्से के लिए खुद को उपलब्ध रखेगा।

आयोजकों ने टूर्नामेंट को बीच में रोका है और ऐसी स्थिति में फ्रेंचाइजी के कम से कम आधे सत्र का नुकसान करने की संभावना है।

भारत में अन्य आयोजनों पर भी संकट

टी20 विश्व कप यूएई में कराने पर फैसला जल्द

नई दिल्ली, 4 मई (भाषा)।

इस साल भारत में होने वाला टी20 विश्व कप यूएई में आयोजित किया जा सकता है क्योंकि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआइ) को लगता है कि कोई भी टीम उस समय यहां आने में सहज महसूस नहीं करेगी।

इस बारे में अंतिम फैसला एक महीने में कर दिया जाएगा लेकिन पता चला है कि आइपीएल स्थगित किए जाने के बाद बीसीसीआइ भी अक्टूबर – नवंबर में होने वाले 16 टीमों के टूर्नामेंट को आयोजित करने से कतरा रहा है।

सूत्रों की माने तो बीसीसीआइ के अधिकारियों की हाल में केंद्र सरकार के कुछ शीर्ष अधिकारियों से चर्चा हुई और टूर्नामेंट को यूएई में आयोजित करने पर काफी हद तक सहमति बन गई है। यह टूर्नामेंट नौ स्थानों पर खेला जाना है जिनकी घोषणा अभी नहीं की गई है। बीसीसीआइ के सूत्रों ने गोपनीयता की शर्त पर कहा, 'आइपीएल का चार सप्ताह के अंदर निलंबन इस बात का संकेत है कि जबकि देश पिछले 70 सालों में अपने सबसे बुरे स्वास्थ्य संकट से जूझ रहा है तब इस तरह की वैश्विक प्रतियोगिता की मेजबानी करना वास्तव में सुरक्षित नहीं होगा।' उन्होंने कहा, 'भारत में नवंबर में (कोविड-19 की) तीसरी लहर आने की संभावना है। इसलिए बीसीसीआइ मेजबान रहेगा लेकिन टूर्नामेंट संभवतः यूएई में आयोजित किया जाएगा।'

बीसीसीआइ ने चार भारतीय महिला खिलाड़ियों को 'हंड्रेड' में खेलने की अनुमति दी

नई दिल्ली, 4 मई (भाषा)।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआइ) ने टी20 कप्तान हरमनप्रीत कौर सहित चार महिला क्रिकेटरों को जुलाई में ब्रिटेन में होने वाले पहले 'हंड्रेड' टूर्नामेंट में खेलने के लिए अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) जारी कर दिया है।

सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और दीप्ति शर्मा भी उन चार खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्हें 100 गेंद के टूर्नामेंट में खेलने की अनुमति दी गई है। चौथी खिलाड़ी के नाम का पता अभी नहीं चला है।

बीसीसीआइ सूत्रों ने गोपनीयता की शर्त पर कहा, 'हरमनप्रीत, मंधाना, दीप्ति और एक अन्य खिलाड़ी को मंजूरी दे दी गई है। बीसीसीआइ ने उन्हें एनओसी दे दी है।'

टी20 कप्तान हरमनप्रीत कौर, सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और दीप्ति शर्मा शामिल

पता चला है कि ये चारों खिलाड़ी जून-जुलाई में इंग्लैंड दौरे के बाद ब्रिटेन में ही रहेंगी। भारतीय दौरे की शुरुआत 16 जून को एकमात्र टैस्ट मैच से होगी। यह दौरा 15 जुलाई को तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय के साथ समाप्त होगा। इस बीच तीन मैचों की वनडे श्रृंखला भी खेली जाएगी।

इस दौरे के लिए भारतीय टीम का चयन अभी तक नहीं किया गया है जबकि बीसीसीआइ की क्रिकेट सलाहकार समिति जल्द ही मुख्य कोच की घोषणा कर सकती है।

चयनित खिलाड़ियों को 27 मई को रिपोर्ट करनी होगी लेकिन अभी यह पता नहीं चला है कि वे ब्रिटेन का दौरा कैसे करेंगे क्योंकि कोविड-19 मामलों के बढ़ने के कारण ब्रिटिश सरकार ने भारत से उड़ानों को निलंबित कर रखा है।

सूत्रों ने कहा, 'खिलाड़ियों को दौरे के लिए 27 मई को रिपोर्ट करने को कहा गया है।'

हरमनप्रीत, मंधाना, दीप्ति शर्मा और जेमिमा रोड्रिग्स ने 2019 में किया सुपर लीग में हिस्सा लिया था। महिलाओं के हंड्रेड के लिए इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने इस टूर्नामेंट को बाद में भंग कर दिया था।

मुक्केबाजी महासंघ के कार्यकारी निदेशक आर के सचेटी का कोरोना से निधन

नई दिल्ली, 4 मई (भाषा)।

भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआइ) के कार्यकारी निदेशक आर के सचेटी का कोविड-19 से जूझने के बाद मंगलवार को निधन हो गया। वह 56 साल के थे।

यह कुशल खेल प्रशासक इस खतरनाक वायरस से संक्रमित होने के बाद पिछले कुछ समय से यहां एक अस्पताल में वेंटीलेटर पर थे।

बीएफआइ ने बयान में कहा, 'बेहद दुख के साथ हम आपको सूचित कर रहे हैं कि आर के सचेटी, कार्यकारी निदेशक (बीएफआइ) आज सुबह हम सबको छोड़ कर अनंत यात्रा पर चले गये जिससे खेल जगत में बड़ा शून्य पैदा हो गया।'

बयान में कहा गया है, 'वह आइओसी ओलंपिक कार्यबल और सक्षम प्रशासक थे जिन्होंने भारतीय खेलों में अतुलनीय योगदान दिया।'

खेल मंत्री किरेन रिजीजू ने सचेटी के निधन पर दुख जताया।

उन्होंने ट्वीट किया, 'हमारे प्रिय आर के सचेटी जी, मुक्केबाजी महासंघ के कार्यकारी निदेशक, कोविड-19 के खिलाफ जंग में हार गए। उन्होंने भारत को मुक्केबाजी खेल में शीर्ष देशों में शामिल करने में अहम योगदान दिया। मै चाहता था कि वह ओलंपिक में मुक्केबाजों को देखें। मैं इस क्षति के लिए उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं।'

भारतीय ओलंपिक संघ ने भी सचेटी के निधन पर शोक व्यक्त किया। आईओए महासचिव राजीव मेहता ने बयान में कहा, 'आइओए के संयुक्त सचिव, बीएफआइ के कार्यकारी निदेशक और प्रिय मित्र राजकुमार सचेटी के असामयिक निधन की खबर से बहुत दुखी हूं।'

आमने-सामने

इंग्लैंड में इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल मुकाबले के दौरान वेस्ट ब्रॉमविच और वॉल्वरहैंपटन वंडरर्स के खिलाड़ी।

एंटोनियो के दो गोल से वेस्ट हैम की शीर्ष जगह बनाने की उम्मीद जगी

लंदन, 4 मई (एपी)।

माइकल एंटोनियो के दो गोल की मदद से वेस्ट हैम ने इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल प्रतियोगिता में बर्नली को 2-1 से हरा कर पहली बार चैंपियंस लीग के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीद जगा दी।

क्रिस वुड ने 19वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदलक बर्नली को बढ़त दिलाई लेकिन एंटोनियो ने 21वें और 29वें मिनट में गोल दाग कर वेस्ट हैम को महत्वपूर्ण जीत दिलाई। इस जीत से वेस्ट हैम के 34 मैचों में 58 अंक हो गए हैं और वह चौथे स्थान पर काबिज चेल्सी से केवल तीन अंक पीछे है। अभी चार दौर के मैच खेले जाने बाकी हैं।

वेस्ट ब्रोम और वॉल्व्स के बीच खेला गया एक अन्य मैच 1-1 से बराबर छूटा। फैबियो सिल्वा ने पहले हाफ के इंजुरी टाइम में गोल करके वॉल्व्स को बढ़त दिलाई।

खिताब की दौड़ में पिछड़ा सेविला

मैड्रिड, 4 मई (एपी)।

एथलेटिक बिलबाओ से 1-0 से हारने के कारण सेविला की स्पेनिश फुटबाल लीग ला लीगा का खिताब जीतने की उम्मीदों को करारा झटका लगा है।

सेविला अब भी शीर्ष पर काबिज एटलेटिको मैड्रिड से छह अंक पीछे है, लेकिन अब जबकि केवल चार दौर के मैच बचे हुए हैं तब सोमवार की जीत उसे चार मजबूत दावेदारों में शामिल कर सकती थी। रीयाल मैड्रिड और बार्सीलोना भी खिताब के प्रबल दावेदार हैं 1र वे एटलेटिको मैड्रिड से केवल दो अंक पीछे हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने उड़ानों को 15 मई तक रखा है निलंबित | **प्रतिबंध से परेशानी** | क्रिकेटर से कमेंटेटर बने माइकल स्लेटर ने जताया रोष

स्वदेश लौटने की अनुमति नहीं देना अपमानजनक : स्लेटर

मेलबर्न, 4 मई (भाषा)।

क्रिकेटर से कमेंटेटर बने माइकल स्लेटर आइपीएल के जैव सुरक्षित वातावरण (बायो बबल) को छोड़ कर मालदीव चले गए हैं। इससे पहले स्लेटर ने ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री को भारत से अपने देशवासियों को स्वदेश वापसी की अनुमति नहीं देने के लिए आड़े हाथों लेते हुए इसे अपमानजनक बताया।

ऑस्ट्रेलिया ने भारत में कोविड-19 के मामले बढ़ने के कारण वहां से उड़ानों को 15 मई तक निलंबित कर रखा है। ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने स्पष्ट किया है कि आइपीएल में हिस्सा ले रहे ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों और अन्य को स्वदेश लौटने की व्यवस्था स्वयं करनी होगी।

मालदीव पहुंचने से पहले स्लेटर ने ट्वीट किया, 'यदि हमारी सरकार को ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों की सुरक्षा की परवाह है तो वह हमें स्वदेश लौटने की अनुमति देगी। यह अपमानजनक है। किसी भी अनहोनी के लिए आप जिम्मेदार होंगे प्रधानमंत्री। हमारे साथ ऐसा व्यवहार करने का आपने साहस कैसा किया। आप कैसे एकांतवास प्रणाली को सुलझाते हैं। मुझे आइपीएल में काम करने के लिए सरकार ने अनुमति दी थी और अब सरकार नजरअंदाज कर रही है।'

मॉरीसन ने स्लेटर की टिप्पणी को 'बेतुका' करार दिया। उन्होंने कहा, 'यह पूरी तरह से बेतुका है। ऐसा अधिक से अधिक लोगों की सुरक्षित घर वापसी और ऑस्ट्रेलिया को तीसरी लहर से बचाने के लिए किया गया है।'

मॉरीसन ने कहा, 'प्रत्येक प्रणाली को कुछ जटिलताओं का सामना करना पड़ता है और मैं यह प्रणाली नहीं तोड़ने वाला हूं। मैं जो करने जा रहा हूं और वह इस प्रणाली की सुरक्षा के लिए उचित कार्रवाई है ताकि मैं अधिक ऑस्ट्रेलियाई लोगों को सुरक्षित घर पहुंचा सकूं और ऑस्ट्रेलियाई जनता को लंबे समय तक सुरक्षित रख पाऊं।'

ऑस्ट्रेलिया ने भारत में कोविड-19 के प्रकोप के कारण वहां से व्यावसायिक उड़ानों को प्रतिबंधित कर रखा है जिससे आइपीएल में हिस्सा ले रहे सभी खिलाड़ियों, सहयोगी स्टाफ और कमेंटेटरों की समस्या बढ़ गई है।

ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने अपने देश के नागरिकों के भारत से आने पर अस्थायी रोक लगा रखी है। यदि वे अपने आगमन से पहले 14 दिन के अंदर भारत में रहते हैं तो सरकार ने उनके लिए पांच साल जेल की सजा या भारी जुमार्ने की चेतावनी दी है।

विदेशी खिलाड़ियों को वापस भेजने के उपाय ढूढेंगे : पटेल

नई दिल्ली, 4 मई (भाषा)।

आइपीएल के चेयरमैन बृजेश पटेल ने मंगलवार को कहा कि बीसीसीआइ लीग को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किए जाने के बाद विदेशी खिलाड़ियों की वापसी का तरीका ढूंढ लेगा।

सनराइजर्स हैदराबाद के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋद्धिमान साहा और दिल्ली कैपिटल्स के अनुभवी स्पिनर अमित मिश्रा के पॉजिटिव पाए जाने के बाद लीग को निलंबित करने की घोषणा की गई।

विदेशी खिलाड़ी कैसे वापस जाएंगे इस बारे में पूछे जाने पर बृजेश ने पीटीआई से कहा, 'हमें उन्हें स्वदेश भेजने की जरूरत है और हम ऐसा करने का तरीका ढूंढ लेंगे।'

इस लुभावनी लीग से जुड़े विदेशी खिलाड़ी अपने देशों में लौटने को लेकर चिंतित हैं क्योंकि भारत में घातक महामारी फैलने के कारण कई देशों ने यात्रा पाबंदियां लगाई हैं।

बीसीसीआई इससे पहले भी विदेशी खिलाड़ियों की सुरक्षित वापसी का आश्वासन दे चुका है।

कुछ दिन पहले ऑस्ट्रेलिया के तीन खिलाड़ियों के हटने के बाद आइपीएल में इस देश के 14, न्यूजीलैंड के 10 और इंग्लैंड के 11 खिलाड़ी बचे हैं। दक्षिण अफ्रीका के 11, वेस्ट इंडीज के नौ, अफगानिस्तान के तीन और बांग्लादेश के दो खिलाड़ी भी आइपीएल के लिए भारत में हैं।

रजिस्ट्रेशन नं. डी.एल.-21047/03-05, आरएनआई नं. 42819/83, वर्ष 38, अंक 168 *हवाई शुल्क:* इंफल-पांच रुपए, गुवाहाटी-चार रुपए, रायपुर-दो रुपए और पटना-एक रुपए।
दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड के लिए आर. सी. मल्होत्रा द्वारा ए-8, सेक्टर 7, नोएडा- 201301, जिला गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित और मेजनीन फ्लोर, एक्सप्रेस बिल्डिंग, 9-10, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 से प्रकाशित। फोनः (0120) 2470700/2470740, ई-मेलः edit.jansatta@expressindia.com, फैक्सः (0120) 2470753, 2470754, **बोर्ड अध्यक्षः विवेक गोयनका, कार्यकारी संपादकः मुकेश भारद्वाज***, *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेवार। कापीराइटः दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड। सर्वाधिकार सुरक्षित। लिखित अनुमति लिए बगैर प्रकाशित सामग्री या उसके किसी अंश का प्रकाशन या प्रसारण नहीं किया जा सकता।

SAHAJA YOGA INTERNATIONAL · VISHWA NIRMALA DHARMA

सहस्त्रार दिवस के उपलक्ष्य में

सहस्त्रार का भेदन

मानव उत्क्रांति का अंतिम चरण

परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी जी(सहज योग संस्थापिका)

मानव सभ्यता के प्रारंभ से ही मनुष्य प्रकृति को कार्यान्वित करने वाली शक्ति की खोज, उसके विविध प्राकृतिक तंत्रों के कामकाज, विकास और जीवन के उद्देश्य की तलाश में रहा है। समय बीतने के साथ-साथ जब मानव विकास की प्रक्रिया आगे बढ़ी तो मनुष्य ने प्रकृति के साथ मिल जोल शुरू किया। इस प्रयास ने मानव जाति को राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक और धार्मिक महत्व के विभिन्न क्षेत्रों में विकास के विभिन्न स्तरों तक पहुँचाया, परन्तु फिर भी मनुष्य की खोज कभी तृप्त नहीं हुई। हमारे अस्तित्व का अर्थ क्या है यह महत्वपूर्ण प्रश्न अनुत्तरित रहा।

फ्रांसीसी जीवविज्ञानी पियरे लेकोम्टे डु नोय के अनुसार, एक दैवीय अत्क्रांति की प्रक्रिया कार्यरत है। आधुनिक समय के संदर्भ में यह देखा जाना चाहिए कि क्या यह उद्देश्य मानव जाति द्वारा पूरा किया गया था? क्या इसलिए आध्यात्मिक इतिहास के कई शताब्दियों तक मानव को पोषित किया गया था? या क्या इसे भौतिकवाद ने संघर्ष के लिए प्रेरित किया था- भीतर और बाहर के संघर्ष, असुरक्षा और संकट से ग्रस्त?

यदि पारलौकिक कारण ने हमें मानव चेतना के इस स्तर पर ला दिया है, तो हमारे अस्तित्व का अर्थ केवल आत्मसाक्षात्कार की प्राप्ति से ही समझा जा सकता है। हमारी खोज के इतिहास में हमने हमेशा बाहरी वस्तुओं और स्थानों में जीवन का अर्थ खोजा है, यह न जानते हुए कि असली खज़ाना अंदर है। लेकिन अब समय आ गया है कि अब हम अपने अंदर झाँखें और अपने गौरव से परिपूर्ण 'स्व' की खोज करें। वेद-पुराणों, गीता, त्रिपिटक, आगम, तोराह, अवेस्ता, बाइबिल, कुरान, गुरु ग्रंथ साहिब, आदि जैसे सदियों पुराने पवित्र ग्रंथ स्पष्ट रूप से इस आधुनिक युग में होने वाले दिव्य आनंद के अनुभव का उल्लेख करते हैं, जिसकी प्राप्ति कलियुग में जन मानस को होगी। जैसे-जैसे आध्यात्मिक बीज का अंकुरण प्रत्येक व्यक्ति के भीतर निष्क्रिय रूप में ही होगा, तो वह आध्यात्मिक जागरण में अग्रणी होगा। यह जागृति हमारी उत्क्रांति की प्रक्रिया का अंतिम चरण है, हमारे विकास का अंतिम मानदंड है जिसे सबसे जटिल होते हुए भी प्राप्त करना सबसे सरल है। यह एक बीज से पेड़ बनने जैसे जैविक विकास की तरह है जो स्वाभाविक रूप से अपनी गति से होता है। जैसे सभी फूल अपनी गति से अलग-अलग समय पर खिलते हैं, जैसे मानव हृदय अपने आप ही पूरे शरीर में रक्त प्रवाह करता है और जिस तरह पाचन की प्रक्रिया अपने आप होती है, यह जागृति भी स्वत: किसी भी अन्य जीवित प्रक्रिया की तरह बाहरी प्रयासों या बाहरी अनुशासन के बिना कार्य करती है। 'स्व' का यह बोध, एक मानसिक या बौद्धिक समझ नहीं है, बल्कि एक अनुभव है, एक ऐसा बोध है जो हमारे सेंट्रल नर्वस सिस्टम (स्वचालित नाड़ी तंत्र) पर होता है और इसे महसूस किया जा सकता है।

हम सभी के अंदर एक दिव्य शक्ति है जिसे कुंडलिनी कहा जाता है, जो भीतर निष्क्रिय रहती है। यह कुंडलिनी वह मातृ ऊर्जा है जो साढ़े तीन कुण्डलों में हमारी रीढ़ की हड्डी के आधार पर सुप्तावस्था में स्थित होती है और ऊपर उठकर छह ऊर्जा केंद्रों (चक्रों) को भेदती है और अंतत: सहस्रार का भेदन करती है। मानव सूक्ष्म प्रणाली में सहस्रार के भेदन पर, जैसे एक बंद ढक्कन वाला मिट्टी का बर्तन समुद्र में फेंका जाता है, वह पानी से भर जाता है और ढक्कन को हटाने पर गहराई मे चला जाता है, व्यक्ति भी परमात्मा के साथ मिलन का अनुभव करता है - और सामूहिकता के दायरे में प्रवेश करता है उसके भीतर निहित दिव्यता की गहराईयों को छूने वाली जागरूकता प्राप्त करता है। प्राचीन काल में, हालांकि, इस शक्ति का जागरण बहुत कठिन था और एक गुरु केवल एक शिष्य को आत्म-साक्षात्कार दे सकता था। यह प्रक्रिया बेहद कठोर थी और इसमें गुरु के निर्देशों के तहत कठिन तपस्या और साधनों के माध्यम से मन और शरीर की सख्त शुद्धि शामिल थी। हिमालय की तपस्थली में कठोर तपस्या से, किष्किंधा के गहरे जंगलों में व्यापक ध्यान करने वाले साधकों में से केवल और केवल, सबसे शुद्ध और समर्पित लोग अपना आत्म-साक्षात्कार प्राप्त कर पाते थे। परिणामस्वरूप, लाखों लोगों में से, केवल एक या दो को ही आत्मिक ज्ञान प्राप्त होता था।

इस कलियुग का सबसे बड़ा उपहार है, सहज योग। योग अर्थात परमात्मा से जुड़ाव की इस स्थिति को सहज योग के माध्यम से कुंडलिनी जागरण की सहज प्रक्रिया के माध्यम से आसानी से प्राप्त किया जा सकता है, परम पूज्य श्री माता निर्मला देवी द्वारा स्थापित प्रसामूहिक आत्मसाक्षात्कार की प्रक्रिया। 'सहज' का अर्थ है अनायास अर्थात सरल इसीलिए परमात्मा की दिव्य शक्ति के साथ जुड़ाव 'योग' अत्यंत सहज हो जाता है। सहज योग के माध्यम से, साधक 'द्विज' बन जाता है - 'दो बार जन्मा' जिसे यीशु मसीह ने पुनरुत्थान बताया है। ठीक उसी तरह जैसे जब अंडा फूटता है, तो खोल टूट जाता है और चूजा बाहर आ जाता है, आत्मसाक्षात्कार होने पर समान रूप से हम हमारे अहंकार के खोल से बाहर आ जाते है और जब कुंडलिनी सहस्त्रार को भेदती है तो हमारा अहंकार समाप्त हो जाता है और हम आत्म तत्व में स्थापित हो जाते हैं।

आत्मसाक्षात्कार की यह प्रक्रिया केवल और केवल परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी जी की दिव्य कृपा के साथ होती है, जिन्होंने 5 मई, 1970 को सहस्रार खोलने के बाद सहज योग की शुरुआत की। श्री माताजी को यकीन था कि केवल उपदेश देना और किताबें लिखना मदद करने वाला नहीं था। आध्यात्मिकता और ईश्वर के महान कार्यों को समझने के लिए स्वयं के भीतर एक परिवर्तन होना चाहिए था। स्वयं के भीतर एक घटना होनी थी, और यह सामूहिक रूप से किया जाना था, व्यक्तिगत रूप से नहीं। वह दिन-रात अथक परिश्रम करती थीं, पूरी दुनिया का दौरा करती थीं, और सामाजिक, सांस्कृतिक और मानव निर्मित सीमाओं से परे सभी को आत्मसाक्षात्कार देती थीं। श्री माताजी ने कभी भी अपने काम के लिए कोई पैसा नहीं लिया। जैसा कि वह कहती हैं, 'यह आपको ज्ञात होना चाहिए, आप सहज योग के लिए कोई पैसा नहीं दे सकते। पैसे के बारे में सोचना भी अपमान है। यह आपका अपना अधिकार है, आप इसके लिए बने हैं।"

जब सहस्रार का भेदन होता है और आत्मा का प्रकाश हमारे चित्त में प्रकाशित होता है, कोई भ्रम या तनाव नहीं रहता और निर्विचार समाधि- विचारहीन जागरूकता की स्थिति अनुभव होती है। जैसे ही प्रकाश अस्तित्व में आता है, अज्ञानता का सारा अंधकार दूर हो जाता है और व्यक्ति अपने हाथों की हथेलियों और सिर के ऊपर ठंडी हवा की सूक्ष्म तरंगों के रूप में व्यक्त परमात्मा के साथ संबंध का अनुभव करना शुरू कर देता है। आत्मज्ञान होने पर यह शरीर अपने आप में हमारे भीतर प्रबुद्ध सभी धर्मों के दिव्य सार के साथ एक मंदिर बन जाता है। हमारी दृष्टि बदलती है और हम अपने भौतिक रूप से परे होते हुए दूसरों के हृदय को छूने लगते हैं। दिल पूरी मानवता के लिए प्यार से भर जाता है और एक गहन शांति अंदर प्रस्थापित हो जाती है और स्वचालित रूप से हम उन सभी गुणों को अपनाना शुरू कर देते हैं जो हमारे भीतर निहित हैं।

आत्मसाक्षात्कारी व्यक्तियों का वर्णन

सौजन्य: संत ज्ञानेश्वर, पसायदान

चला कल्पतरूंचे आरव, चेतनाचिंतामणींचे गाव, बोलती जे अर्णव, पीयूषांचे ॥५॥

जिनकी (संतोंकी, सज्जनोंकी) वाणी और शब्द जैसे अमृतका समुद्र है, उनकी वजहसे यह पृथ्वी कल्पवृक्षोंका बगीचा बन जाये (जाता है), वे चेतनारूपी चितामणियोंके जैसे गांव हैं।

चन्द्रमेंजे अलांछन, मार्तण्ड जे तापहीन, ते सर्वाही सदा सज्जन, सोयरे होतु ॥६॥

चंद्र जैसे तेजस्वी होकरभी जिनके ऊपर कोई दाग नहीं (पवित्र हैं), खोट नहीं और लांछन नहीं हैं, सूर्य (मार्तण्ड) जैसे प्रखर (ज्ञानसे प्रदीप्त) होकरभी जो तप्त, उष्ण (अहंकारसे भरे) नहीं हैं, वे सर्वथा सदैव सज्जन, करुणा और दया से युक्त होते हैं।

यह परिवर्तन आंतरिक है जिसकी अभिव्यक्ति जीवन के सभी क्षेत्रों में होती है चाहे वह मानसिक, शारीरिक या भावनात्मक हो। ध्यान के माध्यम से, व्यक्तित्व में गतिशीलता और एक बड़ी गहराई विकसित होती है। केवल एक चीज़ जो हमें करनी है, वह है, अपने उत्थान हेतु शुद्ध इच्छा करना। जब तक माँ कुंडलिनी को जागृत नहीं किया जाता है तब तक हम कभी भी स्वयं को नहीं समझ सकते हैं। विचार-विमर्श, प्रवचन, किताबी अध्ययन, मंदिरों का निर्माण हो सकता है, लेकिन यदि आत्मा का प्रकाश स्वयं हृदय से गायब है, तो ये सभी चीजें हमारे अस्तित्व को कभी भी अर्थ नहीं दे सकती हैं और निरर्थक हो सकती हैं। एक दीपक जो जलाया ही नहीं गया प्रकाश नहीं फैला सकता। केवल जब हम अपनी स्वतंत्रता में इच्छा करते हैं केवल तभी यह जागृति हो सकती है। सहस्रार, जोकि हमारा अंतिम चक्र है, हमें पूरी तरह से एकीकृत कर संतुलन की स्थिति का आनंद देता है और दैवीय शक्ति के साथ पूर्ण एकाकारिता में प्रवेश कराता है। यह ही सभी धर्मों, शास्त्रों और सृष्टि का सार है। हमारा विकास रुका नहीं है, लेकिन जो बचा हुआ है वह हमारी उत्क्रांति की अंतिम छलांग है जो हमें आध्यात्मिकता के एक नए स्टार तक पहुंचा देती है, तभी हम जान सकते हैं कि हम क्या हैं और हम जो कुछ भी बाहर खोज रहे थे, वह हमारे अपने अंतस में ही है । आत्म तत्व में स्थापित होना हमारे विकास का उच्चतम बिंदु है और सहज योग के माध्यम से ही इस अहसास को जीवन में महसूस किया जा सकता है, अनुभव किया जा सकता है। यह परम सत्य है। और अब समय आ गया है कि इस युग में हम इसे समझें, अपना आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करें और शाश्वत आनंद और चिरस्थायी शांति से भरे जीवन का आनंद लें। अगर शांति हमारे भीतर है तो पूरी दुनिया में शांति होगी। पूरी मानवता की खोज का उत्तर अब आ गया है।

"आप अपने जीवन का अर्थ तब तक नहीं जान सकते, जब तक कि आप उस शक्ति से नहीं जुड़े हैं, जिसने आपको बनाया है।"

परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी जी

आत्मसाक्षात्कार का अनुभव प्राप्त करने के लिए नीचे दिए गए वेबसाइट पर जाएं:

WWW.SAHAJAYOGA.ORG.IN | WWW.NIRMALDHAM.ORG | WWW.SAHAJAYOGAMUMBAI.ORG | E-MAIL: ATMAJAGRATI@GMAIL.COM | TOLL FREE 1800-2-700-800

• NCR - 93101 77207 • MUMBAI - 98203 15343 • JHANSI - 98891 58145 • DEHRADUN - 94120 47547